खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 19 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-49

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात का दिखने लगा असर

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का जोरदार ऐलान

आतंकवादियों की सरकार चला रहे यूनुस, मटियामेट कर दूंगी

मैं बांग्लादेश लौटूंगी और शहीदों का हिसाब लूंगी

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात के बाद बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य बदलने के संकेत मिलने लगे हैं। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने धमाकेदार ऐलान किया है कि वे शीघ्र बांग्लादेश लौटेंगी। शेख हसीना ने अपने संदेश में कहा है कि वे बांग्लादेश लौटेंगी और पक्का करेंगी कि इस सरकार के आने के बाद से जिन लोगों पर जुल्म हुए हैं, उन्हें न्याय मिले। शेख हसीना ने यह संदेश पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन दिया है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस नहीं जानते कि सरकार कैसे चलाई जाती है। यूनुस ने देश की तमाम जांच समितियां भंग करके आतंकवादियों को बेलगाम छोड़ दिया है जिससे वे मासूमों को मार सकें। यह सरकार बांग्लादेश को बर्बाद

करने पर तुली है। लेकिन हम चुप नहीं बैठेंगे, आतंकवादियों की सरकार को हटाकर मानेंगे।

हसीना ने कहा, हर उस परिवार की मदद की जाएगी जिसे पीड़ा पहुंचाई गई है। यह पक्का किया जाएगा कि हत्यारों को बांग्लादेश का कानून सजा दे। हसीना ने कहा, मैं जरूर वापस लौटूंगी। शायद इसीलिए मुझे अल्लाह ने जिंदा रखा है। उन्होंने एक बार फिर से यह बात दोहराई है कि छात्र आंदोलन में लोगों की मौत पुलिस की गोली से नहीं हुई थी। उनके इस दावे की जांच कराई जा सकती और ये सही निकलेंगे।

शेख हसीना ने सीधा आरोप लगाया कि यूनुस हिंसा करने वाले अपराधियों को बचा रहे हैं। छात्रों ने हिंसा शुरू की थी जिसके निशाने पर पुलिसकर्मियों के अलावा, उनकी पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ता थे, बुद्धिजीवी थे और कलाकार थे। उनकी हत्याएं की गईं। हत्या की घटनाओं के शिकार हुए लोगों के परिजनों को यूनुस के राज में न्याय मिल ही नहीं सकता। ▶10पर

एयरपोर्ट पहुंच कर पीएम मोदी ने किया कतर के अमीर का स्वागत

कतर से दोस्ती में नहीं छोड़ेंगे कसर

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व के देश कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी का कल दिल्ली पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। पोटोकॉल के प्रावधानों को दरकिनार कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद एयरपोर्ट गए और कतर के अमीर का स्वागत किया। राष्ट्रपति भवन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनकी अगवानी की। भारत और कतर के बीच कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं। इन समझौतों में आय पर करों के संबंध में दोहरे कराधान से बचने और राजकोषीय चोरी की रोकथाम के लिए एक संशोधित समझौता भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर राज्य के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की उपस्थिति में दिल्ली के हैदराबाद

हैदराबाद हाउस में हुई मोदी-अमीर वार्ता, दोनों देशों के मंत्री शामिल

व्यापारिक और रणनीतिक महत्व के कई समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

हाउस में समझौते से जुड़े सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए। कतर के अमीर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत भारत सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की।

कतर के अमीर अल-थानी और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हैदराबाद हाउस में बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, पीयुष गोयल, निर्मला सीतारमण, मनसुख मंडाविया और पीके मिश्रा इस बैठक में शामिल थे। दोनों पक्षों ने व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश में कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का भी आदान-प्रदान किया। कतर के अमीर की यह दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे मार्च 2015 में भारत आए थे। कतर अमीर अल-थानी की इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साल 2024 के अंत में विदेश मंत्री एस जयशंकर कतर पहुंचे थे। वहां उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की थी। यह एक साल में उनकी चौथी कतर यात्रा थी। भारत और कतर के बीच सोमवार को दिल्ली में 2 एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन अल थानी मौजूद थे। दोनों ने भारत-कतर के बीच ज्वाइंट ट्रेड फोरम की शुरुआत की।

अमेरिका में ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यूरोप से लेकर मध्य पूर्व तक अनिश्चितता का माहौल है। ऐसे में अपनी ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए भारत कतर को एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर देख रहा है। कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर है। भारत की जरूरत का 50 प्रतिशत एलएनजी कतर से ही आता है। इसके अलावा भारत की जरूरत का 30 प्रतिशत एलपीजी भी कतर उपलब्ध कराता है।

भारत का कतर के साथ 10.64 अरब डॉलर का व्यापार घाटा ऑब्जरवेट्री ऑफ इकोनॉमिक कॉम्पलेक्सिटी (ओईसी) के मुताबिक भारत और कतर के बीच साल 2023-24 में 14.04 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। ▶10पर

नए कानून से ज्ञानेश कुमार नियुक्त हुए मुख्य चुनाव आयुक्त

आदतन कांग्रेस ने इस नियुक्ति पर भी जताया विरोध

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

नए कानून से ज्ञानेश कुमार देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नियुक्त किए गए। वे राजीव कुमार की जगह लेंगे। कानून मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से ही चुनाव आयुक्त के रूप में काम कर रहे थे। उन्हें पदोन्नत किया गया है। उनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक होगा। कांग्रेस पार्टी ने आदतन इस नियुक्ति का भी विरोध किया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी चयन बैठक में शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा चुनाव और अगले साल बंगाल, असम और तमिलनाडु में होने वाले

विधानसभा चुनावों की देखरेख संभालेंगे। 2027 में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में ही होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम पर विचार के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नॉर्थ ब्लॉक में हुई बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए। पुरानी व्यवस्था के तहत तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त को मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया जाता रहा है। हालांकि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून के तहत अब समिति के माध्यम से नए मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तों और कार्यालय की शर्तें) अधिनियम, 2023 के तहत नए मुख्य चुनाव आयुक्त वर्तमान में आयोग में शामिल चुनाव आयुक्त भी हो सकते हैं या फिर ▶10पर

कांग्रेस नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त को कव्वाली वाला कहा

महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता अतुल लोंढे पाटिल ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को कव्वाली वाला कहा। लोंढे ने कहा, शेरो-शायरी वाला राजीव कुमार गया तो कव्वाली वाला ज्ञानेश कुमार आ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि चयनित नाम सरकार के हिसाब से काम करेंगे। पाटिल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले ये नियुक्ति गलत है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का इंतजार करना चाहिए था।

जम्मू कश्मीर में तीन नए कानून के कार्यान्वयन की दिल्ली में समीक्षा

जम्मू कश्मीर के नागरिकों की सुरक्षा प्रथम दायित्व : शाह

गृह मंत्री की समीक्षा बैठक में शामिल हुए एलजी और सीएम

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला के साथ केंद्र शासित प्रदेश में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में जम्मू और कश्मीर में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्र सरकार और जम्मू कश्मीर सरकार के आला अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए तीन नए पीड़ित-केंद्रित आपराधिक कानूनों के माध्यम से त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में तकनीक ▶10पर

बेहूदा बयान देने में कांग्रेसियों का कोई जवाब नहीं

मायावती का गला घोंटने का वक्त है : उदितराज

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदितराज ने बसपा सुप्रीमो मायावती का गला घोंट डालने की खुली वकालत की है। उदितराज ने आरोप लगाया है कि मायावती ने सामाजिक आंदोलन का गला घोंट दिया है इसलिए मायावती का गला घोंट दिया जाना चाहिए। उदित राज ने मायावती की हत्या की बात को सही ठहराने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का हवाला दिया है। उदितराज ने कहा, कृष्ण बोले कि कोई सगा नहीं है, न्याय के लिए लड़ो अपने लोगों को ही मार दो। सबसे पहले जो अपना दुश्मन हो, उसे मार डालो। उदितराज ने कहा, आज हम उसी मोड़ पर खड़े हैं और हमारा दुश्मन सामने है। ▶10पर

कयाकिंग कर रहे युवक को व्हेल ने निगला, कुछ ऐसा हुआ कि वापस उगल दिया

सैंटियागो, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

चिली के बहिया एल अगुइला इलाके में व्हेल मछली ने कयाकिंग कर रहे युवक के एड्रियन सिमांकस को निगल लिया और फिर कुछ सेकंड बाद उगल भी दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

एड्रियन अपने पिता डेल के साथ स्ट्रेट ऑफ मैगलन के पास बहिया एल अगुइला में कयाकिंग कर रहा था तभी अचानक विशाल हंपबैक व्हेल ने पानी से बाहर आकर एड्रियन को निगल लिया। डेल तब उससे कुछ मीटर की दूरी पर थे। उन्होंने इस डरावनी घटना को कैमरे में कैद किया और अपने बेटे को शांत रहने के लिए कहते रहे।

युवक के पिता ने घटना को कैमरे में किया कैद बेटे को शांत करने को कहा

एड्रियन ने एक इंटरव्यू में बताया कि उसे अचानक पीछे से कुछ टकराता हुआ महसूस हुआ, जिसने मुझे अंदर की ओर खींचा। जब मैंने आंखें खोलीं, तो मैंने खुद को व्हेल के मुंह में पाया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने चेहरे पर कुछ चिपचिपा सा महसूस हुआ।

चारों ओर सिर्फ गहरा नीला और सफेद रंग दिखाई दे रहा था। उस पल उसने सोचा कि अगर इसने मुझे पूरी तरह निगल लिया तो क्या कर सकता हूं। उससे लड़ नहीं सकता था, इसलिए कुछ सोचने की जरूरत थी। एड्रियन ने कहा कि उसे कुछ सेकंड के लिए लगा कि वह मर गया है लेकिन व्हेल ने अचानक उसे मुंह से उगल दिया और वह पानी की सतह पर आ गया। सतह पर पहुंचने के बाद एड्रियन अपने पिता के पास तैरकर पहुंचा और दोनों सुरक्षित तट पर लौट आए। डेल ने कहा कि उन्हें कुछ समय के लिए डर लगा, लेकिन जब उन्हें उसे पानी से बाहर आते देखा, तब जाकर राहत की सांस ली।

इस डरावनी घटना के बावजूद एड्रियन और उनके पिता डेल ने कहा कि वे कयाकिंग एडवेंचर्स को जारी रखेंगे। एड्रियन ने कहा कि यह एक अनोखा अनुभव था जिसने मुझे दूसरा जीवन दिया है। वह इसका पूरा फायदा उठाएंगे।

इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोग हैरान हैं। मरीन विशेषज्ञों का कहना है कि हंपबैक व्हेल आमतौर पर इंसानों पर हमला नहीं करतीं और यह घटना संयोगवश हुई। एड्रियन और डेल ने कहा कि भविष्य में भी वे कयाकिंग करना जारी रखेंगे, लेकिन और भी अधिक सतर्कता बरतेंगे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के पास ऐसा हथियार जिससे थर्र-थर्र कांपता है चीन

वॉशिंगटन। अमेरिका के पास एक ऐसा हथियार है जिससे शी जिनपिंग की नींद उड़ जाती है। यह है पब्लिक लॉ 117-263 - जिसे अमेरिकी कांग्रेस ने 23 दिसंबर, 2022 को पारित किया था, जिसे फिस्कल ईयर 2023 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट के नाम से भी जाना जाता है। खास तौर पर सेक्शन 6501, शी जिनपिंग के लिए सबसे बड़ी चिंता का कारण है। इसका शीर्षक ही सब कुछ कह देता है, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की संपत्ति और भ्रष्ट गतिविधियों पर रिपोर्ट। और यह साफ है कि शी और उनके सहयोगी जांच के केंद्र में हैं। कानून में कहा गया है कि इस अधिनियम के लागू होने की तारीख के 1 वर्ष के भीतर, नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर, विदेश मंत्री की सलाह से, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व की संपत्ति और भ्रष्ट गतिविधियों पर एक अनक्लासिफाइड रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से मुहैया कराएंगे। इस उपाय में उन आंकड़ों का उल्लेख किया गया है जिनमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव - यानी शी जिनपिंग - और केंद्रीय समिति, पोलित ब्यूरो, पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के वरिष्ठ नेतृत्व अधिकारी और किसी भी अन्य क्षेत्रीय पार्टी सचिव शामिल हैं। ये हैं वे लोग जो सीसीपी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) की टॉप लीडरशिप में बेहद खास हैं। अमेरिकी सरकार द्वारा उठाए गए किसी भी अन्य कदम से अधिक, यह सीसीपी के आलाकमान को सीधे प्रभावित करता है। प्रतिबंध और टैरिफ लगाएं, और शी जिनपिंग और सीसीपी के उच्च अधिकारी खुशी-खुशी आम चीनी नागरिकों को कठिनाई और सजा सहने देंगे, बिना किसी सीमा के।

यूएन ने चेताया कहा- अमेरिकी सहायता रोके जाने से मर सकते हैं एड्स के लाखों मरीज

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एड्स प्रोग्राम की निदेशक विनी ब्यानिमा ने चेतावनी दी है कि अमेरिका द्वारा विदेशी सहायता रोके जाने से दुनिया भर में एड्स के लाखों मरीज मर सकते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही जो शुरुआती फैसले लिए, उनमें दुनिया भर में दी जाने वाली विदेशी सहायता पर रोक का फैसला प्रमुख था। अब इस फैसले का असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र के लिए विदेशी सहायता का दुनिया में सबसे बड़ा प्रदाता है। यह मदद अमेरिका अपने एजेंसी संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) के द्वारा करता रहा है। जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप ने यूएसएआईडी के तहत दी जाने वाली विदेशी सहायता तीन महीने के लिए रोक दी है। इससे मानवीय मदद के कामों पर बड़ा असर पड़ा है। यूएसएआईडी की कार्यकारी निदेशक विनी ब्यानिमा ने बताया कि अगर विदेशी सहायता के तहत मिलने वाली निधि अगर खत्म हो जाती है, तो लोग मर जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि एड्स से मृत्यु दर दस गुना तक बढ़ सकती है। साल 1961 में अमेरिका ने यूएसएआईडी की शुरुआत की थी। इसका वार्षिक बजट 40 अरब डॉलर से ज्यादा है। फिलहाल ट्रंप ने इस पर तीन महीने की रोक लगा दी है। समीक्षा के बाद इसके तहत होने वाली कुछ फंडिंग को फिर से शुरू किया जा सकता है।

मोस्ट वांटेंड आतंकी हाफिज सईद के साले की गोली मारकर हत्या, पाकिस्तान में हड़कंप

इस्लामाबाद। हाफिज सईद के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक विंग के नेता मौलाना काशिफ अली की खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोली मारकर हत्या की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, काशिफ अली भारत के सबसे मोस्ट वांटेंड आतंकी हाफिज सईद का साला था। रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के नेता अली को पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी में उनके घर के दरवाजे पर गोली मारी गई। अज्ञात हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक पर सवार होकर भाग निकले। पीएमएमएल की स्थापना हाफिज सईद ने की थी। इस पार्टी को लश्कर-ए-तैयबा की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है। मौलाना काशिफ को हाफिज सईद का दाहिना हाथ समझा जाता था। पीएमएमल के प्रवक्ता ने अली की मौत को आतंकवादी घटना बताया है। काशिफ अली की हत्या ने पाकिस्तान में सनसनी फैला दी है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठनों ने पाकिस्तान सरकार की आलोचना कर हत्यारों की तत्काल की गिरफ्तारी की मांग की हैं।

संसद में झूठ बोलने के मामले में भारतीय मूल के प्रीतम सिंह पर लगा जुर्माना

सिंगापुर, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

सिंगापुर में भारतीय मूल के विपक्षी नेता प्रीतम सिंह पर यहां की जिला अदालत ने 14 हजार डॉलर का जुर्माना लगाया है। सिंह पर आरोप था कि उन्होंने संसद की समिति के समक्ष शपथ लेकर झूठ बोला। ऐसे ही दो मामलों में उन्हे दोषी करार दिया गया है। दो आरोपों के लिए अधिकतम सात-सात हजार सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया। सुनवाई के बाद विपक्ष के नेता ने पत्रकारों से कहा कि वह इस वर्ष नवंबर में होने वाले आम चुनाव में भाग लेंगे। सिंगापुर के संविधान के अनुसार, अगर किसी वर्तमान सांसद को कम से कम एक वर्ष की जेल हो या उस पर कम से कम 10,000 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया जाए तो वह अपनी सीट खो देगा तथा चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। उप प्रधान जिला न्यायाधीश ल्यूक टैन ने सिंह सदन में झूठ बोलने के दो आरोपों में दोषी ठहराया। एक मामला 2021 में पार्टी के एक पूर्व सदस्य और सांसद रईस खान के एक अन्य झूठ बोलने के मामले से जुड़ा है। सिंह (48) पर 10 दिसंबर और 15 दिसंबर 2021 को खान के मामले की जांच के दौरान विशेषाधिकार समिति (सीओपी) को जानबूझकर दो झूठे जवाब देने का आरोप था। सिंह विपक्षी 'वर्कर्स पार्टी' के महासचिव हैं और उन्हें सोमवार को दोषी ठहराया गया। न्यायाधीश ने सजा सुनाते हुए कहा, 'अदालत को शपथ लेने के बाद सच्ची जानकारी देने के महत्व पर संदेश देना चाहिए।' न्यायाधीश ल्यूक टैन अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष दोनों से सहमत थे कि सिंह के मामले में जेल की सजा उचित नहीं है। सिंह पर 10 दिसंबर और 15 दिसंबर, 2021 को खान के मामले की जांच के दौरान सीओपी को जानबूझकर दो गलत जवाब देने का आरोप लगाया गया था। उन पर दो मामलों में झूठी गवाही देने का आरोप लगाया गया था। अभियोजन पक्ष ने प्रत्येक आरोप पर अधिकतम 7,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने का अनुरोध किया था। हालांकि, निर्वाचन विभाग ने पुष्टि की कि सिंह पर लगाई गई सजा उन्हें सांसद के रूप में अयोग्य ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। विभाग ने कहा कि अयोग्यता एक ही अपराध के लिए दी गई सजा पर आधारित है। 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी कानूनी टीम को अपील नोटिस दाखिल करने तथा लिखित फैसले को बारीकी से देखने का निर्देश दिया है। सजा सुनाए जाने के बाद राज्य न्यायालय में मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि उनका इरादा आगामी आम चुनाव लड़ने का है, जो इस वर्ष नवंबर में होने वाला है।

कांगो में रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने बुकावु पर कब्जा किया

बुकावु। कांगो में रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने खनिजों से समृद्ध पूर्वी कांगो के दूसरे प्रमुख शहर बुकावु पर कब्जा किया है। विद्रोही समूह एम23 ने इसकी पुष्टि की है कि उनके लड़ाके बुकावु शहर में हैं और कांगो की सेना के वहां से जाने के बाद, विद्रोहियों ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था संभाल ली है। एक संगठन जिसमें एम23 सहित अन्य विद्रोही समूह शामिल हैं, ने एक बयान जारी कर कहा हैं कि उनके लड़ाके 13 लाख की आबादी वाले बुकावु शहर में सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने और जनता की सहायता करने के लिए जिम्मेदारी निभा रहे हैं। 'एम23' के प्रवक्ता लॉरेंस कान्यूका ने कहा, हमारे बल लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं, इससे पूरी आबादी संतुष्ट है। यह भी प्रतीत हो रहा है कि सरकारी बलों ने विद्रोहियों से कोई गंभीर संघर्ष नहीं किया, और यहां तक कि कई सैनिकों को नागरिकों के साथ भागते हुए देखा गया। वहीं विद्रोही नेता बर्नार्ड महेशे बयामुंगू ने गवर्नर कार्यालय के सामने खड़े होकर निवासियों से कहा कि वे जंगल में रह रहे हैं और अब वे पुराने शासन की अव्यवस्था को ठीक करने का इरादा रखते हैं।

बच्चे छोटे हो तो माता-पिता का स्ट्रेस लेवल होता है अधिक

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

छोटे बच्चे माता-पिता के लिए अधिक मानसिक दबाव का कारण बन सकते हैं। यह खुलासा हुआ है एक ताजा अध्ययन में। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी की रिपोर्ट के अनुसार, एक क्लीनिकल स्टडी में यह पाया गया कि जब बच्चे छोटे होते हैं, तो माता-पिता का स्ट्रेस लेवल अधिक होता है। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, माता-पिता का तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। इसकी एक वजह यह है कि छोटे बच्चों को लगातार देखभाल की जरूरत होती है, वे अपने मूड स्विंग्स और गुस्से को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे घर का माहौल भी प्रभावित होता है।

बच्चे कभी खुश तो कभी चिढ़े हुए नजर आते हैं, जिससे माता-पिता को उन्हें संभालने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ते हैं। छोटे बच्चों में टैंट्रम (जिद और गुस्सा) होना आम बात है। जब उनकी कोई इच्छा पूरी नहीं होती, तो वे गुस्से में चिल्लाने लगते हैं, रोते हैं या बुरा व्यवहार करने लगते हैं।

यह स्थिति माता-पिता के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होती है, क्योंकि उन्हें समझना होता है कि यह उनके विकास का एक हिस्सा है। इस दौरान सही प्रतिक्रिया देना महत्वपूर्ण होता है ताकि बच्चे की आदतें नकारात्मक रूप न लें।

छोटे बच्चे अपनी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाते, इसलिए वे अक्सर गुस्से या चिढ़ के जरिए अपनी भावनाओं को दिखाते हैं। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, वे अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने में सक्षम हो जाते हैं और अपने कार्यों के परिणामों को समझने लगते हैं।

इस उम्र में माता-पिता की भूमिका बदल जाती है। उन्हें अपने बच्चों के साथ अधिक संवाद करना होता है और उनके विचारों को समझने की जरूरत होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, माता-पिता को धैर्य के साथ छोटे बच्चों की भावनाओं को समझने और सही तरीके से उनका मार्गदर्शन करने की जरूरत होती है।

इससे न केवल बच्चों का मानसिक विकास सही तरीके से होगा, बल्कि माता-पिता का तनाव भी कम होगा। मालूम हो कि बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं होता। माता-पिता को उनके पालन-पोषण के लिए कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर जब बच्चे छोटे होते हैं, तो उनकी देखभाल में अधिक समय और मेहनत लगती है।

फ्रैंकफर्ट शहर के एक इलाके में भारी बारिश

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर के एक इलाके में भारी बारिश के कारण चारों ओर पानी भरा नजर आ रहा।

कनाडा में बड़ा विमान हादसा टला, 80 लोगों को लेकर आ रहा विमान लैंडिंग के समय पलटा, 18 लोग मामूली रूप से घायल

टोरंटो, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

कनाडा में टोरंटो के पियर्सन हवाई अड्डे पर सोमवार को डेल्टा एयरलाइंस का विमान लैंडिंग के समय पलट गया। यह विमान रनवे पर उल्टा पड़ा रहा। राहत की बात है कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। मामूली रूप से घायल 18 यात्रियों को अस्पताल भेजा गया है। दुर्घटना के कारणों का अबतक पता नहीं चला है, फिलहाल इसकी जांच चल रही है।

टोरंटो स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक पियर्सन हवाई अड्डे पर सोमवार को डेल्टा एयरलाइंस का विमान लैंडिंग के समय पलट गया। दुर्घटना दोपहर करीब 2:15 बजे हुई। दुर्घटनाग्रस्त विमान में 76 यात्री और चालक दल के 4 सदस्य सवार थे। हादसे में मामूली रूप से घायल हुए 18 विमान यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया है। यात्रियों में 22 कनाडा के नागरिक और बाकी विदेशी नागरिक थे। हादसे के बाद हवाई अड्डे के दो रनवे को बंद कर दिया गया है, जो जांच पूरी होने तक अगले कुछ समय तक बंद रहेंगे।

चीन ने गधों को बना दिया जेबरा, लोग हुए हैरान अब उड़ रहा मजाक

बीजिंग, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन जो आए दिन कुछ न कुछ कारनामे करता रहता है अब चीन ने ये कारनामा किया है, जहां एक चिड़ियाघर में गधों को जेबरा बना दिया गया है। जू में मौजूद गधों पर काली और सफेद धारियां पेंट कर दिया गया है। चिड़ियाघर में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए किया ये कदम छिप नहीं सका और बदनामी भी हो गई। चिड़ियाघर पहुंचने वाले लोगों ने जब गधे को जेबरा के रूप में देखा तो वे हैरान रह गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेडोंग प्रांत में स्थिति जीबी सिटी मनोरंजन पार्क इस महीने की शुरुआत में जांच के दायरे में आया, जब सोशल मीडिया यूजर्स ने जानवरों पर संदिग्ध रूप से साफ-सुथरी धारियों को देखा। ऐसी ही एक तस्वीर में चिड़ियाघर के कर्मचारी को जेबरा के रूप में पेंट किए गए गधे के साथ दिखाया गया है। आलोचना के बाद पार्क के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पेंट का काम एक मार्केटिंग रणनीति थी। इसके बाद आलोचना और बढ़ गई। कई लोगों ने इसे भ्रामक और अनैतिक बताया। एक आलोचक ने लिखा कि यह जानवरों और विजिटर के लिए अनुचित है।

चिड़ियाघर की और से बताया गया कि उसने डाई का इस्तेमाल किया था, लेकिन दावा किया यह हानिरहित थी। वहीं कई यूजर ने खराब तरीके से रूप बदलने का मजाक उड़ाया। एक ने लिखा कि उन्होंने काम भी बहुत बुरा किया। दूसरे ने लिखा, वे धारियां भद्दी लग रही थीं, पिनाटा की तरह।

44 साल की दो बच्चों की मां, 80 बच्चों के साथ यौन अपराध में गिरफ्तार

वाशिंगटन। कई बार अपराध इतना भयानक होता है कि अपराधी को यह अहंकार होता है कि वहां कभी पकड़ा नहीं जाएगा, लेकिन पकड़ने पर है, दुनिया को विश्वास ही नहीं होता कि इतना संगीन अपराध कोई करता रहे और कानून की गिरफ्त में नहीं आए। अमेरिका में ऐसा ही मामला सामने आया। जहां 44 साल की महिला को 80 बच्चों के साथ यौन अपराध में गिरफ्तार किया। जब ये मामला सामने आया तब पूरे अमेरिका में हड़कंप मच गया। 44 साल की सारा जीन सेलर्स नॉर्थ कैरोलिना की निवासी हैं, जिन्हें उनके ऑफिस से गिरफ्तार किया गया। वह विवाहित हैं और उनके दो बच्चे है। उन पर कई गंभीर आरोप लगे हैं, जिसमें 15 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ बलात्कार के 20 मामले और 15 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ यौन अपराध के 20 मामले शामिल हैं। इन गंभीर आरोपों को देखकर उनकी जमानत दो मिलियन डॉलर तय की गई है। सुनवाई के दौरान, अभियोजकों ने खुलासा किया कि दो पीड़ित सिर्फ 12 साल के लड़के थे। इसके अलावा, पुलिस अब दो और बच्चों से पूछताछ कर रही है, जो अपराध का शिकार हुए हैं। ये यौन उत्पीड़न 2018 और 2019 के बीच हुए, इससे सवाल उठता है कि इतने लंबे समय तक यह अपराध कैसे छुपा रहा।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

मुझे दुख पहुंचाने का किसी को अधिकार नहीं: ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने सोशल मीडिया पर नकारात्मकता का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि वह उन्हें अपने जीवन का हिस्सा नहीं मानतीं और वह अब किसी को भी दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देतीं।सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ने कहा, मैं इन लोगों को अपने जीवन का हिस्सा भी नहीं मानती। व्यक्तिगत रूप से मैं किसी की पोस्ट पर नकारात्मक या सकारात्मक कमेंट करने में अपना समय बर्बाद नहीं करूंगी। यह बेकार है। लेकिन कुछ लोगों के पास नकारात्मक कमेंट करने के लिए इतना समय और एनर्जी होती है। मैं सच में नहीं समझ पाती कि वे इतने स्वतंत्र कैसे और क्यों हैं?अभिनेत्री ने कहा कि ऐसे दिन भी आते हैं, जब वह उदास महसूस करती हैं और ऐसे में वह अपने माता-पिता से बात करना पसंद करती हैं।उन्होंने कहा, मैं अब किसी को भी मुझे दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। अब मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं, जो खुद को दुख पहुंचा सकती हूं। पहले मैंने लोगों को मुझे दुख पहुंचाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में माता-पिता के साथ दादी को महत्वपूर्ण स्थान देती हैं। उन्होंने कहा, अभी भी ऐसे दिन हैं, जब आपको लगता है कि आपको किसी की जरूरत है और मेरे लिए वह मेरी मां, पिता और मेरी दादी मां हैं।जब उनसे पूछा गया कि वह सुर्खियों में रहने के बाद अपनी पर्सनल लाइफ को कैसे मैनेज करती हैं तो ईशा ने कहा, जब आप एक सेलिब्रिटी होते हैं और लगातार लोगों की नजरों में रहते हैं, तो आपका जीवन निजी नहीं रह जाता है।

लोग आपके बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे में आप जो भी करते हैं या जीवन में जो भी करना चाहते हैं, उसे लेकर आपको सावधान रहना होगा। कई बार मैं घर पर केवल आराम करना चाहती हूं।ईशा ने आगे कहा, मैं अपने आस-पास किसी भी पपराजी को नहीं चाहती। मैं बस अपने परिवार या स्कूल के दोस्तों के साथ रहना चाहती हूं, जो इस इंडस्ट्री से नहीं हैं। ऐसे दिन भी होते हैं, जब मुझे अपनी प्राइवेसी का सम्मान करने और उसे बनाए रखने की जरूरत महसूस होती है।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है डाकू महाराज

21 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें नंदमुरी बालाकृष्ण का नाम जरूर शामिल होता है। बीते समय में उन्होंने अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म डाकू महाराज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है।इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करके दिखाया और अब इसकी ओटीटी रिलीज का एलान भी मेकर्स की तरफ से कर दिया गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि डाकू महाराज को कब और कहां किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन रिलीज किया जाएगा। लंबे समय से फैंस डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। नंदुमरी बालाकृष्ण, उर्वशी रौतेला और बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है, जिसके चलते कमाई के मामले में भी ये मूवी अव्वल रही। अब निर्माताओं ने इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर लेटेस्ट जानकारी साझा की है। दरअसल फेमस ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया की तरफ से डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई है। आने वाली 21 फरवरी को इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर ऑलनाइन रिलीज किया जाएगा। मूलरुप से तेलुगु फिल्म होने के नाते अभी इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि हिंदी भाषा में भी इसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डाकू महाराज को स्ट्रीम किया जाएगा। लेकिन डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज घोषणा के बाद सिनेप्रेमियों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है और वे इसकी ऑनलाइन रिलीज के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। अगर आपने भी अभी तक इस मूवी को नहीं देखा है तो इसे आप 21 फरवरी के दिन नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। पिछले महीने 12 जनवरी को डाकू महाराज को बड़े पर्दे पर रिलीज किया गया था।

पहले इस मूवी को हिंदी बेल्ट में छोड़कर बाकी अन्य सभी भाषाओं में रिलीज किया गया। ओपनिंग वीकेंड पर मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन करके दिखाया। बाद में 24 जनवरी को हिंदी रिलीज में भी इसे ठीकठाक रिस्पॉन्स मिला।गौर किया जाए डाकू महाराज के टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ तो नंदमुरी बालाकृष्ण की इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 89 करोड़ का कारोबार किया था। जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म की ये कमाई करीब 130 करोड़ रही थी।

प्राइम वीडियो की नई कॉमेडी सीरीज दुपहिया का ऐलान

7 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

छोटे शहर की अनूठी कहानी को मजेदार अंदाज में पेश करती वेब सीरीज दुपहियाळ प्राइम वीडियो पर रिलीज के लिए तैयार है। सीरीज में अभिनेता गजराज राव और रेणुका शहाणे दर्शकों को साथ में हंसाते नजर आएंगे।पंचायत के फुलेरा को टक्कर देने प्राइम वीडियो की नई सीरीज दुपहिया आने वाली है, जिसका प्रीमियर 7 मार्च को होगा।दुपहियाळ की कहानी एक काल्पनिक गांव धड़कपुर पर आधारित है, जो अपराध मुक्त होने के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाला है। हालांकि, गांव की शांति में खलल तब पड़ जाती है, जब एक कीमती दुपहिया (मोटरसाइकिल) चोरी हो जाती है। इस बीच गांव वाले बाइक का पता लगाने के लिए जुट जाते हैं और एक साहसिक अनोखे सफर पर निकल पड़ते हैं।बॉम्बे फिल्म कार्टेल बैनर के तहत सलोना बैंस जोशी और शुभ शिवदासानी ने इसका निर्माण किया है। वहीं, निर्देशक सोनम नायर हैं।सीरीज की कहानी को अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग ने लिखा है। नौ एपिसोड की सीरीज मनोरंजन से भरपूर बताई जा रही है, जिसमें रेणुका शहाणे, भुवन अरोड़ा, गजराज राव, स्पर्श श्रीवास्तव, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।दुपहिया का प्रीमियर भारत के साथ ही 240 से अधिक देशों में 7 मार्च से होगा।शो की घोषणा करते हुए निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ब्रेकिंग न्यूज भारत का एकमात्र अपराध-मुक्त गांव अपने पहले अपराध की रिपोर्ट करता है। कौन ले गया इस सैयां का दुपहिया? जानते हैं?एक बयान में प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने

कहा, यह सीरीज कॉमेडी, दिल और भारत के छोटे से शहर के सार को खूबसूरती से मनोरंजन के साथ पेश करती है। रोमांच, मनोरंजन, नए-नए मोड़ के साथ मंझे हुए कलाकारों से लिपटी सीरीज आपसे मनोरंजक होने का वादा करती है।निर्देशक सोनम नायर ने कहा, दुपहिया को बनाने का सफर शानदार रहा। यह सीरीज कॉमेडी के साथ छोटे शहर की जिंदगी का उत्सव मनाती है।सीरीज में शानदार कलाकारों की टीम ने एनर्जी, कॉमेडी और मनोरंजन के साथ इसे और भी यादगार बना दिया है। सीरीज का हर एक किरदार कमाल है। मुझे यकीन है कि दर्शक इसके हर हिस्से का उतना ही आनंद लेंगे जितना हमने इसे बनाते समय लिया। मैं 7 मार्च का और भारत और दुनिया भर के दर्शकों को धड़कपुर के लोगों से मिलवाने के लिए उत्सुक हूं।दुपहिया का प्रीमियर भारत में प्राइम वीडियो पर और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में 7 मार्च को होगा।

नेहा शर्मा की कातिल अदाएं देख मंत्रमुग्ध हुए फैंस

बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना नेहा शर्मा अपनी फिल्मों से ज्यादा हॉटनेस और बोल्डनेस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। एक्ट्रेस नेहा शर्मा अपनी फिल्मों से ज्यादा बोल्ड ड्रेसिंग सेंस और फिगर के चलते लोगों के बीच मशहूर रही हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बता दें कि नेहा शर्मा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने रेड कलर का इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देते हुए अपना फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।मिनिमल मेकअप, गले में नेकलेस, कानो में इयररिंग्स और खुले बालों को वेवी लुक में स्टाइल कर कर के एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका यह अंदाज फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है।नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही फैंस के बीच बवाल मचाने लगता है।

ब्लैक शॉर्ट्स पहन अवनीत कौर ने दिखाया कातिलाना लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ फोटोज सामने आई हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।टीवी इंडस्ट्री अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं अवनीत कौर ने ब्लैक कलर का टॉप और ब्राउन कलर के शॉर्ट्स पहने हुए हैं। साथ ही एक्ट्रेस का कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।खुले बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के, हाथों में छोटा सा बैग, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।एक्ट्रेस की इन फोटोज को देखकर फैंस की निगाहें उन पर अटक गई हैं। अवनीत कौर जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइलिश लुक को फॉलो करते हैं।

जैस्मिन भसीन ने अपनी आगामी फिल्म बदनाम का पोस्टर किया रिलीज

28 फरवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन ने अपनी आने वाली फिल्म बदनाम का पोस्टर और रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है। जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। फिल्म बदनाम 28 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। पोस्टर में जैस्मिन भसीन और जय रंधावा की जोड़ी नजर आ रही है, जो इस फिल्म की कहानी में दमदार भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म एक्शन, ड्रामा और रोमांच से भरपूर होने की उम्मीद है।फिल्म के पोस्टर में जय रंधावा का रौबदार लुक और जैस्मिन का सशक्त अंदाज देखने को मिल रहा है। बैकग्राउंड में रोमांचक एक्शन सीन और बाघ का चित्रण फिल्म की इंटेंस कहानी की झलक दिखाता है। जैस्मिन भसीन ने पोस्टर के साथ लिखा, बदनाम 28 फरवरी 2025 को दुनिया भर में रिलीज होगी। फैंस इस पोस्ट पर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कमेंट कर रहे हैं।आने वाली पंजाबी फिल्म बदनामळ एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। जिसका निर्देशन मनीष भट्ट ने किया है। जय रणधावा, जैस्मिन भसीन और

मुकेश ऋषि जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म अपने शानदार कथानक और दिलकश दृश्यों के साथ दर्शकों को बांधने का वादा करती है। यह फिल्म 28 फरवरी 2025 को रिलीज होने जा रही है और भारतीय सिनेमा में कहानी और इनोवेशन का नया मापदंड स्थापित करेगी।

24 को ग्रहों के सेनापति मार्गी होंगे मंगल ग्रह

24 फरवरी 2025 को ग्रहों के सेनापति मंगल सीधी चाल से चलने वाले हैं। यानी मंगल ग्रह मिथुन राशि में रहते हुए मार्गी चाल से चलने वाले हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 24 फरवरी 2025 को मंगल ग्रह मिथुन राशि में ही मार्गी हो जाएंगे और मार्गी होते हुए 3 अप्रैल 2025 को फिर कर्क राशि में गोचर करेंगे। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह राशि परिवर्तन करने के अलावा समय-समय पर मार्गी और वक्री होते रहते हैं। मंगल के मार्गी होने से कुछ राशि वालों को किस्मत का अच्छा साथ मिलने के संकेत हैं। लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी और कार्यों में सफलता प्राप्ति होगी।

अग्नि तत्त्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवनशक्ति प्रदान करते हैं। मंगल के कारण उत्साह बढ़ने लगता है। इस ग्रह से शारीरिक ऊर्जा भी बढ़ती है। ज्योतिष में मंगल को ऊर्जा का कारक ग्रह कहा गया है। इस ग्रह के कारण ही इंसान में किसी भी काम को करने की इच्छा पैदा होती है। मंगल के शुभ होने पर व्यक्ति को जीवन में सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है। मंगल को ज्योतिष शास्त्र में सेनापति माना गया है। मंगल समस्त साहसिक कार्य जैसे सेना, अग्निशमन सेवाएं, पुलिस आदि के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता का भी प्रतिनिधित्व करता है। मंगल अग्नि तत्व ग्रह होने के साथ-साथ एक उत्तेजनात्मक ग्रह भी है। मंगल का प्रभाव युद्ध, भूमि, साहस, पराक्रम और बिजनेस पर भी होता है। मंगल का असर हथियार, औजार, सेना, पुलिस और आग से जुड़ी जगहों पर होता है। इस ग्रह के अशुभ असर से गुस्सा बढ़ता है और विवाद होते हैं। जल्दबाजी से बचना होगा। मंगल के अशुभ असर के कारण आम लोगों में गुस्सा और इच्छाएं बढ़ने लगती हैं। इच्छाएं पूरी नहीं होने पर लोग गलत कदम उठा लेते हैं। जिससे विवाद और दुर्घटनाएं होती हैं।

ग्रहों के सेनापति हैं मंगल

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है।

शुभ-अशुभ प्रभाव

रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल के मार्गी होने का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि –किसी संबंधी अथवा मित्र से भी अशुभ समाचार प्राप्ति के योग। भावनाओं में बहकर लिया गया निर्णय हानिप्रद रहेगा सावधान रहें। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। दुर्घटना से भी बचें।

वृषभ राशि–आय के साधन बढ़ेंगे। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों अथवा भाइयों से मतभेद हो सकता है। उच्चाधिकारियों से भी संबंध बिगड़ने न दें।

मिथुन राशि–रोजगार की दिशा में किए गए सभी प्रयास सार्थक रहेंगे। आय के साधन बढ़ेंगे और रुका हुआ धन भी आएगा। जमीन जायदाद से जुड़े हुए मामलों का निपटारा होगा। वाहन खरीदने का भी योग।

कर्क राशि–साहस और पराक्रम की वृद्धि तो होगी ही आपके द्वारा लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना भी होगी। धर्म-कर्म के मामलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। जमीन जायदाद से जुड़े हुए मामलों का निपटारा होगा।

सिंह राशि–मंगल का गोचर काफी मिलाजुला फल प्रदान करेगा। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बढ़ सकती है। पैर में भी चोट लगने अथवा छोटे-मोटे ऑपरेशन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

कन्या राशि–विवाह संबंधित मामलों में भी थोड़ा विलंब हो सकता है। ससुराल पक्ष से रिश्ते बिगड़ने न दें। कार्य व्यापार की दृष्टि से समय बेहतर रहेगा। परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए और प्रयास करने होंगे।

तुला राशि–स्वास्थ्य पर तो विपरीत प्रभाव पड़ेगा। किन्तु झगड़े विवाद अथवा कोर्ट कचहरी के मामलों का निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत। संबंधी अथवा मित्र के द्वारा अशुभ समाचार प्राप्ति के भी योग।

वृश्चिक राशि–शिक्षा प्रतियोगिता की दृष्टि से बेहतरीन रहेगा। विद्यार्थियों के लिए यह समय वरदान की तरह है इसलिए परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए पूरी तन्मयता से लग जाएं। संतान संबंधी चिंता से मुक्ति मिलेगी।

धनु राशि–मंगल का गोचर किसी ना किसी कारण से पारिवारिक कलह एवं मानसिक अशांति तो दे सकता है किंतु मकान वाहन खरीदने का संकल्प भी पूर्ण हो सकता है। परिवार में अलगाववाद की स्थिति न उत्पन्न होने दें।

मकर राशि–कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना चाहें अथवा किसी भी अनुबंध पर हस्ताक्षर करना चाहें तो उस दृष्टि से गोचर अच्छे फलदायक रहेगा। विदेशी मित्रों अथवा संबंधियों से सहयोग बढ़ेगा।

कुंभ राशि–आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रूका हुआ धन भी आएगा किंतु पारिवारिक कलह के कारण मानसिक अशांति का सामना भी करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें, रक्त एवं नेत्र संबंधी विकार से बचें।

मीन राशि–नई ऊर्जा शक्ति का संचार हो जाएगा। अपने कुशल नेतृत्व के बल पर कठिन से कठिन हालात को भी नियंत्रित करने में सफल रहेंगे। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों से जुड़े हुए कार्यों का निपटारा होगा।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

60 साल बाद महाशिवरात्रि पर बन रहा दुर्लभ योग

मकर राशि के चंद्रमा की उपस्थिति में मनेगी महाशिवरात्रि

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन शिव जी और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए यह पर्व हर साल शिव भक्तों द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के दिन शिवजी के भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ व्रत रखते हैं और विधि-विधान से शिव-गौरी की पूजा करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ पृथ्वी पर मौजूद सभी शिवलिंग में विराजमान होते हैं, इसलिए महाशिवरात्रि के दिन की गई शिव की उपासना से कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व 26 फरवरी को मनाया जाएगा। ग्रह योग की विशिष्ट स्थिति इससे पहले साल 1965 में बनी थी। 60 साल बाद फिर महाशिवरात्रि पर्व पर तीन ग्रहों की युति बनी है। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की महाशिवरात्रि 26 फरवरी, धनिष्ठा नक्षत्र, परिघ योग, शकुनी करण और मकर राशि के चंद्रमा की उपस्थिति में आ रही है। इस दिन चार प्रहर की साधना से शिव की कृपा प्राप्त होगी।

शुभ संयोग और शुभ मुहूर्त में भगवान शिव की आराधना करने से उनके भक्तों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होगी।, साल 1965 में जब महाशिवरात्रि का पर्व आया था, तब सूर्य, बुध और शनि कुंभ राशि में गोचर कर रहे थे। आगामी महाशिवरात्रि 26 फरवरी को भी मकर राशि के चंद्रमा की उपस्थिति में यही तीन ग्रह युति बनाएंगे। सूर्य और शनि पिता-पुत्र हैं और सूर्य शनि की राशि कुंभ में रहेंगे। यह एक विशिष्ट संयोग है, जो लगभग एक शताब्दी में एक बार बनता है, जब अन्य ग्रह और नक्षत्र इस प्रकार के योग में विद्यमान होते हैं। इस प्रबल योग में की गई साधना आध्यात्मिक और धार्मिक उन्नति प्रदान करती है। पराक्रम और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए सूर्य-बुध के केंद्र त्रिकोण योग का बड़ा लाभ मिलता है। इस योग में विशेष प्रकार से साधना और उपासना की जानी चाहिए। इस दिन सुबह से ही मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़ जमा हो जाती है। सभी भक्त प्रभु की पूजा-अर्चना में जुट जाते हैं। कई लोग इस दिन अपने-अपने घरों में रुद्राभिषेक भी करवाते हैं। भगवान भोलेनाथ की कई प्रकार से पूजा अर्चना की जाती है। लेकिन महाशिवरात्रि पर यदि भक्त बेलपत्र से भगवान शिव की विशेष पूजा करें तो उनके धन संबंधी दिक्कतें दूर हो जाएंगी।

महाशिवरात्रि तिथि

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 26 फरवरी को सुबह 11:08 मिनट से होगी। इस तिथि का समापन अगले दिन 27 फरवरी को सुबह 8:54 मिनट पर होगा। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर निशा काल में भगवान शिव की पूजा की जाती है। अत: 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी।

चार प्रहर की पूजा देगी धन, यश, प्रतिष्ठा और समृद्धि

महाशिवरात्रि के पर्व काल में धर्म शास्त्रीय मान्यता के अनुसार चार प्रहर की साधना का विशेष महत्व है। प्रत्येक प्रहर में भगवान शिव की उपासना के अलग-अलग प्रकार का वर्णन मिलता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यथा श्रद्धा, यथा प्रहर, यथा स्थिति और यथा उपचार के अनुसार साधना करनी चाहिए। चार प्रहर की साधना से धन, यश, प्रतिष्ठा और समृद्धि प्राप्त होती है। जिनके जीवन में संतान संबंधी बाधा हो रही हो, उन्हें भी यह साधना अवश्य करनी चाहिए।

चार प्रहर की पूजा का समय

प्रथम प्रहर पूजा का समय: सायं 06:19 बजे से रात्रि 09:26 बजे तक

द्वितीय प्रहर पूजा का समय: रात्रि 09:26 बजे से मध्यरात्रि 12:34 बजे तक

तृतीय प्रहर पूजा का समय: मध्यरात्रि 12:34 बजे से 27 फरवरी , प्रात:03:41 बजे तक

चतुर्थ प्रहर पूजा का समय: 27 फरवरी , प्रात: 03:41 बजे से प्रात: 06:48 बजे तक

इन चीजों से करें भगवान शिव का अभिषेक

महाशिवरात्रि पर्व के दिन भगवान शिव की उपासना के समय शिवलिंग पर शहद से अभिषेक करना शुभ होता है। ऐसा करने से श्रद्धालु के कार्य जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती है और भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। शिवरात्रि के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक दही से करने से भी आर्थिक क्षेत्र में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती है। वहीं गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। भगवान शिव का अभिषेक करते समय 108 बार 'ॐ पार्वतीपतये नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में अकाल संकट नहीं आता है।

पूजन विधि

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को पंचामृत से स्नान करा कराएं। केसर के 8 लोटे जल चढ़ाएं। पूरी रात्रि का दीपक जलाएं। चंदन का तिलक लगाएं. बेलपत्र, भांग, धतूरा, गन्ने का रस, तुलसी, जायफल, कमल गट्टे, फल, मिष्ठान, मीठा पान, इत्र व दक्षिणा चढ़ाएं। सबसे बाद में केसर युक्त खीर का भोग लगा

महाशिवरात्रि पर कुछ विशेष राशियों की चमक जाएगी किस्मत

सुख, समृद्धि और खुशहाली की प्राप्ति के लिए महाशिवरात्रि के दिन शिव पूजा करना बहुत महत्वपूर्ण मानी गई है। कहते हैं शिव सच्चे भक्तों पर बहुत जल्द प्रसन्न हो जाते हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 को है, ये दिन किसी त्योहार से कम नहीं। इस साल तो महाशिवरात्रि पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे है जिसका लाभ कुछ विशेष राशियों को मिलेगा। महाशिवरात्रि पर महादेव की कृपा से किन राशियों को मिलेगा धन, नौकरी और व्यापार में फायदा आइए जानते हैं।

महाशिवरात्रि शुभ संयोग

26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर श्रवण नक्षत्र का महाशिवरात्रि पर कौन-कौन दुर्लभ संयोग बन रहे हैं, इन राशि वालों की चमक जाएगी किस्मत

संयोग बन रहा है। श्रवण नक्षत्र इस दिन सुबह से लेकर शाम 5:08 बजे तक प्रभावी रहेगा।इस दिन बुध, शनि और सूर्य तीनों कुंभ राशि में विराजमान होंगे। ऐसे में बुधादित्य योग, त्रिग्रही योग का निर्माण हो रहा है। जो कई राशियों के लिए शुभ साबित होगा।

महाशिवरात्रि राशियों को लाभ

मेष राशि – महाशिवरात्रि मेष राशि के जातकों के लिए खुशियां लेकर आ रही है। पद के साथ पैसा बढ़ने के योग। जिस काम को करने की कई दिनों से सोच रहे हैं उसमें सफलता मिलेगी। बिजनेस को सुचारू रूप से चलाने के लिए योजनाएं फलित होंगी। नए अवसर आपको आर्थिक स्थिति मजबूत करने का मौका देंगे। आपके परिश्रम का फल आपको अवश्य मिलेगा। आर्थिक स्थिति भी मजबूत बनी हुई है। मेहनत को पूरा फायदा मिलेगा।

सिंह राशि – सिंह राशि वालों पर भी महाशिवरात्रि पर शिव कृपा बरसेगी। इस दिन बन रहे दुर्लभ संयोग आपके तरक्की के रास्ते सुलभ करेंगे। सैलेरी बढ़ सकती है। वाहन, संपत्ति, घर खरीदने के प्रबल योग हैं। धन की आवक बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन में चल रहा तनाव खत्म होगा।

मिथुन राशि – महाशिवरात्रि मिथुन राशि राशि वालों के लिए शुभ साबित होगी। नए कार्य की शुरुआत करने की सोच रहे हैं तो व्यापार में कोई अच्छी डील हाथ लग सकती है। जो लंबे समय तक फल प्रदान करेगी। शिव और शनि की कृपा से आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

संपादकीय

वक्फ पर सियासी बवाल

भारत एक लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है। कानून का राज है, तटस्थ और विवेकी न्यायपालिका है। इस देश में वक्फ बोर्ड भी है। वह जिस इमारत, जमीन, गांव और सैकड़ों साल पुराने मंदिर और मठ की तरफ अपनी उंगली उठाता है, तो वह उसकी संपत्ति मान ली जाती है। बेशक विवादों के लिए एक ट्रिब्यूनल भी है, लेकिन उसमें 40,950 से अधिक मामले अब भी लंबित पड़े हैं। 9942 मामले ऐसे भी हैं, जो मुसलमान वादियों ने ही वक्फ के खिलाफ कर रखे हैं। देश में सेना और रेलवे के बाद सबसे अधिक वक्फ बोर्ड के अधीन 9.40 लाख एकड़ जमीन है। आर्थिक विश्लेषण किया जाए, तो उस जमीन से 1.25 लाख करोड़ रुपए की आमदनी होनी चाहिए। वक्फ जमीन के कब्जेबाज सिर्फ 200 करोड़ रुपए की आमदनी ही मानते रहे हैं। क्या यह किसी घोटाले की ओर संकेत करता है? क्या ऐसी निरंकुशता और कानूनहीनता किसी संवैधानिक देश में स्वीकार्य हो सकती है? यह बुनियादी आधार है, जिस पर वक्फ बोर्ड के नए कानून, नए नियमों और पूरी तरह कानूनी प्रारूप के लिए मौजूदा कानून में संशोधन अनिवार्य है। भारत में सेंट्रल और राज्य के कुल 30 बोर्ड कार्यरत हैं। लाखों संपत्तियां वक्फ बोर्ड के अधीन हैं, लेकिन आम मुसलमान के लिए कोई फायदा नहीं। आम मुसलमान के लिए कोई अधिकृत अस्पताल नहीं। आधुनिक स्कूल, कॉलेज नहीं हैं। जरूरतमंद के लिए आर्थिक मदद की कोई विशेष योजना नहीं है। मुसलमानों की स्थिति पर सच्चर कमेटी की रपट में भी वक्फ पर कई गंभीर और तल्ख टिप्पणियां की गई थीं। दरअसल एक ताकतवर तबके के वक्फ बोर्ड के जरिए लाखों संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 के तहत न तो किसी के मौलिक अधिकार छीने जा रहे हैं, न मजहबी आजादी को 'गुलाम' बनाया जा रहा है और न ही सरकार किसी मस्जिद, इबादतगाह, दरगाह, मदरसों, कब्रिस्तानों आदि पर कब्जे के मंसूबे पाले बैठी है। संविधान और प्रभावशाली न्यायपालिका के देश में यह करना संभव भी नहीं है। मुस्लिम सांसद ओवैसी साक्ष्यों और अतीत की घटनाओं के आधार पर यह साबित करें कि सरकार वक्फ संशोधन कानून इसलिए बनाना चाहती है, ताकि मुसलमानों की वक्फ परिसंपत्तियों को हड़पा जा सके। मुस्लिम और उनके वोट बैंक पर जिंदा राजनीतिक दलों के नेता औसत मुसलमान को भडक़ाने और आंदोलित करने की सियासत कर रहे हैं, लिहाजा राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने वक्फ बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की 655 पन्नों की रपट को 'फर्जी' करार दिया है। उसे अलोकतांत्रिक, संविधान-विरोधी और प्रक्रिया-विरोधी भी माना है। लोकतांत्रिक भारत में 'असंवैधानिक' तो यह है कि वक्फ संपत्तियों का कोई 'सेंट्रल डाटा' ही उपलब्ध नहीं है। वक्फ वाले तो संसद भवन की जमीन को भी वक्फ की संपत्ति मानते हैं। शुक्र है कि अभी राष्ट्रपति भवन उनकी निगाहों से बचा हुआ है। वक्फ को लालकिला और कुतुब मीनार की जमीन को भी वक्फ की संपत्ति मानने में कितना वक्त लग सकता है? हैरान व्यवस्था है कि वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती! अब संशोधित बिल के अनुसार ट्रिब्यूनल के फैसले को राजस्व अदालत, सिविल कोर्ट और उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी। वक्फ में ऐसे कई बिंदु और व्यवस्थाएं हैं, जिन्हें कानून के दायरे में लाना संसद का दायित्व है।

वक्फ जमीन के कब्जेबाज सिर्फ 200 करोड़ रुपए की आमदनी ही मानते रहे हैं। क्या यह किसी घोटाले की ओर संकेत करता है? क्या ऐसी निरंकुशता और कानूनहीनता किसी संवैधानिक देश में स्वीकार्य हो सकती है? यह बुनियादी आधार है, जिस पर वक्फ बोर्ड के नए कानून, नए नियमों और पूरी तरह कानूनी प्रारूप के लिए मौजूदा कानून में संशोधन अनिवार्य है। भारत में सेंट्रल और राज्य के कुल 30 बोर्ड कार्यरत हैं। लाखों संपत्तियां वक्फ बोर्ड के अधीन हैं, लेकिन आम मुसलमान के लिए कोई फायदा नहीं। आम मुसलमान के लिए कोई अधिकृत अस्पताल नहीं। आधुनिक स्कूल, कॉलेज नहीं हैं। जरूरतमंद के लिए आर्थिक मदद की कोई विशेष योजना नहीं है। मुसलमानों की स्थिति पर सच्चर कमेटी की रपट में भी वक्फ पर कई गंभीर और तल्ख टिप्पणियां की गई थीं। दरअसल एक ताकतवर तबके के वक्फ बोर्ड के जरिए लाखों संपत्तियों पर अवैध कब्जे हैं। संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 के तहत न तो किसी के मौलिक अधिकार छीने जा रहे हैं, न मजहबी आजादी को 'गुलाम' बनाया जा रहा है और न ही सरकार किसी मस्जिद, इबादतगाह, दरगाह, मदरसों, कब्रिस्तानों आदि पर कब्जे के मंसूबे पाले बैठी है। संविधान और प्रभावशाली न्यायपालिका के देश में यह करना संभव भी नहीं है।

आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

ललित गर्ग

एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है।

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है। भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील

और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा। इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

भ्रष्टाचार मिटाने को जिम्मेदारी तय हो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे-वादे करती रही हैं, किंतु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी। भारत इस सूची मे पड़ोसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों से लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं? भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं। प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है, तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है। इसके लिए बेशक भ्रष्टाचार से किसी भी हद तक समझौता क्यों न करना पड़े। यही वजह रही है कि इंडिया गठबंधन लगातार चुनावों में शिकस्त खाता रहा है। आश्चर्य यह है कि लोकसभा चुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार को कभी भी प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। भ्रष्टाचार को लेकर हालात ये हैं कि जैसे ही कोई भी विपक्षी दल भ्रष्टाचार का जिक्र करता है, तत्काल सत्तारूढ़ दल न सिर्फ उसके बचाव में उतर आता है, बल्कि विपक्षी दल के कारनामे गिनाने लगता है। यही वजह है कि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मनमानी करने पर आमदा हैं। यदि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय कोई कार्रवाई करता है, तो राज्य के सत्तारूढ़ दल इसे बदले की कार्रवाई करार देने लगते हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और कर्नाटक की सिद्धारमैया की सरकार है। इतना ही नहीं, राजनीतिक दलों का भरसक प्रयास होता है कि अदालतों में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी प्रभावित किया जाए। गौरतलब है कि सीनियर वकील हरीश साल्वे सहित देश के 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीजेआई को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा था कि ये समूह न्यायिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है और ऐसा खासकर सियासी हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में हो रहा है। चिट्ठी में कहा गया है कि ये समूह ऐसे बयान देते हैं जो सही नहीं होते हैं और ये राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करते हैं।

कुछ अलग

कॉमन सैंस का सवाल है...

वे दोनों निहायत ही कॉमन आदमी थे। लिहाजा तिकड़म से भी दूर थे। किसी भी स्तर के लीडर के साथ उनकी कोई भी सैटिंग नहीं थी। यहां तक कि अफसरशाही में भी उनका कोई टांका फिट नहीं था। अपने हर काम के लिए उन्हें लाईन में लगना पड़ता था। वे बस टिकट लेने के लिए भी लाईन में लगते थे और पीछे से आए लोग उनके आगे खड़े होकर उन्हें बार-बार पीछे धकेल देते थे। बसों में आरक्षित सीटों पर दूसरी किस्म के यात्रियों को आराम से टांगें फैलाकर यात्रा करते देखना उनकी नियति में शुमार था। वे चलती बस में हैंडल पकडक़र झूलते हुए अक्सर यह सोचा करते थे कि वह दिन कब आएगा जब हर बस में यह लिखा होगा कि 'सारी सीटें कॉमन आदमी के लिए आरक्षित हैं।' एक दिन उनके कान में उड़ते-उड़ते कहीं से यह खबर पहुंची कि 'सरकार अब सारे फैसले कॉमन आदमी के हितों को सामने रख कर लेगी।' पहले तो उन्हें इस खबर पर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन जब उन्होंने अखबारों में इस बाबत खबर पढ़ी तो उनकी हैरत और बढ़ी। दोनों चूंकि कॉमन आदमी थे, लिहाजा बौद्धिक और वैचारिक रूप से भी कॉमन थे। उन्होंने अपने हिसाब से इस खबर का विश्लेषण करना शुरू किया। पहले कॉमन आदमी ने दूसरे कॉमन आदमी से कहा- इसका मतलब है कि सरकार को अब पता चल गया है कि कॉमन आदमी का भी कोई हित होता है? दूसरे ने कान खुजलाते हुए कहा कि, 'लेकिन सरकार को यह बात किसने बताई होगी कि कॉमन आदमी का भी कोई हित होता है?' पहले ने इस पर अनभिज्ञता जताते हुर कहा- 'जरूर सरकार को इस बारे कोई इल्म हुआ होगा या कोई आकाशवाणी सरकार के कानों ने सुनी होगी, वरना अपनी समझ के मुताबिक तो इस व्यवस्था में कॉमन आदमी के नसीब में सिर्फ धक्के खाना ही लिखा है।' दूसरे आदमी ने कुछ देर सोचने के बाद कहा, 'लेकिन मेरी कॉमन सैंस तो यही कहती है कि जिस तरह राष्ट्रहित नाम की कोई चीज होती है, उसी तरह उनके लिए 'कॉमन मैन का हित' नाम की चीज जरूर होती होगी।' पहले आदमी ने भी इस सवाल पर कुछ देर चिंतन मुद्रा बनाए रखी और फिर कहा, 'अगर मैं अपनी कॉमन सैंस पर यकीन करूं तो नेताओं के लिए राष्ट्रहित और कॉमन आदमी के हित दोनों बेकार की चीजें हैं। नेता राष्ट्रहित से भी खिलवाड़ करते आए हैं और कॉमन आदमी के हित से भी।' दूसरे आदमी ने पहले आदमी के इस विचार को सिरे से खारिज करते हुए कहा- 'जब सरकार कॉमन आदमी के हित सामने रखने की बात कह रही है, तो जरूर व्यवस्था में कुछ नया होने वाला होगा।' पहले आदमी ने खिल्ली उड़ाते हुए कहा, 'क्या तुम समझते हो कि सरकार अब पैट्रोल, डीजल और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ाने से पहले कामन आदमी से पूछा करेगी? घोटालों को अंजाम देने से पहले कॉमन आदमी को विश्वास में लिया करेगी? डील-शील करने से पहले कॉमन आदमी का भी उसमें हिस्सा पती रखा करेगी? कॉमन आदमी के काम बिना रिश्वत लिए प्राथमिकता के आधार पर हुआ करेंगे?' दूसरे आदमी ने पहले आदमी की बात बीच में काटते हुए कहा, 'अगर सरकार कॉमन आदमी के लिए इतना सब कुछ करने लग गई तो फिर अपने लिए क्या करेगी? अगर कॉमन आदमी को सरकार वीआईपी सुविधाएं देने लग गई, तो फिर वीआईपी और कॉमन मैन के बीच क्या फर्क होगा। वीआईपी को फिर कौन घास डालेगा?' अब ताव में आने की बारी पहले आदमी की थी।

देश दुनीया से

केंद्रीय बजट और हमारा प्रदेश

केंद्रीय बजट पर देश के प्रत्येक राज्य व समाज के प्रत्येक वर्ग की निगाहें टिकी रहती हैं कि उन्हें इससे क्या मिला? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2025 को 2025-26 का बजट लोकसभा में प्रस्तुत करते हुए देश के विकास और कल्याण के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। लेकिन बिहार और असम के सिवाय किसी राज्य का विशेष जिक्र नहीं हुआ। जब बिहार में मखाना बोर्ड और असम में यूरिया संयंत्र स्थापित करने का विशेष उल्लेख किया गया, तो हिमाचल प्रदेश सहित कई राज्य कह उठे कि हमारे राज्य को तो कुछ नहीं मिला। लेकिन ऐसा कहना सही नहीं होगा। राष्ट्रीय योजनाओं व कार्यक्रमों से हर राज्य को लाभ मिलता आया है और मिलता ही रहेगा। आखिर हमारा भारत, संघीय ढांचा ही तो है। राज्यों को मिल कर ही देश बना है। देश में एक ही तो नागरिकता है। जो देश का है वह राज्यों का भी है। यहां बजट में की गई कुछ घोषणाओं का जिक्र करना जरूरी है, जिससे अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश को भी बहुत फायदा मिलने वाला है। कृषि व बागवानी : प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना लागू करने की घोषणा हुई है जिसमें कम उत्पादकता, कम फसलों की बुआई और औसत से कम ऋण मानदंडों वाले 100 जिलों में उत्पादकता व भंडारण बढ़ाने के लिए विशेष प्रयत्न किए जाएंगे। सिंचाई सुधार के साथ-साथ किसानों को दीर्घ व लघु अवधि के ऋण उपलब्ध करवाए जाएंगे। इस योजना से देश के 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। हिमाचल प्रदेश से भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत किसी एक जिले को चुने जाने की संभावना है। पहले भी सबसे कम विकसित जिलों की आर्थिक प्रगति के लिए चलाई गई एकांक्षी जिला योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के चंबा जिला को चुना गया था। फल व सब्जी उत्पादन व खाद्य और फल प्रसंस्करण के लिए भी देश में व्यापक कार्यक्रम चलाए जाने का प्रस्ताव है। हिमाचल प्रदेश, देश के फल राज्यों में से एक है। राज्य में सेब की पैदावार सबसे अधिक होने के कारण इसे सेब राज्य की संज्ञा दी गई है। हिमाचल प्रदेश को गैर मौसमी सब्जियां उगाने की भी महारत हासिल है। ऐसे में हमारे बागवानों और सब्जी उत्पादकों को भी लाभ मिलना सुनिश्चित है। केंद्रीय बजट में किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को दिए जाने वाले ऋणों की ऋण सीमा तीन लाख से पांच लाख तक बढ़ाए जाने की घोषणा की गई है। हिमाचल में 10 लाख के करीब सीमांत, लघु, मझोली और बड़ी किसानी जोते हैं। इस बढ़ोतरी का लाभ हिमाचल के खेती किसानों, डेयरी किसानों और यहां तक कि मछुआरे भी उठा सकते हैं। प्रदेश में 13000 के लगभग मछुआरे हैं। एमएसएमई और स्टार्टअप (सूक्ष्म और मध्यम उद्यम), एमएसएमई व स्टार्टअप के लिए वर्गीकरण से संबंधित निवेश और कारोबार की सीमाओं को 2.5 व 2.0 गुणा बढ़ाया जा रहा है। उन्हें ऋण तक पहुंच बनाने के लिए ऋण गारंटी कवर बढ़ाने की घोषणा भी हुई है। सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए रुपए 5 करोड़ से रुपए 10 करोड़, स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ से बढ़ा कर 20 करोड़, उत्तम चल रहे निर्यातक एमएसएमई के लिए रुपए 20 करोड़ के सावधि ऋण की व्यवस्था की जा रही है। हिमाचल प्रदेश के उद्यमियों को भी इससे लाभ पहुंचेगा और उद्यमियों के साथ-साथ प्रदेश में युवाओं के लिए भी रोजगार बढ़ेगा। प्रदेश में इस समय 136000 उद्यम पंजीकृत हैं जिसमें 97.5 प्रतिशत सूक्ष्म, 2.37 प्रतिशत लघु और 0.28 प्रतिशत मध्यम किस्म के हैं। शिक्षा और कौशल विकास : बच्चों में जिज्ञासा और नवाचार की भावना उत्पन्न करने की उद्देश्य से देश में पहले से ही अटल टिंकरिंग लैब कार्यक्रम चल रहा है। अगले पांच सालों में 50000 और अटल टिंकरिंग लैब खोले जाने का प्रस्ताव है। निश्चित तौर पर हिमाचल प्रदेश के कई विद्यालय इस सुविधा को प्राप्त कर सकेंगे। भारतीय नेट परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी माध्यम पाठशालाओं को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी जिसमें हिमाचल के भी कई स्कूलों को कनेक्टिविटी मिलेगी। भारतीय भाषा पुस्तक स्कीम के तहत स्कूल और उच्चत्तर में शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं में डिजिटल रूप में पुस्तकें प्रदान की जाएंगी जिससे प्रदेश के विद्यार्थी भी लाभान्वित होंगे। आईआईटी में प्रवेश के लिए आगामी वर्ष 6500 अतिरिक्त सीटें और मेडिकल कॉलेजों में 10000 नई सीटें सृजित होंगी। मेडिकल कॉलेजों में आगामी पांच सालों में 75000 नए प्रवेश दिए जाने का प्रस्ताव है, जिससे हिमाचल प्रदेश के इच्छुक विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। इसी तरह कौशल निर्माण के लिए देश में राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र खोले जा रहे हैं जिससे राज्य के युवक भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। स्वास्थ्य : केंद्रीय बजट में कैंसर व अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को राहत देने के उद्देश्य से 36 जीवन रक्षक दवाइयों को बुनियादी सीमा शुल्क में पूरी तरह से छूट दी गई है। कुछ अन्य जीवनरक्षक दवाइयों को 5 फीसदी रियायती सीमा शुल्क की सूची में डाला गया है। इससे रोगियों को सस्ती दवाइयां उपलब्ध होंगी। अगले तीन सालों में देश के प्रत्येक जिले के अस्पतालों में डे-केयर सेंटर स्थापित होंगे। जाहिर है कि हिमाचल के भी सभी जिले चरणबद्ध तरीके से इससे लाभान्वित होंगे। ऑनलाइन कंपनियों में डिलीवरी के साथ जुड़े या अन्य अस्थायी कर्मचारी जिन्हें गिग वर्कर्स कहा जाता है, को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाए जाने का प्रस्ताव है जो अत्यंत सुखद है। पर्यटन : केंद्रीय बजट में देश में 50 पर्यटक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। इसमें राज्यों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। उड़ान योजना में देश में 120 नए गंतव्यों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए हेलिपैड या छोटे हवाई अड्डे बनाने का प्रावधान किया गया है। आशा की जानी चाहिए कि प्रदेश के तीर्थों, देवस्थलों के विकास व उनकी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केंद्र से उचित सहायता प्राप्त होगी। पहाड़ी क्षेत्रों में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने का भी विचार है। हिमाचल का स्वच्छ पर्यावरण मेडिकल अर्थात हेल्थ पर्यटन के लिए बहुत ही अनुकूल है। केंद्रीय बजट मध्यम वर्ग को राहत देने वाला है।

आप का नजरीया

धार तेज है

शिमला में हेयर ड्रेसर ने अपने हुनर की धार को अपराध में लगा दिया। यह घिनौनी वारदात है जो बता रही है कि इनसानी गिले-शिकवे कितने घातक हो सकते हैं। कुछ दिन पहले एसडीएम मंडी को खनन माफिया के प्रहार से दो-चार होना पड़ा था। ऐसे में स्थितियों के भीतर कानून व्यवस्था का माहौल लाचार दिखाई देता है। इन सबके बीच हम राज्य को या तो राजनीतिक भंवर में देखते हैं या इसके दाग, उसके दागों से बेहतर साबित करने में लगे हैं। प्रदेश की प्रशंसा की धार भी तेज है और काम का सलीका भी तेज है। कहना न होगा कि प्रदेश में सबसे अधिक पुष्प हार यहां इस्तेमाल होते हैं, क्योंकि गर्दनें बताती हैं कि कितना वजन उठा सकती हैं, लेकिन समाज की गर्दनों पर चिट्टे की सवारी नजर नहीं आती। यहां अब एक खरीद-फरोख्त की धार है। एक अजीब नशे का उपभोक्तावाद है, जहां आने वाली पीढ़ी के खिलाफ माफिया की धार तेज है। कभी हिमाचल में जनता पैदल चलती थी। पत्थरों के रास्ते पर कोई प्याऊ मिल जाता था। इनसानी सफर में प्यास को बुझाने का सामाजिक दायित्व अंगीकार होता था। अब हम स्वीकार कर चुके हैं कि चिट्टा यूं ही आता रहेगा, इस रंग भरे समाज के सामने। हमारे सामने पूरी व्यवस्था एक ऐसी धारा है, जहां हर कोई अपनी धार तेज कर रहा है। कभी देखना जेसीबी की धार जिसने तमाम 'धारें' नोच लीं। पहाड़ को समतल बनाने की धार कितनी प्रभावशाली होगी और यही नहीं, अब तो नदियों की धारा को मोडने की धार भी हमने पैदा कर ली। गगल अभी एयरपोर्ट विस्तार में उजड़ा नहीं, लेकिन एक बाहरी संसार अपनी-अपनी धार में बसने लगा है। टीलों पर खड़े लोग खड्डों में जमीन टटोल रहे हैं, पानी को फांसी देने का मुकदमा नंगे पहाड़ की अदालत में। गगल-चैतड़ मार्ग पर कुछ साल पहले बरसात की धार और धारा ने जिन खड्डों को समुद्र बनाया था, वहां कयामत को रोकने के लिए एक बस्ती बसाई जा रही है। खड्ड के उसूल और एनजीटी के कबूल से कहीं दूर अगर धार तेज है, तो चैतड़ की इस कालोनी के लिए खड्ड से लड़ते पत्थरों की अनूठी किस्मत देख लीजिए। आश्चर्य यह कि पीने के पानी के लिए लड़ते लोग शिमला जिला के एसडीएस को अपनी धार बता रहे हैं। क्या वर्तमान सिस्टम के किसी अधिकारी में कोई धार बची रह सकती है। प्रदेश में ट्रैफिक जाम में कुम्हलाई व्यवस्था की धार क्यों नहीं हो सकती है। राज्य के बार्डर एरिया में घुसते नशे के व्यापार के खिलाफ कानून-व्यवस्था की धार क्यों नहीं हो सकती। धार शिक्षा के पाठ्यक्रम में, नवाचार के क्रम में और रोजगार के दम में क्यों नहीं हो सकती। हमने धार को गलत बना दिया, प्रदेश का प्रभाव और प्रभुत्व बना दिया। अगर पूरे प्रदेश के अतिक्रमण का हिसाब लगाएंगे तो मालूम हो जाएगा कि हर गांव से शहर तक, कूहल से नदी तक और कायदे से कानून तक कुछ धारदार लोग धड़ल्ले से कब्जा जमा रहे हैं। कब्जा जमाने वालों ने सरकारी नौकरी में आकर भी ट्रांसफर नीति को अपनी धार से बार-बार काट दिया। किसी सरकार में यह धार नहीं रही कि स्थानांतरण नियमों को पैना करे। अब तो राजनीति की धार भी कुंद है, क्योंकि न जाने कब कौन, सत्ता से विपक्ष और विपक्ष से सत्ता पक्ष हो जाए। अब धार नहीं राजनीति एक धारावाहिक है जहां चरित्र अपने लिए एपिसोड बना रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जी–वनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएं और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक़्त की नाज़ाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 19 फरवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रात: 07:35 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 10:40 तक
योग : वृद्धि प्रात: 10:47 तक
करण : वणिज प्रात: 07:35 तक
चन्द्र राशि : तुला
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शतभिषा में रवि दोपहर 12:26 से , भद्रा प्रात: 07:33 से रात्रि 08:48

* पाण्डित्य विषय मे सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.
9246159232, 9866165126
Chidamber011@gmail.com

देश में जल संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री ने किए भगीरथी प्रयास : भजनलाल

उदयपुर,18 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमें जल संरक्षण के उपायों को अपनाकर जल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें एक सुव्यवस्थित रोडमैप की आवश्यकता है, जिसमें कृषि तथा शहरी जल प्रबंधन और तकनीकी नवाचार जैसे प्रमुख पहलुओं का समावेश हो। शर्मा मंगलवार को उदयपुर में राज्य जल मंत्रियों के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस आयोजन के लिए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मेलन सहयोगात्मक संघवाद की परिकल्पना की जीती–जागती मिसाल है। उन्होंने कहा कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में जल राज्यों का एक विषय है, लेकिन प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से जल राज्यों के बीच समन्वय एवं सहयोग का विषय बन गया है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में जल आत्मनिर्भरता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन के रूप में एक भगीरथी प्रयास किया है। इसका लाभ आज राजस्थान के भी करोड़ों लोगों को मिल रहा है। राज्य सरकार शेष परिवारों को नल कनेक्शन देने के लिए भी तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण को देश के विकास एजेंडे में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है तथा इस संबंध में एक अलग से जलशक्ति मंत्रालय भी बनाया जिससे जल से संबंधित परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना प्रदेश की जीवन रेखा है तथा इसके माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और 3 करोड़ से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यक्रम के माध्यम से प्रवासी राजस्थानी प्रदेश के 60 हजार गांवों में भूजल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए कम पानी में उगने वाली फसलों, शहरी जल प्रबंधन, सीवरेज के पानी के शुद्धिकरण एवं पुनः उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, जल गुण–वत्ता और स्रोतों की निगरानी के लिए तकनीक का उपयोग सहित विभिन्न कदम उठा रहा है।

पाटिल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने के विजन पर हम काम कर रहे हैं। मोदी जी ने स्वच्छता पर जोर दिया तथा 12 करोड़ शौचालय बनाए जिससे 60 करोड़ लोग लाभान्वित हुए तथा डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब देश के 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी की शुद्धता को जांचने के लिए 25 लाख महिलाओं को किट एवं प्रशिक्षण दिया गया। इसी तरह, वर्षा जल संग्रहण के लिए कैच द रैन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी गांवों में भू जल पुर्नभरण के लिए रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि रामजल सेतु परियोजना (संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना) के तहत राजस्थान को ज्यादा पानी मिलेगा। परियोजना के तहत आने वाले समय में राजस्थान को बड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते के तहत भी राजस्थान तथा हरियाणा राज्यों के त्वरित निर्णय से यमुना का सरप्लस वॉटर राजस्थान में आना संभव हो पाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने, हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने, किसानों को जल संकट से मुक्ति, नदी–जलाशयों को पुर्नजीवित करने का संकल्प लेना चाहिए।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि ओडिशा में से महानदी, गोदावरी, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियां बहती है जो जल संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में वर्षा पर्याप्त है लेकिन वर्षा वितरण में असमानता है। इसलिए जल सुरक्षित राज्य के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमने बाढ़ नियंत्रण तथा जल संरक्षण को विभिन्न परियोजनाओं में प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी महिला स्वयं सहायता समूह भी भू जल रिचार्ज करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि त्रिपुरा का 70 प्रतिशत क्षेत्र वन क्षेत्र है तथा अधिकतर जनसंख्या आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। हमारी सरकार सिंचाई के प्रोजेक्ट्स को बढ़ाने पर जोर दे रही है, जिससे कृषि की उत्पादकता बढ़े तथा किसानों की आय में वृद्धि हो।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सीमित जल संग्रहण क्षमता के कारण सतही जल आधारित सिंचाई परियोजनाओं की संभावना कम है।

सिस्टम में छुपा गुनहगार : सरकारी इंजीनियर बना करोड़ों का खिलाड़ी

जयपुर,18 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार की एक और परत तब खुली जब एसीबी ने जोधपुर में सार्वजनिक निर्माण विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर दीपक कुमार मित्तल के ठिकानों पर छापा मारा। जो खुलासे हुए, वे चौंकाने वाले थे–बेशुमार दौलत, सोने–चांदी के खजाने और करोड़ों की संपत्ति। सवाल यह उठता है कि एक सरकारी अफसर, जिसकी आय सीमित होनी चाहिए, आखिर कैसे करोड़ों का मालिक बन बैठा?

मंगलवार को गंगापुर सिटी में जब एसीबी ने इंजीनियर के बैंक लॉकर खोले, तो वहां से 50 लाख रुपए की कीमत का सोना–चांदी निकला। आंकड़ों पर नज़र डालें तो–850 ग्राम सोना और सवा किलो चांदी सिर्फ दो लॉकरों में। कुल मिलाकर 2.85 किलो सोना और 7.75 किलो चांदी इंजीनियर के कब्जे में मिली। जयपुर के घर से 50 लाख रुपए कैश बरामद हुआ।

एसीबी को इंजीनियर के 18 बैंक खातों में 40 लाख रुपए जमा मिले। म्यूचुअल फंड में 50 लाख का निवेश और 3 बैंक लॉकर (जयपुर और गंगापुर में) मिले।

यह दर्शाता है कि मित्तल ने अपनी काली कमाई को ठिकाने लगाने के लिए तमाम बैंकिंग रास्ते अपनाए थे। इंजीनियर और उसके परिवार के नाम पर करोड़ों की जमीन जायदाद मिली– जयपुर में 1 करोड़ के 4 प्लॉट। उदयपुर में 1.34 करोड़ के 9 प्लॉट। ब्यावर और अजमेर में 6.50 लाख के 3 प्लॉट। 15 लाख के लग्जरी वाहन भी मिले। बच्चों की पढ़ाई के नाम पर सफेदपोशी। भ्रष्टाचार के पैसों से इंजीनियर ने अपने बच्चों की पढ़ाई पर 70 लाख रुपए खर्च किए। जयपुर के सेंट जेवियर स्कूल, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और एम्स गोरखपुर की फीस से जुड़े दस्तावेज इस बात की गवाही देते हैं कि यह रकम मेहनत की कमाई नहीं, बल्कि घूसखोरी से आई थी।

एसीबी ने जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, ब्यावर और फरीदाबाद के छह ठिकानों पर छापा मारा। कोर्ट से सर्च वारंट लेकर की गई इस कार्रवाई में मित्तल की आय से 4.02 करोड़ अधिक की संपत्ति उजागर हुई। क्या यह एक अकेला मामला है, या सिस्टम में ऐसे कई 'मित्तल' बैठे हैं? क्या यह भ्रष्टाचार की जड़ें सरकारी तंत्र में गहराई तक फैली हुई हैं? अब देखना यह है कि क्या यह जांच मित्तल तक सीमित रहेगी, या भ्रष्टाचार के इस जाल में फंसे बाकी बड़े मगरमच्छ भी सामने आएंगे।

दो शातिर वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, 11 दुपहिया वाहन बरामद

कोटा,18 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा शहर की किशोरपुरा थाना पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर इनकी निशानदेही पर एक बाड़े में छुपा कर रखें 11 दुपहिया वाहन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी मोईनुद्दीन उर्फ मोनू पुत्र अब्दुल गफूर (25) डिग्गी मालपुरा जिला टोंक हाल कोटा शहर एवं अब्दुल खालिद पुत्र इब्राहिम (40) लुहार बस्ती उद्योग नगर हाल डीसीएम थाना उद्योग नगर के रहने वाले हैं।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि 15 फरवरी को कुम्हारों का मोहल्ला थाना कैथूनीपोल निवासी महिला भारती पत्नी गोविन्द सिन्धी ने थाना किशोरपुरा पर एक रिपोर्ट दी थी कि 11 फरवरी की सुबह वह किशोरपुरा गेट के पास जानकर के यहाँ आई हुई थी।

उसने अपनी ड्यूट स्कूटी नहर के पास खड़ी की थी। करीब आधे घंटे बाद वापस आई तो स्कूटी जगह पर नहीं थी। कोई अज्ञात व्यक्ति स्कूटी चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अज्ञात मुलजिम व चोरी गई गाड़ी की तलाश की गई।

खान विभाग की टीमों ने बजरी के अवैध परिवहन में लिप्त 9 वाहन जब्त किए

भीलवाड़ा,18 फरवरी (एजेंसियां)। खान विभाग की भीलवाड़ा और बिजौलिया टीमों ने अवैध बजरी गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए 9 वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द कर दिया। एसएमई काबरा ने बताया कि विभाग की टीम ने बड़लियास में तीन ट्रेक्टर और एक ट्रेलर जब्त कर बड़लियास थाने में सुपुर्द किया गया।

इसी तरह से बजरी का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर 1 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर बागौर पुलिस थाने के सुपुर्द की गई। भीलवाड़ा एमई टीम द्वारा ही 1 ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर रायपुर थाने के सुपुर्द की गई। भीलवाड़ा के अधीक्षण अभियंता ओपी काबरा के

निर्देशन में एमई भीलवाड़ा महेश शर्मा और एमई बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल की टीमों ने सुबह तड़के औचक चैकिंग के दौरान इन वाहनों को जब्त किया। काबरा ने बताया कि एमई बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल के नेतृत्व में फोरमेन गिरिराज मीणा की टीम ने माण्डलगढ़ थाना क्षेत्र में तीन ट्रेक्टर ट्रॉली जब्त कर माण्डलगढ़ थाने की सुपुर्द की गई।

काबरा ने बताया कि क्षेत्र के सभी खनिज अभियंताओं और सहायक खनिज अभियंताओं को अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए अवैध निरीक्षण व रात्रिकालीन गश्त करने के निर्देशित दिए हैं।

हरियाणा में बिना रुके कटेगा टोल टैक्स

चंडीगढ़,18 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में यात्रा करने वाले लोगों के लिए खुशखबरी! जल्द ही एक नया हाईवे शुरू होने जा रहा है, जहां टोल टैक्स देने के लिए आपको न तो गाड़ी रोकनी पड़ेगी और न ही धीमी करनी पड़ेगी। आपकी गाड़ी टोल प्लाजा से निकलेगी और टैक्स अपने आप कट जाएगा।

दरअसल, यह नया सिस्टम अर्बन एक्सटेंशन रोड–2 के सोनीपत स्पर पर लगाया गया है। यहां ऑटोमेटिक टोल प्लाजा बनाया गया है, जहां सेंसर और कैमरे की मदद से सीधे फास्टैग से टोल कटेगा। इस प्लाजा पर कोई कर्मचारी नहीं होगा, यानी यह पूरी तरह से ऑटोमेटिक होगा।अगर आपके वाहन पर फास्टैग लगा है, तो जैसे ही आप इस टोल प्लाजा से गुजरेंगे, आपका टोल ऑटोमेटिक कट जाएगा। अगर किसी वाहन पर फास्टैग नहीं लगा है, तो शुरुआत में उनके लिए कैश लेन भी रखी गई है, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। लेकिन धीरे–धीरे इसे पूरी तरह से फास्टैग आधारित बना दिया जाएगा।

हरियाणा में यह नई ऑटोमेटिक टोल प्रणाली यात्रा को आसान और तेज बनाने जा रही है। फास्टैग के जरिए भुगतान होने से टोल प्लाजा पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी और लोग बिना रुके अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।अगर आपके वाहन पर फास्टैग नहीं है तो जल्दी से लगवा लें, ताकि आपको कोई परेशानी न हो।

विस अध्यक्ष ने कर्मचारियों के साथ की प्रबोधन कार्यक्रम की समीक्षा

चंडीगढ़,18 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा के सभी कर्मचारियों के साथ बैठक कर प्रबोधन कार्यक्रम की समीक्षा की। बैठक दो भागों में की गई। पहले उन्होंने प्रथम और द्वितीय श्रेणी अधिकारियों से उनके अनुभव पूछे इसके बाद उन्होंने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ विचार साझा किए। इस प्रबोधन कार्यक्रम की एक–एक व्यवस्था की समीक्षा की गई।

अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत में विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सभी की एकजुटता और लग्न से ही इतना बड़ा आयोजन सफल हो पाया है। उन्होंने कहा कि विधान सभा स्टाफ का टीम वर्क देखने लायक रहा। इसके लिए उन्होंने पूरे स्टाफ को शाबाशी दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सभी कर्मी भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत से कार्य करते हुए विधान सभा के आयोजनों तथा अन्य कार्यों को सफल बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि विधान सभा सचिवालय प्रदेश का उच्च संस्थान है। यहां प्रदेश व प्रदेश की जनता के विकास के कार्यों को साकार करने के लिए स्वरूप दिया जाता है।

विधान सभा सचिवालय की कार्यप्रणाली पर ही इसकी गुण–वत्ता निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि विधान सभा सचिवालय के कर्मचारियों की कार्यशैली की अपनी विशिष्ट पहचान होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हाल ही में कर्मचारियों की ट्रेनिंग हुई है और इससे लाभ उठाकर सभी कर्मचारियों को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। हम सबका मुकाबला स्वयं से होना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि उनके हितों की रक्षा करने की जिम्मेदारी मेरी है, उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई हो तो उनसे निसंकोच संपर्क करें।

सिर्फ डुबकी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती : श्री श्री रविशंकर

जींद,18 फरवरी (एजेंसियां)। श्री श्री रविशंकर मंगलवार को हरियाणा के जींद में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में विभिन्न मुद्दों पर अपनी बातें रखी।

श्री श्री रविशंकर ने महाकुंभ को लेकर कहा, महाकुंभ में सिर्फ डुबकी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती है। सही मायने में मोक्ष की प्राप्ति ज्ञान से होती है। संगम में डुबकी लगाने के लिए ज्ञानी, महात्मा और साधु आए हैं। वहां जाकर उनकी बातों को सुनें, तो निश्चित तौर पर आपको मोक्ष की प्राप्ति होगी।

उन्होंने कहा, आपको ऐसा लगता है कि सिर्फ डुबकी लगाने से मोक्ष की प्राप्ति होगी, तो यह आपकी गलतफहमी है। विपक्ष के भाजपा पर महाकुंभ को इवेंट के रूप में प्रस्तुत करने के आरोप पर श्री श्री रविशंकर ने कहा, जब भी इस तरह का आयोजन किया जाता है, तो लोग इसे लेकर सवाल उठाते ही हैं। उन्होंने महाकुंभ की व्यवस्था की तारीफ करते हुए कहा कि व्यवस्था काफी अच्छी है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही है। उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ के संदर्भ में कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए। यह बहुत दुखद घटना है। देश में जब कभी भी, कहीं पर भी इस तरह की भगदड़ होती है, तो बहुत दुख होता है। इस तरह की घटनाओं के बारे में जानकर बहुत पीड़ा होती है।

श्री श्री रविशंकर ने कहा कि उन्होंने कार्यक्रम में खापों को यह संदेश दिया कि वे अपने–अपने गांवों में नशा मुक्ति का संदेश दें और जो युवा नशे के इस दलदल में फंसे हुए हैं, उन्हें बचाएं। मेरा यही कहना है कि युवा नशे से दूर रहें। यह बहुत तेजी से उनके बीच में फैल रहा है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा

महाकुंभ के महा आयोजन से उत्तर से दक्षिण तक सनातन का उत्साह चरम पर

महाकुंभनगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े समागम को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्य और नव्य महाकुंभ की संकल्पना को साकार कर दिखाया है, जिसे लेकर उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक के लोगों का उत्साह चरम पर है। ये बातें महाकुंभ में मंगलवार को पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सांसद डॉ. के लक्ष्मण ने संगम की रेती पर कही। उनका यह भी कहना था कि विश्व के सबसे बड़े आयोजन में कुछ लोग नेगेटिव बातें भी कर रहे, लेकिन आम आदमी उनकी सच्चाई समझते हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्यसभा सांसद ने संगम में पवित्र स्नान किया।

जिसके बाद उन्होंने कहा कि भारत का सनातन धर्म बहुत प्रबल है। श्रद्धालुओं के अपार जनसमूह को व्यवस्थित करने के लिए केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद ने योगी सरकार की सराहना की। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने महाकुंभ में पवित्र संगम में स्नान किया और इस अद्वितीय अनुभव को भारतीय सनातन धर्म के श्रद्धालुओं के लिए एक अलौकिक घटना बताया। जोशी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस विशाल आयोजन के लिए की गई व्यवस्थाएं अद्भुत और अकल्पनीय हैं। उनके अनुसार करोड़ों श्रद्धालुओं का संगम तक पहुंचना इस आयोजन को एक विशेष स्थान देता है। जो भारत के सनातन धर्म की ताकत को प्रदर्शित करता है।

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत का सनातन धर्म श्रद्धा रखने वाले लोगों के लिए एक अलौकिक अनुभव है। देशभर से रोज लाखों करोड़ों लोग संगम तक पहुंच रहे हैं, जो भारतीय सनातन धर्म की ताकत का प्रतीक है। जोशी ने यह भी कहा कि भारत दुनिया के सबसे अच्छे देशों में से एक है, जहां लोग सुख-शांति के साथ रहते हैं। इस महाकुंभ के आयोजन ने इस धारणा को और भी सशक्त बनाया है। महाकुंभ में पहुंचे राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने उत्तर प्रदेश सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस महाकुंभ का आयोजन शानदार रहा है। लक्ष्मण ने बताया कि दक्षिण भारत से हजारों-लाखों श्रद्धालु महाकुंभ में शामिल होने के लिए रोज आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सनातन धर्म का सबसे बड़ा पावन पर्व है और 144 साल बाद ऐसा अद्भुत अवसर मिला है। जिसे लोग संजोकर यादगार अनुभव कर रहे हैं।

डॉ. के. लक्ष्मण ने यह भी कहा कि महाकुंभ के यादगार आयोजन में कुछ लोग नेगेटिव प्रचार भी कर रहे हैं। लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि श्रद्धालुओं का जो उत्साह और आस्था है, वह इस आयोजन की सफलता का प्रमुख कारण है। पूरी दुनिया देख रही है कि कैसे योगी आदित्यनाथ सरकार ने महाकुंभ के आयोजन को बेहद सफल और भव्य बनाया है। जिससे पूरे देश और विदेश से श्रद्धालु इस आयोजन में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म और आस्था के प्रतीक इस आयोजन में आकर लोग गर्व महसूस कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पवित्र संगम में स्नान कर खुद को धन्य माना। उन्होंने कहा कि महाकुंभ किसी के भी जीवन की सबसे अविस्मरणीय यादगारों में से एक है। यह उन सभी लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है जो हिंदुत्व और जो ईश्वर में विश्वास करते हैं। यह पवित्र डुबकी हमारे सभी पापों को धो देगी। यह हमें एक बार फिर से सोचने पर मजबूर कर देगी कि हमें अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए अधिक से अधिक काम करना चाहिए। यही इस पवित्र डुबकी की महानता है। उन्होंने कहा कि यह पूरी दुनिया में सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है। महाकुंभ में साधारण लोगों के लिए भी असाधारण व्यवस्था की गई है जो अद्भुत है। इसके लिए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की सराहना की।

आंध्र के उपमुख्यमंत्री फिल्म स्टार पवन कल्याण ने कहा

हम धर्म और संस्कृति के रूप में एक हैं : पवन कल्याण

महाकुंभनगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सनातन आस्था के परम पवित्र पर्वों में सर्वोपरि महाकुंभ-2025 आस्था, भक्ति, शांति, मुक्ति, पुण्य प्राप्ति के साथ ही कई मायनों में विशिष्ट महाआयोजन बन गया है। यही कारण है कि प्रतिदिन दिग्गजों का प्रयागराज मेला क्षेत्र तांता लगा ही रहता है जो त्रिवेणी संगम में स्नान कर और तीर्थराज प्रयागराज की सकारात्मकता को आत्मसात कर अभिभूत हो जाते हैं। ऐसी ही अनुभूति मंगलवार को साउथ फिल्म इंडस्ट्री के पावर स्टार के रूप में प्रख्यात प्रसिद्ध एक्टर, जनसेना पार्टी के सुप्रीमो तथा आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण को भी हुई जिन्होंने त्रिवेणी संगम में स्नान कर खुद का जीवन धन्य माना।

महाकुंभ को मानवीय एकता का महान अवसर करार देते हुए पवन कल्याण ने कहा कि हम भाषा या संस्कृति के तौर पर अलग हो सकते हैं, मगर हमारा धर्म एक है। हम सनातनी हैं और हर सनातनी के लिए महाकुंभ सबसे बड़ा क्षण होता है। पवन कल्याण ने महाकुंभ में योगी सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की तारीफ करते हुए सीएम योगी को शुभकामनाएं भी दीं। महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी संगम में स्नान कर अभिभूत दिखे पवन कल्याण ने कहा कि मैने 16-17 वर्ष की उम्र में एक बार एक योगी की आत्मकथा पढ़ी थी, तभी से कुंभ को लेकर मेरे मन में एक सहज आकर्षण था। वैसे तो मैं यहां पहले भी आया हूं, मगर महाकुंभ के अवसर पर स्नान करना पिछले कई दशकों से मेरी सबसे बड़ी इच्छा रही जो आज जाकर पूरी हुई। उन्होंने कहा कि महाकुंभ एक महा आयोजन है, कल्पना कीजिए देश की आधी से ज्यादा हिन्दू आबादी यहां आकर स्नान कर रही है। यह सनातनी आस्था का विश्वास ही है जो कि शताब्दियों से इस महा आयोजन के रूप में अनवरत जारी है। हमारी विरासत की तथा सनातन धर्म की महानता है कि इस प्रकार का वृहद और शांतिपूर्ण आयोजन जनविश्वास के आधार पर इतनी भव्यता और दिव्यता के साथ होता रहा है।

महाकुंभ के महात्म के बारे में पवन कल्याण ने कहा कि यह सनातन धर्म के सबसे बड़े क्षणों में शुमार है। यह एक ऐसा क्षण है जब ऋषि, मुनि, योगी, सिद्धों समेत सभी सकारात्मक शक्तियों का समागम होता है। यह वह क्षण है जब आप दिव्य अनुभूतियों को अनुभूत कर सकते हैं। निश्चित तौर पर, यह जीवनपर्यंत स्मृतियों में कैद हो जाने वाला क्षण है। धर्म के विभिन्न परंपराओं, शैलियों, पद्धतियों और मान्यताओं को मानने वालों का मिलन होता है जो अपने आप में एक सुखद अनुभूति है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा एक ही है और महाकुंभ एक ऐसा क्षण होता है जब आप यहां आकर भारत की आत्मा को अनुभूत कर सकते हैं। महाकुंभ में व्यापक स्तर पर हुई व्यस्थाओं को लेकर उन्होंने सीएम योगी और स्थानीय प्रशासन की सराहना करते हुए शुभकामनाएं भी दीं।

विधानसभा सत्र शुरू होने के पहले बोले सीएम योगी

हार की हताश से परेशान है विपक्ष

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि हार की हताशा से परेशान विपक्ष अपनी खुन्नस को सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। सीएम मंगलवार को बजट सत्र शुरू होने से पहले विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अभिभाषण व बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है। विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देगी। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सीएम ने कहा कि उम्मीद करते हैं कि राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरुआत हम लोग विपक्ष के अंदर देखने का प्रयास करेंगे। विपक्ष समेत सभी सदस्यगण सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था और सुदृढ़ होगी। कहा, 20 फरवरी को वर्ष 2025-26 का प्रदेश का सामान्य बजट सदन में प्रस्तुत होगा। सदन 18 फरवरी से 5 मार्च तक प्रस्तावित है। बहुत कम मौके रहे हैं जब इतने लंबे समय तक सदन चला है। सदन सुचारू रूप से चले यह सिर्फ सत्ता पक्ष का नहीं, बल्कि विपक्ष का भी महत्वपूर्ण दायित्व है।

नासिक कुंभ की प्रबंधन टीम ने देखी महाकुंभ की व्यवस्था

महाकुंभ नगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा महाकुंभ 2025 को लेकर किए गए कुशल प्रबंधन और नई पहलों सो समझने के लिए नासिक की एक उच्च स्तरीय टीम मंगलवार को महाकुंभ नगर पहुंची। इस टीम ने महाकुंभ 2025 के विभिन्न आयोजन स्थलों, घाटों, अखाड़ों और अन्य प्रमुख स्थानों का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। साथ ही, आंतरिक यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, स्वच्छता व्यवस्था और विभिन्न प्रशासनिक पहलुओं पर भी जानकारी प्राप्त की। नासिक की टीम बुधवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर महाकुंभ के लिए की गई तैयारियों को भी समझेगी। उल्लेखनीय है कि 2027 में नासिक में कुंभ का आयोजन होना है। ऐसे में नासिक की टीम यहां महाकुंभ के कुशल प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करने आई है, ताकि इन सभी व्यवस्थाओं को नासिक कुंभ में भी लागू किया जा सके।

महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि नासिक की टीम दो दिवसीय दौरे पर महाकुंभ आई है। मंगलवार को उन्होंने यहां त्रिवेणी संगम में स्नान और दर्शन करने के बाद मेला प्राधिकरण में प्रस्तुतिकरण देखा। इसके अलावा आईसीसीसी का भी भ्रमण किया, वहीं विभिन्न कॉरिडोर्स का भी अवलोकन किया। यहां से टीम डिजिटल एक्सीपीरिएंस सेंटर भी गई। टीम के अधिकारी बुधवार को भी विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर महाकुंभ में उनकी कार्ययोजना को समझेंगे। नासिक टीम को महाकुंभ 2025 के आयोजन की विस्तृत योजना पर प्रस्तुति दी गई। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ के आयोजन के हर पहलू पर चर्चा की, जिसमें यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पब्लिक हेल्थ और भक्तों को सुविधाएं प्रदान करने की योजनाएं शामिल थीं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रयागराज प्रशासन ने किस प्रकार से विभिन्न सेवाओं को जोड़ा है, जैसे कि डिजिटल कनेक्टिविटी, सूचना प्रबंधन और आपातकालीन व्यवस्थाएं। इस प्रस्तुति के बाद, नासिक टीम ने कई प्रमुख अधिकारियों से चर्चा की और अपने सवालों का समाधान प्राप्त किया।

20 सदस्यीय टीम का नेतृत्व डिवीजनल कमिश्नर डॉ. प्रवीन गेडाम ने किया। इसके अलावा टीम में विशेष पुलिस महानिरीक्षक दत्तात्रय कराले, जिलाधिकारी जलज शर्मा, नगर आयुक्त मनीषा खत्री और नासिक मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ माणिक गूर्सल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हैं। डॉ. प्रवीन गेडाम ने बताया कि नासिक में होने वाले कुंभ मेला 2027 को हम महाकुंभ 2025 की तरह भव्य बनाने जा रहे हैं। इसके लिए यहां की व्यवस्थाओं को देखने का निर्णय लिया। हमने यहां के आयोजन स्थलों, घाटों, और अखाड़ों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का विश्लेषण किया, ताकि नासिक में होने वाले कुंभ मेला के लिए बेहतर तैयारियां की जा सकें। हमने महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। यह अध्ययन नासिक प्रशासन को आगामी कुंभ मेला के लिए एक ठोस योजना बनाने में मदद करेगा।

नासिक टीम ने प्रयागराज के इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर का दौरा भी किया, जो महाकुंभ के दौरान पूरे शहर की निगरानी करता है। इस सेंटर में 2,700 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो हर गतिविधि पर नजर रखते हैं। सेंटर में पुलिस, प्रशासन, अग्निशमन सेवा और आपातकालीन प्रबंधन के अधिकारी मौजूद रहते हैं। टीम ने यह भी जाना कि इस सेंटर में अन्य विभागों जैसे रेलवे, दूरसंचार, आपदा प्रबंधन और बीएसएफ के अधिकारी भी तैनात हैं, जो विभिन्न सेवाओं के समन्वय में मदद करते हैं। इस प्रकार की व्यवस्था नासिक के लिए प्रेरणा का काम करेगी, जिससे वहां भी बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। नासिक टीम ने प्रयागराज में चल रही 'डिजिटल महाकुंभ' पहल का भी निरीक्षण किया, जो महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को जानकारी और मदद प्रदान करता है। इस पहल के तहत, भक्तों को आवश्यक सूचना, मार्गदर्शन और सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिससे उनके अनुभव को और बेहतर बनाया जा सके। इसके अलावा, टीम ने 50 लाइनों वाले टेलीफोन कॉल सेंटर का निरीक्षण भी किया, जो नागरिकों की समस्याओं का समाधान करता है, जैसे लापता परिवार के सदस्य, सामान्य शिकायतें और अन्य सहायता। इस कॉल सेंटर से नागरिकों को तत्काल सहायता मिलती है, और यह सेवा महाकुंभ के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विधानसभा में हुआ राज्यपाल का अभिभाषण

एमएसएमई से 1.65 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को बजट सत्र के शुभारंभ के अवसर पर विधानभवन में दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाईयों द्वारा 1 करोड़ 65 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराते हुए प्रदेश, देश में अग्रणी है। साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, जिसमें सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए युवाओं को गारण्टीयुक्त एवं ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के तहत प्रतिवर्ष 01 लाख नये सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना का लक्ष्य है।

राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों की बाजार तक सुलभ पहुंच के लिए प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश इण्टरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2024 में इस ट्रेड शो में देश-विदेश के 500 से अधिक ट्रेडर्स द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें रू 2 हजार 200 करोड़ के आर्डर भी प्राप्त हुए।

राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश में शहरी आबादी को गुणवत्तापरक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसके अन्तर्गत अमृत योजना 2.0 में अब तक लगभग 39 लाख पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत लगभग 9 लाख व्यक्तिगत तथा 69 हजार से अधिक सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराते हुए सभी नगरीय निकायों को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित कराने में सफलता प्राप्त की गयी है।

विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से 1100 ब्लॉक में सामुदायिक/सार्वजनिक/पिंक

शौचालयों का निर्माण कराया गया है।

राज्यपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री आवासीय योजना (शहरी) के अन्तर्गत लगभग 17 लाख आवास पूर्ण कर आवंटित किये जा चुके हैं। स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत सभी 17 नगर निगमों में 10 हजार 300 करोड़ से अधिक की 757 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के गंगा टाउन कैटेगरी के अन्तर्गत नगर निगम, वाराणसी को प्रथम स्थान तथा प्रयागराज को द्वितीय स्थान के साथ-साथ नोएडा को स्टेट क्लीन सिटी का अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में पार्क एवं ओपेन स्पेस के माध्यम से हरित क्षेत्र बढ़ाने हेतु उपवन योजना लागू की गई है। उन्होंने बताया कि उप्र राज्य राजधानी क्षेत्र का गठन करते हुए राजधानी लखनऊ के आसपास के क्षेत्रों को सम्मिलित कर उप्र स्टेट कैपिटल रीजन एवं अन्य रीजन विकास प्राधिकरण अधिनियम-2024 प्रख्यापित कर दिया गया है। आगामी 5 वर्षों में 100 नई टाउनशिप विकसित किए जाने का लक्ष्य है। 6 शहरों में मेट्रो सेवा उपलब्ध कराने के साथ उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक मेट्रो सेवा वाला राज्य है। कानपुर तथा आगरा में मेट्रो सेवा रिकॉर्ड समय में प्रारम्भ कर दी गई है। देश की पहली आरआरटीएस नमो भारत का संचालन भी उत्तर प्रदेश में प्रारम्भ हो गया है।

राज्यपाल का अभिभाषण सच्चाई से कोसों दूर : अखिलेश

लखनऊ, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्य विधानमंडल में राज्यपाल के अभिभाषण को सच्चाई से कोसों दूर बताया है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण निराशाजनक है। इसमें जनसामान्य की आकांक्षाओं की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है। अखिलेश ने कहा कि महाकुंभ में घोर अव्यवस्था को दिव्य-भव्य व्यवस्था का नाम देकर उन तमाम श्रद्धालुओं और उनके परिजनों का अपमान किया गया है जिनकी जानें सरकारी कुव्यवस्था ने ले ली हैं। सरकार की विफलता से जो घायल हुए, वे इलाज के लिए तड़प रहे हैं। सरकार ने महाकुंभ में आने वालों की करोड़ों की संख्या तो बता दी, पर अब तक मृतकों की संख्या व पता नहीं बताया है। आज भी महाकुंभ में तमाम लोग अपनों को खोज रहे हैं। यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि अभिभाषण में किसानों और नौजवानों के लिए कुछ भी नहीं है। पढ़े-लिखे नौजवान नौकरी के लिए भटक रहे हैं। निवेश के नाम पर सिर्फ आंकड़ेबाजी है। नए उद्योग नहीं लग रहे हैं, पुराने उद्योग बंद होते जा रहे हैं। व्यापारी और उद्यमी पलायन कर रहे हैं। गन्ना का मूल्य तो बढ़ाया नहीं गया।

किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भी छिपाया जा रहा है। किसानों की फसल को एमएसपी दरों में खरीद पर चुप्पी साध ली गई है। बिजली महंगी है। भाजपा सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया। भाजपा की डबल इंजन सरकार के भ्रष्टाचार ने प्रदेश को बहुत पीछे कर दिया है।

बड्डुल में वापस लौटे परिवार, पर बीमारी का रहस्य अभी बरकरार

जम्मू, 18 फरवरी (ब्यूरो)। राजौरी के बड्डुल के 300 से ज्यादा परिवारों के लिए दुःस्वप्न शायद खत्म हो गया है, क्योंकि सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें अलग-थलग कर दिए जाने के हफ्तों बाद वे त्रासदी से त्रस्त अपने गांव वापस चले गए हैं। हालांकि, सरकारी नियंत्रण सुविधा के अंतिम निवासी हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अनुत्तरित सवाल और डर अभी भी उन्हें परेशान कर रहे हैं।

पिछले साल दिसंबर में अपने परिवार के सदस्यों को खोने वाले बदहाल परिवारों के सबसे करीबी संपर्क अभी भी अलगाव में हैं और जीएमसी श्रीनगर के अधिकारी अगले दो दिनों में उनकी रिहाई की योजना बना रहे हैं। संपर्क में आए लोगों की जांच और सैंपलिंग की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके संपर्क में आए किसी विष के कारण उनकी जान को कोई खतरा तो नहीं है। एम्स नई दिल्ली के विशेषज्ञों की एक टीम ने अलगाव में रह रहे लोगों की चरणबद्ध रिहाई के लिए एक प्रोटोकाल तैयार करने में जीएमसी राजौरी टीम की सहायता की। बड्डुल राजौरी के सभी निवासियों को 22 जनवरी को विभिन्न सरकारी सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया था, जब गांव में नए मामले सामने आए थे, जिनमें पहले अपने सदस्यों को खोने वाले तीन परिवारों के लक्षण समान थे।

जीएमसी राजौरी के सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. सैयद शुजा अख्तर कादरी कहते हैं कि किसी भी तरह के संदेह के लिए प्रोटोकॉल जिसमें विष या जहर शामिल हो, 21 दिन तक क्वारंटीन रहना है। गांव के लोगों को निर्देश दिया गया है कि अगर उन्हें जहर के मामलों से संबंधित कोई लक्षण दिखाई दें तो वे गांव में तैनात टीम को रिपोर्ट करें। वे बताते थे कि एक टीम हर हफ्ते सभी ग्रामीणों की जांच करेगी। ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा कीटनाशकों और कीटनाशकों के सुरक्षित संचालन के बारे में शिक्षित किया गया है। डॉ. कादरी ने कहा, हमने उन्हें बताया है कि अपने खाद्य पदार्थों, पानी और स्टॉक को उन विषाक्त पदार्थों से कैसे सुरक्षित रखें जो जानलेवा साबित हो सकते हैं।

बड्डुल में हुई 17 मौतों को स्पष्टीकरण के अभाव में रहस्यमय बताया गया, जबकि माइक्रोबायोलॉजिकल जांच करने वाली कई एजेंसियों ने अपने फैसले दिए।

दो परिवारों में मौतों के बाद, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पीजीआई चंडीगढ़ और कुछ अन्य संस्थानों की टीमों ने व्यापक नमूनाकरण किया और अंत में निष्कर्ष निकाला कि मौतें किसी प्रकोप से संबंधित नहीं थीं, जैसा कि आशंका थी। सरकार ने कहा था कि नमूनों में प्रकोप की संभावना वाले किसी भी सूक्ष्म जीव का पता नहीं चला है। पिछले 71 दिनों से, जब से फजल हुसैन के परिवार में पहली मौत हुई है, उसके बाद पीड़ित परिवार और पूरा गांव इस सवाल का जवाब पाने का इंतजार कर रहा है परिवारों की मौत किस वजह से हुई? क्या किसी और परिवार में फिर से ऐसा होगा?

विशेषज्ञों की दो टीमें, एक केंद्रीय गृह मंत्रालय से और एक जम्मू-कश्मीर सरकार से विशेष जांच दल (एसआईटी) मौत के कारण और किसी गड़बड़ी के कोण का पता लगाने के लिए जांच कर रही हैं। मृतक और पर्यावरण की कुछ सैंपलिंग रिपोर्ट के आधार पर यह माना गया कि जो लोग बच गए उनकी मौत और लक्षण किसी न्यूरोटॉक्सिन से जुड़े थे। रिपोर्ट में पाया गया कि न्यूरोटॉक्सिन ऑर्गनोफॉस्फेट, कार्बामाइन, सल्फोन, क्लोरफेनेपायर और कुछ अन्य से मिलकर बना था।

ग्रामीणों के ठहरने और सैंपलिंग की देखरेख करने वाले डॉक्टरों का कहना था कि जब तक हमें मौत का सही कारण पता नहीं चल जाता, हमें सावधानियों पर ध्यान देने की जरूरत है। जबकि डॉ. कादरी कहते हैं कि जहर के मामले में जल्दी रिपोर्ट करना बहुत जरूरी है। हमने ग्रामीणों को यह बताने की कोशिश की है कि कैसे लक्षणों को जल्दी पहचाना जाए और समय रहते मदद कैसे ली जाए।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले के आरोपी मिशेल को जमानत मिली

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड मामले में आरोपी ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को जमानत दे दी। मिशेल अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में बिचौलिया था। सीबीआई और ईडी 3600 करोड़ रुपए के 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद में उसकी भूमिका की जांच कर रही है। उसे दुबई से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद दिसंबर 2018 में हिरासत में लिया गया था।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जेम्स पिछले छह साल से हिरासत में है, जबकि मामले की जांच अभी भी जारी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेम्स को निचली अदालत द्वारा तय शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाएगा। जेम्स ने मामले में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था।

अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले के संबंध में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। गौरतलब है कि 3,600 करोड़ रुपए का यह कथित घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद से संबंधित है। क्रिश्चियन मिशेल जेम्स ब्रिटेन का निवासी है। उसे दिसंबर 2018 में दुबई से प्रत्यर्पित किया गया था। मिशेल जेम्स की जमानत याचिका 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी थी।

उसने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा था कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा किया जाए कि वह मामलों में आधी सजा काट चुका है। इसके बाद 2024 में उसने दोबारा सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इन्कार कर दिया था। इसके बाद दिसंबर 2024 में मिशेल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से जवाब मांगा था।

तेलंगाना सरकार का फैसला

रमजान पर एक घंटे पहले छुट्टी ले सकेंगे मुस्लिम कर्मचारी

हैदराबाद, 18 फरवरी (एजेंसियां)। आने वाले रमजान के महीने को देखते हुए तेलंगाना सरकार ने राज्य के मुस्लिम कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। इसके तहत अब राज्यभर के सरकारी कर्मचारियों को नमाज पढ़ने के लिए एक घंटे पहले ही छुट्टी दी जाएगी। राज्य सरकार के इस फैसले की भाजपा ने कड़ी निंदा की है। छुट्टी का लाभ राज्य के सभी सरकारी मुस्लिम कर्मचारियों, शिक्षकों, अनुबंध कर्मचारियों, आउटसोर्सिंग और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को मिलेगा।

सरकार के आदेश के तहत, इन कर्मचारियों को 2 मार्च से 31 मार्च तक शाम 4 बजे तक अपने कार्यालयों और स्कूलों से बाहर जाने की अनुमति दी गई है। साथ में यह निर्देश भी दिया गया है कि अगर किसी कर्मचारी के काम की ज्यादा आवश्यकता हो, तो उन्हें ऑफिस में रहना पड़ेगा। यह आदेश तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी द्वारा जारी किया गया है।

तेलंगाना सरकार का ये फैसला राज्य भर के मुसलमानों के लिए एक राहत के तौर पर है, लेकिन इस फैसले की भाजपा ने आलोचना की है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने इस आदेश को मुस्लिम समुदाय को खुश करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि नवरात्रि जैसे हिंदू त्यौहारों के दौरान हिंदू कर्मचारियों को ऐसी कोई छूट नहीं मिलती। उन्होंने इसे वोट बैंक की राजनीति बताया और विरोध करने की बात की।

भाजपा के वरिष्ठ नेता पी मुरलीधर राव ने भी मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप लगाया कि वे समाज के एक वर्ग को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों के लिए दी जा रही छूट, नवरात्रि या जैन त्योहारों के दौरान नहीं दी गई, जो धार्मिक प्रथाओं का सम्मान नहीं बल्कि वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा है।

सड़क हादसे में युवती समेत तीन की मौत

पटना, 18 फरवरी (एजेंसियां)। नालंदा में मंगलवार की देर शाम सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मामला राजगीर थाना क्षेत्र अंतर्गत आयुध निर्माण फैक्ट्री के समीप की है। मृतकों की पहचान राजगीर थाना क्षेत्र के लोहरा गांव निवासी संजय यादव के पुत्र मंटू कुमार (18) एवं विंधेश्वरी यादव के पुत्र मुकेश कुमार (20) के रूप में की गई है। इस घटना में एक युवती की भी मौत हुई है, जिसकी पहचान नहीं हो सकी है।

घटना के संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस राजगीर से चलकर वाराणसी को जाती है। इसी ट्रेन को पकड़ने के लिए बाइक पर सवार होकर तीनों राजगीर स्टेशन जा रहे थे। गांव से एक ही बाइक पर सवार होकर सभी राजगीर स्टेशन जा रहे थे। इसी बीच आयुध निर्माण कारखाना के समीप सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इस घटना में तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने आनन-फानन में तीनों को राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। शव के शिनाख्त होने के उपरांत परिजनों को घटना की जानकारी दी गई।

घटना के संबंध में राजगीर थाना अध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि घटना के बाद ट्रक को जप्त कर लिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि युवती के संबंध में पूछने पर दोनो मृतकों के परिजनों का कहना है कि वेलोग युवती को नहीं पहचानते हैं। दोनों युवकों को वह युवती कब और कहाँ मिली, इस बात की जानकारी किसी को नहीं है।

हारने के बाद भी आपा नेताओं के चरित्र में सुधार नहीं

एसी, कुर्सी, पंखा, टीवी सब उठा ले गए मनीष सिसोदिया

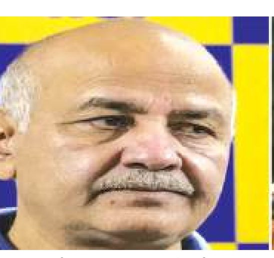

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव हारने के बाद आपा नेता मनीष सिसोदिया विधानसभा के कैम्प कार्यालय से लाखों का सामान उठा ले गए। वह पटपड़गंज में बने पीडब्लूडी के विधानसभा कैम्प कार्यालय से एसी, एलईडी टीवी, कुर्सी-मेज समेत साउंड सिस्टम भी उठा ले गए। पटपड़गंज के नए विधायक रविंदर सिंह नेगी ने मनीष सिसोदिया पर यह गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा विधायक ने इस कार्यालय पर जाकर स्थिति बताई है। उन्होंने इस चोरी का वीडियो भी जारी किया है। रविंदर सिंह नेगी ने कहा, ईमानदारी का ढोंग रचने वाले सरकारी समान लेकर चले गए। वहां केवल खाली ढांचा खड़ा है। रविंदर सिंह नेगी ने दावा किया कि मनीष सिसोदिया अपने साथ 250-300 कुर्सियां भी ले गए। हॉल में लगे हुए एसी और 2-3 लाख का टीवी भी सिसोदियाय नमः हो गया। नेगी ने कहा कि अब केवल टीवी का स्टैंड बचा हुआ है। नेगी ने यह भी आरोप लगाया कि सिसोदिया 12 लाख साउंड सिस्टम भी उखाड़ ले गए। नेगी ने हर कमरे का हाल दिखाया। उन्होंने आरोप लगाया कि चोरी के साथ ही सिसोदिया के लोगों ने कार्यालय को क्षतिग्रस्त भी किया और दरवाजे तोड़ डाले। नेगी ने नाराजगी जताते हुए कहा, इन लोगों को इतना शर्म नहीं आई कि नया विधायक कहां बैठेगा। नेगी ने ऐलान किया है कि भाजपा की सरकार सिसोदिया को कानूनी नोटिस भेजेगी और इस मामले में कार्रवाई होगी।

महाकुंभ मेले की नहीं बढ़ेगी तारीख : जिलाधिकारी

महाकुंभ नगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से अफवाह फैली है कि प्रयागराज महाकुंभ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रदेश सरकार और मेला व जिला प्रशासन की ओर से मेले का एक्सटेंशन करते हुए इसे मार्च तक बढ़ा दिया गया है। प्रयागराज के डीएम रवींद्र मांदड़ ने ऐसी अफवाहों का सिरे से खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह नितांत अफवाह है। महाकुंभ मेले का जो शेड्यूल जारी होता है, वह मुहूर्त के हिसाब से जारी होता है और पहले से तय होता है। 26 फरवरी को निर्धारित तिथि पर ही महाकुंभ का समापन होगा और तब तक जो भी श्रद्धालु आ रहे हैं, उन सभी के सुगम आवागमन को सुनिश्चित किया जा रहा है।

मेले की डेट के एक्सटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर जारी अफवाहों पर जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की वह किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें, क्योंकि शासन और प्रशासन की तरफ से मेले की डेट के एक्सटेंशन का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी दिन शेष बचे हैं, इस दौरान लोगों के सुगम स्नान के प्रबंध किए जा रहे हैं। लोग संगम में स्नान करने के बाद वापस अपने गंतव्यों की ओर लौटें, इसका प्रबंध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट हमारी प्राथमिकता है। इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। प्रयागराज के आम जनजीवन को बिना प्रभावित किए श्रद्धालुओं के आवागमन का बैलेंस बनाकर काम किया जा रहा है।

रेलवे स्टेशन को बंद किए जाने को लेकर डीएम ने कहा कि कोई रेलवे स्टेशन बिना पूर्व सूचना के बंद नहीं किया गया है। यह कोरी अफवाह है।उन्होंने कहा कि दारागंज में प्रयाग संगम स्टेशन पीक डेज पर हम पहले भी बंद करते आए हैं। चूंकि यह स्टेशन मेले से सटा हुआ है, इसलिए यहां ज्यादा भीड़ इकट्ठा न हो, इसलिए इसको स्थाई रूप से बंद किया गया है। इसके अतिरिक्त जितने भी हमारे स्टेशन हैं सभी ऑपरेशनल हैं और बड़ी संख्या में लोग वहां से आ और जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार और जिला प्रशासन के लिए एतिहासिक अवसर है। मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन पर हम सभी गतिविधियों को सामान्य रूप से संचालित कर रहे हैं। अभी तक किसी भी छात्र की परीक्षा नहीं छूटी है। पूर्व में भी हमने अपील की थी कि बोर्ड परीक्षा दे रहे सभी छात्र और पेरेंट्स निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचें। सभी ने इस पर अमल किया है। सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड ने भी निर्णय लिया है कि यदि किसी का एग्जाम छूटता है तो छात्र को परीक्षा के अंत में एक और अवसर प्राप्त हो सकेगा।

महाकुंभ में बीता हर एक क्षण मेरे जीवन का सबसे सुखद अनुभवः जूही चावला

महाकुंभनगर, 18 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 के अंतर्गत मंगलवार को सीने तारिका जूही चावला ने त्रिवेणी के पवित्र संगम में स्नान करके खुद का जीवन धन्य माना। जूही चावला ने अपने अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए कहा कि मेरा तो यहां से वापस जाने का मन ही नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह क्षण अद्भुत है, अलौकिक है और इसके लिए हृदय से आभारी हूं। उन्होंने सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन में हुए व्यापक इंतजामों की तारीफ करते हुए पुलिस व स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद दिया और जमकर तारीफ भी की।

उल्लेखनीय है कि महाकुंभ की शुरुआत से ही बॉलीवुड समेत देश-दुनिया के सेलेब्रिटीज महाकुंभ मेले में सम्मिलित होकर इस दिव्य अलौकिक अनुभव को अनुभूत कर रही हैं। जूही चावला से पहले सुनील शेट्टी, श्रीनिधि शेट्टी, राजकुमार राव, विक्की कौशल, विजय देवरकोंडा, रेमो डिसूजा व मिलिंद सोमन समेत कई दिग्गज सेलिब्रिटीज भी महाकुंभ में त्रिवेणी स्नान कर आत्मिक-आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर चुके हैं। महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी संगम में स्नान करने के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस जूही चावला ने अपना अनुभव साझा करते हुए इसे एक अविस्मरणीय क्षण बताया। उन्होंने कहा कि आज की सुबह मेरे जीवन की सबसे खूबसूरत सुबह रही। मैंने संगम में पवित्र डुबकी लगाई जो अपने आप में एक अलौकिक अनुभव था। उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज व त्रिवेणी संगम की दिव्यता कुछ ऐसी है कि यहां आकर वापस जाने का मन ही नहीं करता। उन्होंने कहा कि मैं उस जगह को छोड़ना नहीं चाहती थी। यह एक अद्भुत और खूबसूरत अनुभव था। मैं पुलिस और उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने इतनी अच्छी व्यवस्था की।

बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक हिट गानों को गाने वाले सिंगर शान ने भी तीर्थराज प्रयागराज के पवित्र त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने मंगलवार को स्नान व पूजन-अर्चन कर अपने जीवन को धन्य माना। शान के अनुसार, त्रिवेणी संगम में स्नान करना एक विशिष्ट आध्यात्मिक अनुभव रहा जो हमेशा के लिए उनकी स्मृतियों में कैद हो गई है।

देवर ने गला रेत कर भाभी को मार डाला

गया , 18 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में देवर ने भाभी की तेजधार हथियार से गला रेत कर हत्या कर फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। यह घटना गया जिले के भदवर थाना क्षेत्र के नंदई गांव की है। फिलहाल पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। मृतका की पहचान सविता देवी (29) के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि नंदई गांव निवासी मिथलेश पासवान के पुत्र अनुज कुमार ने मंगलवार को तेजधार हथियार से सविता देवी की हत्या कर दी।

हत्या के बाद आरोपी देवर फरार हो गया। आरोपी अनुज कुमार मृतका का ममेरा देवर है। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही भदवर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।

सर्राफा बाजार में उछला सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने 520 रुपये से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये से लेकर 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये से लेकर 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप के टैरिफ अटके से भारतीय बाजार पर क्या होगा असर....

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध समय के हिसाब से लगातार बदल रहे हैं। दोनों ही देशों की टैरिफ स्ट्रक्चर, ट्रेड पॉलिसियां और आर्थिक फैसले समय के साथ बदलते रहे हैं। हाल ही में, अमेरिका ने फेयर एंड रेसिक्रोपाल योजना नाम की एक नई पॉलिसी पेश की है, इसका मकसद इंटरनेशनल ट्रेड में हो रहे घाटे को सुंतलित करना है। इसका मतलब है कि अमेरिका दूसरे देशों से आने वाले सामानों पर ज्यादा टैरिफ (आयात शुल्क) लगा सकता है। हालांकि, एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि इस टैरिफ वृद्धि का भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा। इसकी वजह हैं कि भारत ने अपने निर्यात को कई देशों में फैला लिया है और नए बाजार तैयार कर लिए है। इससे व्यापार में गिरावट के नुकसान की भरपाई की जा सकती है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस, एनर्जी और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है। यह दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाएगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका दोनों ने अपने आयात-निर्यात शुल्क (टैरिफ) में बदलाव किए हैं। हालांकि, आंकड़ों साफ होता है कि अमेरिका ने भारत से आने वाले सामानों पर टैरिफ बढ़ाया है, जो 2018 में 2.72 प्रतिशत था और 2021 में बढ़कर 3.91 प्रतिशत हो गया। 2022 में यह थोड़ा घटकर 3.83 प्रतिशत तक पहुंच गया। वहीं, दूसरी ओर भारत ने अमेरिका से आने वाले सामानों पर टैरिफ ज्यादा बढ़ाया है। 2018 में यह 11.59 प्रतिशत था, जो 2022 में बढ़कर 15.30 प्रतिशत तक पहुंच गया। इससे साफ है कि भारत ने अमेरिका की तुलना में टैरिफ में ज्यादा बदलाव किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका भारतीय सामान पर 15-20 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाता है, तब भी इसका भारत के कुल निर्यात पर केवल 3-3.5 प्रतिशत तक असर पड़ेगा। इसका कारण यह है कि भारत ने अपनी व्यापार रणनीति को मजबूत और लचीला कर दिया है।

एमजी हेक्टर की मेंटेनेंस कॉस्ट है बेहद कम

नईदिल्ली। भारतीय एसयूवी सेगमेंट में एमजी हेक्टर ने अपनी अलग पहचान बनाई है। खास बात यह है कि इसका मेंटेनेंस कॉस्ट बेहद कम है, जो सिर्फ रुपए 500 प्रति माह आता है। इतने कम खर्च में इतनी एडवांस एसयूवी मिलना इसे एक स्मार्ट इन्वेस्टमेंट बनाता है। एमजी हेक्टर में 14-इंच का बेस्ट-इन-क्लास एचडी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिया गया है, जो बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देता है। इसमें 75 से अधिक कनेक्टेड कार फंक्शनलिटीज मिलती हैं, जो इसे स्मार्ट और एडवांस्ड बनाती हैं। सेफ्टी के लिए अडास लेवल 2 (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम) दिया गया है, जिससे ड्राइविंग और भी सुरक्षित और आरामदायक हो जाती है। इस एसयूवी को 5, 6 और 7-सीटर कॉन्फ़िगरेशन में पेश किया गया है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार मॉडल चुन सकते हैं। एमजी हेक्टर की शुरुआती कीमत रुपए 13.99 लाख (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जो इसे अपने सेगमेंट में एक किफायती और प्रीमियम एसयूवी बनाती है। यह गाड़ी उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो स्टाइलिश और टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली कार की तलाश में हैं। इसे भारत की पहली इंटरनेट एसयूवी भी कहा जाता है, जिसे 2019 में लॉन्च किया गया था। तब से लेकर अब तक यह भारतीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय बनी हुई है।

बैंक डूबा तो भी सुरक्षित रहेगा आपका पैसा, सरकार बढ़ा सकती है डिपॉजिट इंश्योरेंस लिमिट

नई दिल्ली। सरकार जल्द ही बैंक डिपॉजिट इंश्योरेंस की सीमा बढ़ा सकती है। अभी यह सीमा 5 लाख रुपये है, लेकिन इसे और बढ़ाने पर गंभीरता से विचार हो रहा है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। आरबीआई ने बैंक के खराब प्रबंधन का हवाला देते हुए इसके निदेशक मंडल को 12 महीनों के लिए बर्खास्त कर दिया और कई वित्तीय प्रतिबंध लगाए। अगर सरकार बीमा कवर की सीमा बढ़ाने का फैसला लेती है, तो इससे करोड़ों बैंक ग्राहकों को राहत मिलेगी। अब सभी की नजरें सरकार के आधिकारिक ऐलान पर टिकी हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नगराजू ने भी कहा कि डिपॉजिट इंश्योरेंस की सीमा बढाने पर विचार किया जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि जमा बीमा सीमा बढ़ाने का मुद्दा हमारे विचाराधीन है।

साल 2025 तक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में साल 2025 तक इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी होने की उम्मीद जताई जा रही है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में देश में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 19.93 प्रतिशत बढ़कर 99,165 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो 2023 में 82,688 यूनिट्स थी।

इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स का दबदबा बरकरार है, हालांकि इसकी बाजार हिस्सेदारी 2023 के 72.68 प्रतिशत से घटकर 2024 में 62.01 प्रतिशत रह गई। 2024 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री अपेक्षाकृत कम रहने का एक मुख्य कारण सीमित मॉडल उपलब्धता थी। हालांकि, टाटा मोटर्स ने टियागो ईवी, टिगोर ईवी, पंच ईवी, नेक्सन ईवी और कर्व ईवी जैसे कई मॉडल लॉन्च किए। वहीं, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कॉमेट, विंडसर और जेडएस जैसे मॉडल पेश किए। अब मारुति सुजुकी और हुंडई भी इस सेगमेंट में अपने नए इलेक्ट्रिक मॉडल लाने की तैयारी में हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत का बड़ा हिस्सा बैटरी पर निर्भर करता है, जिसकी कुल कीमत में हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत तक होती है। इस लागत को कम करने और देश में ईवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण मिनरल्स और उनके उत्पादन में उपयोग होने वाले उपकरणों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को हटाने का फैसला किया है। इसके चलते लिथियम-आयन बैटरी के स्थानीय उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद है। इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार और बढ़ती उपभोक्ता मांग के चलते 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में तेज उछाल देखने को मिल सकता है, जिससे भारत में ईवी क्रांति को और मजबूती मिलेगी।

मालूम हो कि भारत समेत दुनिया भर में इलेक्ट्रिक कारों की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालांकि, भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार अभी शुरुआती दौर में है। लोकप्रियता और सेगमेंट में बढ़ते विकल्पों के बावजूद, फिलहाल इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री का बाजार हिस्सा केवल 3 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। विभिन्न ऑटो कंपनियां लगातार नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च कर रही हैं, साथ ही पुरानी लोकप्रिय कारों को भी इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ दोबारा पेश किया जा रहा है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए सरकार और निजी कंपनियां मिलकर बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं।

हुंडई मोटर ने एक्सपोर्ट में 25 वर्षों का सफर किया पूरा

नई दिल्ली। एक्सपोर्ट में हुंडई मोटर इंडिया ने 25 वर्षों का सफर पूरा कर लिया है। कंपनी वर्तमान में 60 से अधिक देशों में भारतीय कारों की आपूर्ति कर रही है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा यात्री वाहन निर्यातक बन गया है। 1999 में भारत से निर्यात शुरू करने वाली हुंडई अब तक 37 लाख से अधिक यूनिट्स दुनिया के विभिन्न देशों में भेज चुकी है। हुंडई ने 150 से अधिक देशों में भारतीय निर्माण की गई कारें भेजी हैं, जिनमें अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के प्रमुख बाजार शामिल हैं। अकेले अफ्रीका में कंपनी ने 10 लाख यूनिट्स एक्सपोर्ट की हैं। 2024 में हुंडई ने दक्षिण अफ्रीका में एक्सटर की शिपिंग शुरू की, जो वहां के लिए भारत में निर्मित आठवां मॉडल है। हुंडई के प्रमुख एक्सपोर्ट मॉडलों में आई10, एक्सटर, वरना, क्रेटा और अल्काजार शामिल हैं।

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी को मिल रहा जबरदस्त रिस्पॉन्स

नई दिल्ली। हाल ही में महिंद्रा की लॉन्च हुई इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9ई और बीई 6 को ग्राहकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। पहले ही दिन बुकिंग प्रारंभ होते ही दोनों मॉडलों की 30,179 यूनिट्स की बुकिंग दर्ज की गई, जिससे कंपनी को 8,472 करोड़ रुपये की कमाई हुई। यह भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। महिंद्रा की रिपोर्ट के मुताबिक, 79 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वाले टॉप-एंड वेरिएंट्स की कुल बुकिंग में 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रही। एक्सईवी 9ई और बीई 6 के बीच बुकिंग डिवीजन क्रमशः 56 प्रतिशत और 44प्रतिशत रहा। कंपनी के अनुसार, यह आंकड़ा दिखाता है कि भारतीय ग्राहक अब प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी में दिलचस्पी ले रहे हैं। गौरतलब है कि महिंद्रा ने इन दोनों एसयूवी को 26 नवंबर 2024 को शोकेस किया था। दमदार डिजाइन, आधुनिक फीचर्स और लंबी रेंज के चलते ये कारें ग्राहकों को लुभाने में सफल रही हैं। कंपनी का कहना है कि यह मेड-इन-इंडिया, फॉर-द-वर्ल्ड ईवी हैं, जो घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बेची जाएंगी। 2024 में भारत में इलेक्ट्रिक कारों की कुल बिक्री करीब 1 लाख यूनिट्स रही थी।

जनवरी 2025 में भारत का स्मार्टफोन निर्यात 140प्रतिशत बढ़ा 25,000 करोड़ रुपये की कमाई

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

जनवरी 2025 में भारत का स्मार्टफोन निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 140 प्रतिशत बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये (3 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गया। इस वृद्धि का मुख्य कारण एप्पल और सैमसंग जैसी प्रमुख कंपनियों का अपनी सप्लाई चेन से विदेशों में शिपमेंट बढ़ाना रहा।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में कुल स्मार्टफोन निर्यात 1.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 99,120 करोड़ रुपये से 56 प्रतिशत अधिक है।

तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन की एप्पल आईफोन सप्लाई चेन ने कुल निर्यात में 70 प्रतिशत तक का योगदान दिया, जिससे विदेशी शिपमेंट में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। फॉक्सकॉन फैक्ट्री से हुए निर्यात में बीते वित्त वर्ष की तुलना में 43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, जिसने कर्नाटक में स्थित विस्ट्रॉन स्मार्टफोन निर्माण इकाई का अधिग्रहण किया, ने 22 प्रतिशत निर्यात में योगदान दिया।

वहीं, तमिलनाडु में पेगाट्रॉन फैसिलिटी से 12 प्रतिशत निर्यात हुआ, जिसमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने 60 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली। टाटा समूह अब देश में आईफोन निर्माण का प्रमुख केंद्र बन गया है।

सैमसंग ने भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात में 20 प्रतिशत का योगदान दिया। सरकार की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बढ़ा है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

पीएलआई योजना के तहत दिसंबर 2024 तक 10,213 करोड़ रुपये का निवेश आया, जिससे 1.37 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए। 2014-15 में मोबाइल आयात करने वाला भारत अब 99.2 प्रतिशत घरेलू उत्पादन के साथ मोबाइल निर्यातक देश बन गया है।

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दर घटाई

ऑस्ट्रेलिया के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को अक्टूबर, 2020 के बाद पहली बार अपनी प्रमुख ब्याज दर घटाई है। रिजर्व बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष की अपनी पहली बोर्ड बैठक में नकद दर को एक चौथाई प्रतिशत अंक घटाकर 4.35 प्रतिशत से 4.1 प्रतिशत कर दिया। दिसंबर तिमाही में मुद्रास्फीति सिर्फ 0.2 प्रतिशत और वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 2.4 प्रतिशत बढ़ने के बाद कटौती का अनुमान लगाया गया था। दो साल पहले वार्षिक मुद्रास्फीति 7.8 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर थी। बैंक मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत से तीन प्रतिशत के बीच के लक्ष्य दायरे में रखने के लिए ब्याज दरों में हेरफेर करता है। दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में बेरोजगारी दर चार प्रतिशत के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर रही, जो नवंबर में 3.9 प्रतिशत थी। दर में यह बदलाव प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज की वामपंथी लेबर पार्टी सरकार के लिए एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है, जो 17 मई को होने वाले चुनाव मैदान में उतरेगी।

जनवरी में भारत का व्यापार घाटा 22.99 अरब डॉलर भारत ने जितना निर्यात किया, उससे अधिक आयात किया

नई दिल्ली

भारत के व्यापार में दिसंबर की तुलना में जनवरी में 22.99 अरब डॉलर का घाटा दर्ज किया गया है। इसका मतलब है कि भारत ने जितना निर्यात किया, उससे अधिक आयात किया। यह स्थिति रुपये पर दबाव डाल सकती है और महंगाई बढ़ने की आशंका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत ने अमेरिका से विभिन्न उत्पादों की खरीदारी का वादा किया है, जिससे आयात में वृद्धि की संभावना है। व्यापारिक संतुलन के लिए चिंता भारत की तरफ से गहरी है, जैसा कि अमेरिका ने टैरिफ दरों में बदलाव की चेतावनी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी से भारत के साथ व्यापार संबंधों का माहौल बनता नजर आ रहा है। इसके बावजूद, देश विभिन्न सामानों के निर्यात में कदम बढ़ा रहा है, जो व्यापार घाटे में सुधार का संकेत हो सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इस स्थिति में भारत की सरकार दवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और चावल जैसे क्षेत्रों के निर्यात को बढ़ाने की कड़ी कामना कर रही है। इसके साथ ही, अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते के मामले में बातचीत की पहली किस्त आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना जरूरी हो सकता है।

यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि दोनों देशों के बीच व्यापारी संबंध आगे बढ़ें और विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि हो। इस तरह की सकारात्मक कदम लेकर भारत अपने व्यापारिक संबंधों में सुधार कर सकता है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मददगार साबित हो सकता है। जनवरी में भारत का निर्यात 36.43 अरब डॉलर रहा, जो दिसंबर 2024 में 38.01 अरब डॉलर था।

वहीं, आयात 59.42 अरब डॉलर दर्ज किया गया, जो पिछले महीने के 59.95 अरब डॉलर के लगभग बराबर है। विशेषज्ञों के अनुसार, व्यापार घाटे का यह आंकड़ा अपेक्षित था और यह 22.35 अरब डॉलर के अनुमान के करीब है। भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाओं और चावल के निर्यात को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दे रही है।

इस बीच, अमेरिका ने भारत के साथ व्यापारिक संतुलन बनाने के लिए कड़े कदम उठाने की चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह उन देशों पर प्रतिशोधी टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाएंगे, जो अमेरिकी उत्पादों पर अधिक कर लगाते हैं।

भारत पर भी यह नियम लागू हो सकता है, क्योंकि यहां टैरिफ दरें दुनिया में सबसे अधिक मानी जाती हैं। वर्तमान में अमेरिका का भारत के साथ 45.6 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आतंकवादियों की...

शेख हसीना ने कहा, मोहम्मद यूनुस को राज चलाना नहीं आता, उन्हें इसका कोई अनुभव नहीं है। यूनुस खुद मान चुके हैं कि उन्हें देश को चलाना नहीं आता। अवामी लीग पार्टी के कार्यकताओं को भी भरोसा है कि अब आतंकवादियों की यह सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी, हसीना लौटकर सबको न्याय दिलाएंगी। उन्होंने विश्वास दिलाया है कि तख्तापलट के दौरान मारे गए हर पीड़ित का वे बदला लेंगी।

कतर से दोस्ती...

कतर, भारत से 1.70 अरब डॉलर का सामान खरीदता है। वहीं, भारत, कतर से 12.34 डॉलर मूल्य का सामान खरीदता है। ऐसे में भारत का कतर के साथ 10.64 अरब डॉलर का व्यापार घाटा है। भारत, कतर से सबसे ज्यादा पेट्रोलियम गैस (9.71 अरब डॉलर) खरीदता है तो वहीं कतर, भारत से सबसे ज्यादा चावल (1.33 हजार करोड़ रुपए) खरीदता है। कतर में 15 हजार भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। इनमें लार्सन एंड टुब्रो, टीसीएस और महिंद्रा जैसे बड़ी कंपनियां शामिल हैं। कतर में लगभग 8 लाख 35 हजार भारतीय नागरिक हैं, जो मेडिकल, इंजीनियरिंग, एजुकेशन, फाइनेंस और लेबर जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं।

आदतन कांग्रेस ने ...

कोई नया नाम तय किया जा सकता है। अधिनियम के तहत केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री की अध्यक्षता में एक खोज समिति पांच उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करती है।देश के नए मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का कांग्रेस ने विरोध करते हुए इसे संविधान की भावना के खिलाफ और चुनाव प्रक्रिया को नष्ट करने वाला बताया। कांग्रेस सांसद और महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ शासन देश की चुनाव प्रक्रिया को नष्ट कर रहा है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पदोन्नत करके नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) बनाया गया है। विडंबना यह है कि विपक्ष के नेता की हैसियत से राहुल गांधी भी नए मुख्य चुनाव आयुक्त की चयन प्रक्रिया में शामिल थे। इसके बावजूद कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ शासन देश की चुनाव प्रक्रिया को नष्ट कर रहा है। वेणुगोपाल ने कहा, सरकार ने जल्दबाजी में नए केंद्रीय चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। यह संविधान की भावना के खिलाफ है। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में दोहराया है कि चुनावी प्रक्रिया की पवित्रता के लिए, मुख्य चुनाव आयुक्त को निष्पक्ष हितधारक होना चाहिए। संशोधित कानून ने मुख्य न्यायाधीश को मुख्य चुनाव आयुक्त चयन पैनल से हटा दिया है। सरकार को मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन करने से पहले 19 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई तक इंतजार करना चाहिए था।

जम्मू कश्मीर के...

का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। शाह ने जम्मू और कश्मीर में अप्रैल 2025 तक तीनों कानूनों का पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए पुलिसकर्मियों और प्रशासन के रवैये में बदलाव लाना और नागरिकों में इनके बारे में जागरूकता पैदा करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद पर नियंत्रण में आई गति और सुरक्षा हालातों में सुधार के बाद, अब वहां के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना जम्मू और कश्मीर पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में अभियुक्त की गैरहाजिरी में भी ट्रायल जारी रखने के प्रावधान को त्वरित रूप से इस्तेमाल करने की आवश्यकता है।केंद्रीय गृह मंत्री ने चार्जशीट दाखिल करने के काम में तेज़ी लाने के लिए पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की ज़रूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारियों का नए कानूनों के प्रा-वधानों के बारे में शत-प्रतिशत प्रशिक्षण जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। शाह ने कहा कि आतंकवाद और संगठित अपराध से संबंधित प्रावधानों का पुलिस अधीक्षक के स्तर पर पूर्ण विवेचन के उपरांत ही निर्णय करना चाहिए। इन प्रावधानों का गलत इस्तेमाल न हो, इसके लिए सख्त निरीक्षण और नियंत्रण की आवश्यकता है। अमित शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर प्रशासन और सरकार ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद नए कानूनों के कार्यान्वयन की दिशा में संतोषजनक काम किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में तीन नए कानूनों के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के स्तर पर मासिक, पाक्षिक और साप्ताहिक रूप से होनी चाहिए।

मायावती का ...

उदितराज का यह विवादास्पद बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उदितराज के इस बयान की बसपा नेता आकाश आनंद ने कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, उदितराज अपने स्वार्थ के लिए दूसरे दलों में मौका तलाशने के लिए कुख्यात है। उसे बहुजन मूवमेंट की चिंता सिर्फ इसलिए है ताकि वह किसी दल की चमचागीरी कर के सांसद या विधायक बन सके। इसका बहुजन समाज के उत्थान से कोई लेना देना नहीं है। आकाश आनंद ने उदितराज को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 19 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में

पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र तथा उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के सहयोग से श्री अन्न उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र (अरुणाचल प्रदेश, मेघालय) तथा उत्तर प्रदेश के 30 किसानों को श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्य-वर्धन पर प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से 18 - 21 फरवरी 2025 के दौरान चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम श्री अन्न आधारित प्रौद्योगिकियों, मूल्य-वर्धन तकनीकों एवं व्यावसायिक अवसरों से संबंधित गहन ज्ञान से परिपूर्ण है।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनिसं ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा श्री अन्न के महत्व एवं किसानों के लिए इस प्रशिक्षण के संभावित लाभों पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने प्रतिभागियों को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों, स्टार्टअप हेतु उपलब्ध इन्कुबेशन सुविधाओं तथा किसानों को निःशुल्क बीज उपलब्ध कराने सहित संस्थान की विभिन्न पहलों से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने अपना परिचय दिया और प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु अपनी आकांक्षाओं को साझा किया। उन्होंने श्री अन्न मूल्य-वर्धन के बारे में जानने हेतु अपनी गहरी रुचि दर्शायी।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए श्री अन्न प्रसंस्करण तकनीकों, मूल्य-वर्धन कार्य-नीतियों तथा व्यावसायिक अवसरों पर आयोजित विभिन्न सत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने न्यूट्रीहब में इन्कुबेशन सुविधाओं, श्री अन्न संग रसोई पर व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा चिक्की व पोहा उत्पादन लाइनों के दौरे के बारे में सविस्तार जानकारी दी तथा इन अनुभवों से श्री अन्न आधारित उद्यम स्थापित करने में प्रतिभागियों को होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में तकनीकी ज्ञान के अलावा, सफल श्री अन्न उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों तथा वैज्ञानिकों के साथ संवादात्मक चर्चाएं भी शामिल हैं।

डॉ. के श्रीनिवास बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने ओडिशा मिलेट मिशन पर अपने अनुभवों को साझा करते हुए श्री अन्न की खेती, किसान सशक्तिकरण तथा पोषण सुरक्षा पर इसके प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी और योगदान के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों, प्रशिक्षकों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. संगप्पा, डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. महेश बी टेंगली, डॉ. प्रेमराध्या, डॉ. महेश कुमार, श्री एच एस गावली, डॉ. रफी, सुश्री मेघना तथा सुश्री चंद्रा लेका द्वारा किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से यह संस्थान श्री अन्न आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा किसानों को उनकी आजीविका सुधार हेतु अपेक्षित ज्ञान व कौशल प्रदान करके सशक्त बनाने हेतु प्रतिबद्ध है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

एमईएआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित "माइनिंग द मिनरल्स: वे फॉरवर्ड फॉरवर्ड टुवर्ड्स आत्मनिर्भर विकसित भारत 2047" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

हैदराबाद, 15 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमईएआई), हैदराबाद चैप्टर ने 'माइनिंग द मिनरल्स: वे फॉरवर्ड टुवर्ड्स आत्मनिर्भर विकसित भारत 2047' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन किया। सम्मेलन के दूसरे दिन खनन क्षेत्र, इसकी भविष्य की नीतियों और तकनीकी प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रभावोत्पादक विचार-विमर्श किया गया।

समापन सत्र की अध्यक्षता वीण सुरेश, निदेशक (वाणिज्य) एनएमडीसी लिमिटेड ने की, जो इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे। एन. बलराम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एससीसीएल सम्मानित अतिथि थे। उपस्थित अन्य विशिष्टजनों श्री बी. विश्वनाथ, आईआरएसएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी लिमिटेड; श्री बी. सुरेंद्र मोहन, पूर्व सीएमडी, एनएलसी इंडिया लिमिटेड; श्री ए. के. शुक्ला, पूर्व सीएमडी, एचसीएल; और श्री पी. के. सतपथी, पूर्व निदेशक (उत्पादन), एनएमडीसी लिमिटेड ने खनन नवाचार, सुस्थिरता और नीतिगत सुधारों पर चर्चा में योगदान दिया।

सम्मेलन के दूसरे दिन का प्रारम्भ एमएमडीआर अधिनियम के प्रभाव, रॉयल्टी संरचनाओं में संशोधन, लघु खनिजों के खनन और उद्योग के भविष्य को प्रभावित करने वाले नीतिगत सुधारों पर विशेषज्ञ चर्चाओं के साथ हुआ। प्रख्यात वक्ताओं ने नियामक ढांचे के कानूनी और आर्थिक प्रभावों और विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हस्तक्षेपों पर महत्वपूर्ण विचार मंथन किया।

तकनीकी सत्रों में अपशिष्ट या निम्न-श्रेणी के अयस्कों से मैंगनीज और बॉक्साइट प्राप्त करने, निम्न-श्रेणी के लौह अयस्कों के

अमोनिया बेनीफिसिएशन और सुस्थिर खनन पद्धतियों में प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया। उद्योग विशेषज्ञों ने खनिज प्रसंस्करण में दक्षता और स्थिरता लाने वाले नवाचारों पर अपने विचार साझा किए।

विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), एनएमडीसी लिमिटेड और अध्यक्ष, एमईएआई हैदराबाद चैप्टर ने अपनी समापन टिप्पणी में उल्लेख कहा कि, आज हम इस उल्लेखनीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर यहां एकत्र हुए हैं। इस अवसर पर मैं आपके समक्ष हार्दिक रूप से कृतज्ञ एव6 आशांवित हूं। पिछले डेढ़ दिनों में, हमने गहन चर्चाएं की हैं, परिवर्तनकारी विचारों को साझा किया है, और विकसित भारत 2047 के लिए भारत के खनन क्षेत्र के भविष्य की सामूहिक रूप से कल्पना की है।भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में आत्मनिर्भरता और आर्थिक विकास को बढाने में खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उद्योग के अग्रणी व्यक्तित्वों ने नीतिगत सुधारों, अन्वेषण में वृद्धि, टिकाऊ खनन, डीकार्बोनाइजेशन, कौशल विकास और युवा प्रतिभा को आकर्षित करने की आवश्यकता पर जोर देकर सम्मेलन का एक मजबूत आधार बनाया। हालांकि भारत एक लंबे समय से बल्क मिनरल्स में अग्रणी रहा है, हमारा ध्यान अब महत्वपूर्ण और गौण खनिजों पर विस्तारित होना चाहिए, जहां हम कई वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं से पीछे हैं। इस अंतर को दूर किए बिना वास्तविक खनिज सुरक्षा प्राप्त करना एक चुनौती बनी रहेगी।एन बलराम , अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, एससीसीएल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए टिप्पणी की, राष्ट्रीय प्रगति का समर्थन करने के लिए भारत के खनन उद्योग को नवाचार और टिकाऊ नीतियों के साथ विकसित होना चाहिए। आयात पर निर्भरता कम करने और आर्थिक सुदृढता को बढ़ावा देने के लिए घरेलू खनन क्षमताओं को सशक्त करना महत्वपूर्ण है।

एनएमडीसी लिमिटेड के पूर्व निदेशक (उत्पादन), श्री पी.के. सतपथी ने कहा, भारत के औद्योगिक और बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने में खनन की भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता है। उन्नत प्रौद्योगिकी और जिम्मेदार संसाधन प्रथाओं को एकीकृत करके, हम क्रिटिकल माइनिंग क्षेत्र में भी नए अवसरों को अनलॉक कर सकते हैं।

एचसीएल के पूर्व सीएमडी श्री ए. के. शुक्ला ने कहा, भविष्य के खनन में न केवल तकनीकी संवर्द्धन शामिल है, बल्कि पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता पर भी ध्यान केंद्रित करना है। हमें सस्टेनिबिलिटी में वैश्विक बेंचमार्क प्राप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए।

एनएलसी इंडिया लिमिटेड के पूर्व सीएमडी श्री बी. सुरेंद्र मोहन सभा को संबोधित करते हुए एक बहुत ही प्रासंगिक विषय और बहुत ही सही समय के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की पहल करने के लिए एमईएआई को बधाई दी।

कार्यक्रम का समापन खनन क्षेत्र में प्रमुख पेशेवरों के योगदान की सराहना में एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें नवाचार और टिकाऊ प्रथाओं को आगे बढाने में उनकी भूमिका को मान्यता प्रदान की गई। आयोजन के दूसरे दिन, एमईएआई हैदराबाद चैप्टर ने एनएमडीसी लिमिटेड के डीआईओएम कॉम्प्लेक्स परियोजना के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय एस के वर्मा को मरणोपरांत सम्मान प्रदान किया। साथ ही श्री पी. के. सतपथी , एनएमडीसी के पूर्व निदेशक (उत्पादन); श्री ए. के. शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल), श्री बी. राम मोहन, पूर्व क्षेत्रीय खान नियंत्रक, बैंगलोर क्षेत्र, भारतीय खान ब्यूरो; श्री वी बालाकोटी रेड्डी, निदेशक बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड को खनन उद्योग में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया।

एग्जीबिशन समिति के मंत्री सुरेंद्र रेड्डी का अभिनंदन

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं रामायण मेला के महामंत्री एवं प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, रामायण मेले के संयोजक मनोज जायसवाल ने मंगलवार को समिति के महामंत्री सुरेंद्र रेड्डी इकॉनामिक कमेटी के अध्यक्ष डॉ गंगाधर राव, इकोनामिक कमेटी के राजेश्वर, एग्जिबिशन समिति के. सुकेश रेड्डी एवं शंकर लाल का बड़ी कुशलता के साथ नुमाइश जो प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिनांक 03.01.2025 से 17.02.2025 तक सफलता-पूर्वक किया। उसके लिए सभी को शॉल द्वारा अभिनंदन किया । श्री गोविंद नारायण राठी ने समिति के मंत्री सुरेंद्र रेड्डी को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। सुरेंद्र रेड्डी ने इस अवसर पर कहा कि इस बार नुमाइश काफी अच्छा रहा और तकरीबन 80 लाख लोगों ने नुमाइश में आए और इससे जो भी सोसायटी को लाभ होता है वह एग्जिबिशन द्वारा 20 से 22 कॉलेजेस चलते हैं और स्कूल भी चलता है इससे विद्यार्थियों को लाभ होता है।

आप और हम की सभा आज

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी एवं हरियाणा समाज का सशक्त संगठन आप और हम की सभा आज बुधवार 19-02-2025 को राजस्थानी स्नातक संघ हॉल आबिड्स पर सायं 7:00 बजे रखी गई है। आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि आगामी होली के अवसर पर संस्था द्वारा अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन करवाने के लिए विचार किया जा रहा है। संस्था के प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि राजस्थानी एवं हरियाणा समाज को एकत्रित करने हेतु संस्था द्वारा विभिन्न कार्यक्रम करवाए गए। सभी कार्यक्रमों की सराहना नगरवासियों ने की। इस अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन को सुचारू रूप से आयोजित करने हेतु यह सभा बुलाई जा रही है। अतः सभी सदस्यों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर अपने अमूल्य विचार रखे।

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शादी ब्याह के मौसम को ध्यान में रखते हुए हाईलाइफ द्वारा ब्राइड्स प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन मंगलवार दि. 18 फरवरी को एचाईसीसी नोवोटेल में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन हाईलाइफ के आयोजक अबे पी. डोमनिक के साथ अभिनेत्री हेबाह पटेल एवं फैशन प्रेमियों ने किया।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी हाईलाइफ ब्राइड्स में देश भर के डिज़ाइनर अपने नये कलेक्शन के साथ हिस्सा लेर हे हैं। आयोजक श्री डोमनिक ने बताया कि ब्राहड प्रदर्शनी अपनी तरह की सबसे बड़ी ब्राइडल फैशन प्रदर्शनी हैं जिसमें दुल्हनों के परिधान, आभूषण, विशेष अवसरों पर उपयोगी डिज़ाइनर वस्त्र, साड़ियाँ एवं अन्य सामग्री का व्यापक कलेक्शन विकल्पों के साथ उपलब्ध हैं। हाईलाइफ प्रदर्शनी में विवाह उत्सवों से जुड़े परिधानों एवं आभूषणों के अलावा वर-वधु के लिए विभिन्न प्रकार की विवाह उपयोगी सामग्री के स्टॉल भी स्थापित किये गये। विशेषकर आभूषणों के लिए देश भर के प्रमुख फैशन डिज़ाइनरों प्रदर्शनी में अपने डिजाइन प्रस्तुत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हाईलाइफ की ब्राइड्स प्रदर्शनी का लोगों को इंतज़ार रहता है, जहाँ वह अपने लिए आवश्यक सामग्री एक ही स्थान पर खरीद सकते हैं। विशेषकर नये एवं समकालीन फैशन को प्रतिबिंबित करने वाले परिधान एवं आभूषणों के लिए कई तरह के विकल्प खुले रहते हैं।

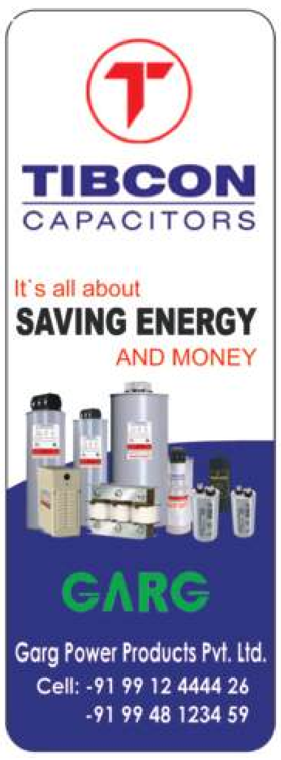

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^{0}
न्यूनतम : 22^{0}

गायत्री प्रसाद ने बीडीएल के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जी गायत्री प्रसाद ने रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के उपक्रम भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के निदेशक (वित्त) का पदभार संभाला। कार्यभार संभालने से पहले, उन्होंने बीडीएल में महाप्रबंधक (वित्त) और सीएफओ के रूप में कार्य किया है।

जी गायत्री प्रसाद नागार्जुन विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के एसोसिएट सदस्य हैं। वे 1997 में प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में बीडीएल में शामिल हुए और 27 वर्षों से अधिक के करियर में, लेखांकन और वित्तीय प्रबंधन, कराधान, उनकी व्यवहार्यता के लिए निवेश प्रस्तावों का विश्लेषण, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, बजट और लागत निर्धारण के सभी पहलुओं में व्यापक अनुभव के साथ विभिन्न क्षमताओं में कंपनी की सेवा की।

भारतीय जैन संघठना की पदमा गुगलिया, समयक गुगलिया, बेंगलुरु जैन श्रेताम्बर महिला मंडल अध्यक्षा पवित्रा नागोत्रा सोलंकी ने अयोध्याधाम मे राम लला, काशीनाथ मे भगवान शंकर के दर्शन, प्रयागराज मे पवित्र संगम स्नान आदि मे भाग लिया अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विश्वभुषनम ने उनका मंदिर की ओर से अभिनंदन किया गया।

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष में 11 दिवसीय पद यात्रा के तहत मंगलवार को पांचवें दिन भक्तों ने बहादुरपुर से श्याम मंदिर, काचीगुड़ा तक पद यात्रा की।

कविता ने लिंगमंथुला जातरा में बोनम चढ़ाया

सूर्यपेट, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने मंगलवार को भव्य पेद्दागुट्टा लिंगमंथुला स्वामी जथारा में बोनम चढ़ाया और राज्य के लोगों के कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। वह भक्तों के साथ देवता की अनुष्ठानिक पूजा में शामिल हुईं और तेलंगाना की परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, पूर्व सांसद लिंगय्या यादव और अन्य प्रमुख नेताओं के साथ, कविता ने मंदिर का दौरा किया और मंदिर और उसके आसपास के विकास के लिए 14 करोड़ रुपये के आवंटन सहित इसके विकास के लिए के चंद्रशेखर राव के कार्यकाल के दौरान किए गए योगदान को याद किया। राज्य इसे सम्मक्का सरक्का जथारा के बाद तेलंगाना में दूसरे सबसे बड़े उत्सव के रूप में आयोजित कर रहा है। कविता ने तेलंगाना की परंपराओं को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला और सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उत्सव में भाग लेने वाले भक्तों को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएं।

खम्मम में मिर्च बोर्ड स्थापित करने की मांग जोर पकड़ी

खम्मम, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। खम्मम में मिर्च बोर्ड स्थापित करने की मांग जोर पकड़ रही है, किसान और किसान संघ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि मिर्च किसानों के लाभ के लिए केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए। मिर्च अब भारतीय मसाला बोर्ड के दायरे में आने वाले 52 मसालों में से एक है, जिसका मुख्यालय कोच्चि, केरल में है। यह दुनिया भर में भारतीय मसालों के विकास और प्रचार के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है।

लेकिन यहां के किसान संघों का मानना है कि मिर्च किसानों के लिए बोर्ड ने कुछ खास नहीं किया है, क्योंकि इसका ध्यान अन्य मसालों पर ज्यादा है। नतीजतन, मिर्च किसान, जब अपनी उपज बेचते हैं, तो व्यापारियों की दया पर होते हैं, जिन पर लाभकारी मूल्य की पेशकश के मामले में किसानों का शोषण करने का आरोप है।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए, सीपीआई (एम) तेलंगाना रायथु संघम के जिला सचिव बोंथु रामबाबू ने कहा कि खम्मम और आसपास के जिलों में भारत में मिर्च की खेती के तहत सबसे ज्यादा जमीन है। तेलंगाना के खम्मम, कोठागुडेम, सूर्यपेट, महबूबाबाद और पड़ोसी आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में करीब दो लाख एकड़ में मिर्च की खेती की जाती है। उन्होंने बताया कि मिर्च बोर्ड की स्थापना से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिर्च की मांग के अनुसार मिर्च की खेती के लिए भूमि की सीमा का पूर्व आकलन करने में मदद मिल सकती है। इसी तरह यह मौसम प्रतिरोधी बीजों के विकास, लाभदायक मूल्य निर्धारण, उचित बाजार समर्थन और आवंटन निधि में भी मदद करता है।

उन्होंने कहा कि इस साल मिर्च की कीमतों में गिरावट के कारण सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपज को राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) और तेलंगाना सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (टीजी मार्कफेड) के माध्यम से खरीदा जाए। रामबाबू ने कहा कि इस साल कीटों के प्रकोप के कारण उपज में कमी आई है और कीमतों में गिरावट के कारण किसान आत्महत्या कर रहे हैं। फिर भी, केंद्र और राज्य सरकारें कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही हैं।

उन्होंने मांग की कि सरकारों को मिर्च का मूल्य 25,000 रुपये प्रति क्विंटल तय करना चाहिए। सीपीआई नेता बी हेमंत राव ने कहा कि इस साल मिर्च की कीमत पिछले साल के मुकाबले आधी रह गई है जबकि निवेश दोगुना हो गया है। समस्या का समाधान तभी हो सकता है जब यहां मिर्च बोर्ड की स्थापना हो। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य निवेश के आधार पर तय होना चाहिए।

भाजपा, शिवसेना ने कथित तुष्टीकरण के लिए तेलंगाना सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना ने तेलंगाना सरकार द्वारा मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के पवित्र महीने में जल्दी दफ्तर छोड़ने की अनुमति दिए जाने को तुष्टीकरण करार दिया है। भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कि तेलंगाना में तुष्टीकरण की राजनीति अपने चरम पर है। तेलंगाना सरकार रमजान के लिए जल्दी छुट्टी देती है, लेकिन हिंदू त्योहारों को नजरअंदाज करती है। सभी के लिए समान अधिकार, या किसी के लिए नहीं, हैदराबाद में गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राजा सिंह ने लिखा कि एकीकृत आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बीआरएस शासन के तहत अपनाई गई प्रथा को जारी रखते हुए, कांग्रेस सरकार ने एक आदेश जारी कर मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के पवित्र महीने में जल्दी दफ्तर छोड़ने की अनुमति दी, जो मार्च की शुरुआत में शुरू होता है।

मुख्य सचिव शांति कुमारी ने 15 फरवरी को एक आदेश जारी कर मुस्लिम कर्मचारियों को पवित्र महीने में एक घंटा पहले दफ्तर छोड़ने की अनुमति दी।

सरकारी आदेश में कहा गया है, सरकार राज्य में कार्यरत सभी मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों/ शिक्षकों/ अनुबंध/ आउट-सोर्सिंग/ बोर्ड/ निगमों और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को रमजान के पवित्र महीने के दौरान शाम 4 बजे अपने कार्यालयों/स्कूलों से बाहर निकलने की अनुमति देती है, यानी 02-03-2025 से 31-03-2025 तक (दोनों दिन सम्मिलित) आवश्यक प्रार्थना करने के लिए, सिवाय जब उपरोक्त अवधि के दौरान सेवाओं की अनिवार्यता के कारण उनकी उपस्थिति आवश्यक हो।

इस बीच, शिवसेना नेता शाइना चूडासमा मुनोत ने कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, तेलंगाना सरकार तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त है। हम तुष्टिकरण में विश्वास नहीं करते। हम सभी के लिए न्याय और किसी का तुष्टिकरण नहीं करने में विश्वास करते हैं। आप समाज के वर्गों का तुष्टिकरण क्यों कर रहे हैं? विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने भी तेलंगाना सरकार पर निशाना साधा।

आइज़ा में श्री टीका वीरेश्वर स्वामी रथोत्सव का भव्य उत्सव आयोजित

गडवाल, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वार्षिक श्री टिक्का वीरेश्वर स्वामी रथोत्सव 17 तारीख की मध्य रात्रि को भव्यता के साथ मनाया गया, जिसमें कई राज्यों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। रथ उत्सव सुबह 12:00 बजे शुरू हुआ, जिसमें श्री टिक्का वीरेश्वर स्वामी मंदिर से भव्य जुलूस शुरू हुआ और श्री अंजनेया स्वामी मंदिर की ओर बढ़ा। भक्तों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया, नीराजनम (आरती) की पेशकश की और कोलट्टम (पारंपरिक छड़ी नृत्य) किया। पूरा मार्ग जीवंत रोशनी से जगमगा रहा था, जबकि हवा बैंड संगीत की धुनों और रात के आसमान में पटाखों की आवाज़ से गूंज रही थी।इस उत्सव का एक मुख्य आकर्षण नंदी कोला सेवा थी, जो एक पारंपरिक प्रसाद है, साथ ही विभिन्न लोक कला प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आतिशबाजी के विशेषज्ञ विशेषज्ञों को भव्य आतिशबाजी प्रदर्शन आयोजित करने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों से श्रद्धालु इस पवित्र आयोजन में शामिल हुए, जिससे यह आध्यात्मिक रूप से समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से जीवंत उत्सव बन गया। इस उत्सव ने क्षेत्र में श्री टिक्का वीरेश्वर स्वामी से जुड़ी गहरी परंपराओं और धार्मिक उत्साह की पुष्टि की।

शेयर मार्केट

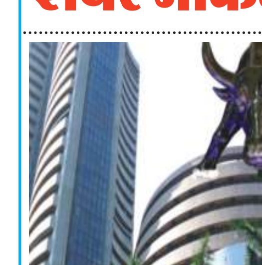

बीएसई : 75,967.39
-29.47 -0.04% ↓
एनएसई :22,945.30
-14.20 (-0.06%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 86,950/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,08,990/- (प्रति किलोग्राम)

22वाँ वसंतोत्सव कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 18 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाकवि निराल जयंती के संदर्भ में नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में 22वाँ वसंतोत्सव कवि सम्मेलन, निराला जयंती व्याख्यान और निराला सम्मान समारोह नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री बृहस्पति शर्मा की अध्यक्षता में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। पूर्व न्यायाधीश श्री ठाकुर गोपाल सिंह, श्री अमृत कुमार जैन, जनाब सलाहुदीन नय्यर, राजेश सिंह वर्मा, श्री श्रुतिकांत भारती आदि मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि और सम्माननीय अतिथि के रूप में मंच पर विराजमान थे। कार्यक्रम के आरंभ में माँ सरस्वती की पूजा और दीप प्रज्वलित किया गया। कवयित्री श्रीमती विजयलक्ष्मी बस्वा ने अपनी समधुर वाणी में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया और गीत चाँदनी की सक्रिय गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह गीत चाँदनी का 44वाँ वर्ष चल रहा है। कवि गोविंद अक्षय ने महाकवि निराला की विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि कविता में बहुत बड़ी शक्ति है जिससे जीवन पथ पर भटकते हुए मनुष्य को हर क़दम पर जीवन संघर्ष की प्रेरणा प्राप्त होती है। समारोह में महाकवि निराला के जीवन दर्शन और साहित्य पर इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) हैदराबाद के प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पीएसयू) के सदस्य सचिव डॉ. राजनरायण अवस्थी अपने विचार प्रस्तुत प्रस्तुत करते हुए कहा कि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के इतिहास में एक युगांतकारी कलाकार के रूप में प्रस्तुत हुए। वे हिंदी के एक महान् कवि थे। उन्होंने भाव, भाषा, शैली, छंद आदि सभी को नवीन दिशा प्रदान करने में योगदान दिया। वे नवीनता और स्वतंत्रता के गायक थे। उन्होंने आगे कहा कि निराला के काव्य में भावपक्षीय सबलता एवं प्रौढ़ता के दर्शन होते हैं। निराला एक बहुपक्षीय प्रतिभा संपन्न साहित्यकार थे। विषयों की विविधता तथा नवीन प्रयोगों की प्रचुरता इनके काव्य की मुख्य विशेषता थी।

मुख्य अतिथि व पूर्व न्यायाधीश ठाकुर गोपाल सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के छायावादी युग के प्रमुख कवियों में से एक थे। वे एक कवि, लेखक, संगीतकार और स्केच कलाकार भी थे। उनकी कीर्ति का आधार सरोज-स्मृति, राम की शक्ति-पूजा और कुकुरमुत्ता जैसी लंबी कविताएँ हैं जो उनके प्रसिद्ध गीतों और प्रयोगशील कवि कर्म के साथ-साथ रची जाती रही।

इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता गीत चाँदनी के अध्यक्ष श्री चंपालाल बैद ने की, जिसमें नगरद्वय के वरिष्ठ एवं प्रमुख कवियों के साथ-साथ युवा कवि और कवयित्रियों ने काव्य पाठ कर महाकवि निराला को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में नगरद्वय के गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। संयोजिका रत्नकला मिश्र के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जे सी आई सिकन्द्राबाद पैराडाइज़ की मासिक बैठक कृषि गार्डन सिकंदराबाद में आयोजित की गई। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सबीना मेदूर्य, सचिव श्वेता गुप्ता के अलावा संस्था की सभी सदस्यों ने एकमत से ..हर दिन प्रेम दिवस के रूप में.. के विषय पर गहन चर्चा की। बैठक में पधारे सभी सदस्यों का स्वागत सुमन गुप्ता ने किया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.: LGD/L/09/2024-25/OT दि.: 17.02.2025 PUB/0178

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत उप मुख्य विद्युत अभियंता/यूजीओएस द्वारा निविदा संख्या LGD/L/09/2024-25/OT-ई-निविदा-समापन तिथि 11.03.2025 को 11:00 बजे के विरुद्ध ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता अपनी मूल संशोधित बोलियां केवल समापन तिथि और समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के विरुद्ध मैन्युअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी भी ऐसे मैन्युअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

इस निविदा के विरुद्ध बयाना राशि (बोली सुरक्षा) के रूप में भुगतान करने के लिए ठेकेदारों को या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद जमा करना होगा या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा करना होगा या निविदा दस्तावेजों में उल्लेख करना होगा। बैंक गारंटी बांड अनुलग्नक-तख के अनुसार होगा और बोली वैधता अवधि से 60 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में दर्शाए अनुसार नामित अधिकारी को बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि के 5 कार्य दिवसों के भीतर व्यक्तिगत रूप से सौंपी जानी चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बोली के साथ बी.जी. की स्कैन की गई प्रति जमा न करने और/या निर्दिष्ट अवधि के भीतर मूल बी.जी. जमा न करने पर बोली को सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा।

1.**निविदा सं.:** LGD/L/09/2024-25/OT **कार्य का विवरण:** कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा में नॉन-एसी आरए कोचों में फ्लेमलेस कुकिंग की व्यवस्था। **विज्ञापित मूल्य** (रु.) 4484780 (चंवालीस लाख चौरासी हजार सात सौ अस्सी रुपए मात्र) **बोली सुरक्षा** (रु.) 89,700/- **पूरा करने की अवधि : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि** : 24 महीने **समापन की तिथि**: 11.03.2025 को 11:00 बजे।

वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in पर देखें

नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है – उप मुख्य विद्युत इंजीनियर का कार्यालय, कैरिज वर्कशॉप। लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

आगे की निविदा शर्तों/विवरणों (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) और निविदा दस्तावेजों, शुद्धिपत्र को डाउनलोड करने के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, सीडब्ल्यूएस लालागुडा सिकंदराबाद

खुली ई-निविदा सूचना सं. बी/ई. ईजीएस/13/2024-25 दि. 18.02.2025 PUB/0179

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरित द्वारा दिनांक को 15-00 बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित है:

1. **निविदा सं.** बी/ई. ईजीएस/13/2024-25 डी1.18.02.2025 **कार्य का नाम:** बीजेडए डिवीजन:- बीजेडए डिवीजन में थर्मोप्लास्टिक पॉलीकार्बोनेट जंक्शन बॉक्स के साथ मौजूदा दोषपूर्ण जंक्शन बॉक्सों का प्रतिस्थापन और उन्नयन। **पूरा करने की अवधि:** 10 महीने। **निविदा मूल्य:** (रु.) 56.92800/- **पूधरा/बोली सुरक्षा** (रु.) 1,11,900/- **निविदा दस्तावेज की लागत:** शून्य. **समापन तिथि:** 12.03.2025

1) संभावित निविदाकर्ताओं को निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किसी भी निविदा के लिए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र को नोट करने की सलाह दी जाती है।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), विजयवाड़ा
A0232

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

शुभ लाभ -Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-762979M,Rank-SUB Name- Prem Kumar R/o Faridapur, Dist-Patna, PIN-801113, State- Bihar, I have changed my Mother name from SITAPATI DEVI to SITA PATI DEVI add in my service documents Affidavit dated 17/02/2025 before Notary G Ramchander Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-JC-780453H,Rank-Nb Sub,Name-Ravi Shankar Mishra R/o Ward No-2 Baniya Colony Sidhi,PO-Sidhi,Teh- Gopad Banas,Dist-Sidhi, PIN-486661 State- Madhya Pradesh ,I have changed my Mother name from SUMITRA MISHRA to SUMINTRI MISHRA add in my service documents Affidavit dated 22/01/2025.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No. JC 733574Y Sub VINOD SINGH of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Daughter Name is changed from ARTI to AARTI KUMARI and my Father Name & D.O.B is Changed from KIRANA SINGH & 20/02/1954 to KIRAN & 01/01/1952

CHANGE OF NAME
I, LEENA AV spouse of Service No NTR-16703L Lt Col MANOJ KV, R/o.Kottara Veetil, Weavers Street, Payyanur, Kannur, Kerala-670307 have changed my name from LEENA AV to LEENA MANOJ vide affidavit dt:18-2-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

मिताली राज ने आरसीबी की धमाकेदार जीत को सराहा कहा–पहले ओवर से ही खेल पर कर लिया था नियंत्रण

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वडोदरा में खेले गए महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम और कप्तान स्मृति मंधाना के बेहतरीन प्रदर्शन ने अहम भूमिका निभाई।

पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने आरसीबी के इस प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पहले ओवर से ही खेल पर पकड़ बना ली थी। जियो हॉटस्टार पर मिताली ने कहा, जब रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में शैफाली वर्मा को आउट किया, तभी से आरसीबी ने खेल पर नियंत्रण कर लिया। स्मृति मंधाना ने बेहतरीन कप्तानी की और उनके गेंदबाजी बदलावों का असर साफ दिखा। उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दी।

आरसीबी की दमदार गेंदबाजी, दिल्ली 141 पर ऑलआउट – आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दिल्ली कैपिटल्स को पहला झटका पारी की पहली ही गेंद पर लगा, जब शैफाली वर्मा (0) रेणुका सिंह की गेंद पर स्मृति मंधाना को कैच दे बैठीं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स (34) और कप्तान मेग लैनिंग (17) ने 60 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन जॉर्जिया वेयरहम ने जेमिमा को स्टंप आउट कर दिल्ली को दूसरा झटका दिया।

दिल्ली की पारी 19.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई। रेणुका सिंह और जॉर्जिया वेयरहम ने दो–दो विकेट झटके, जबकि किम गर्थ और अन्य गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

स्मृति मंधाना की विस्फोटक पारी, आरसीबी की आसान जीत – 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की सलामी जोड़ी ने दमदार शुरुआत की। कप्तान स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 81 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल थे। डैनी व्याट (42) ने भी शानदार योगदान दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी की। इस जीत के साथ आरसीबी दो मैचों में दो जीत के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई, जबकि दिल्ली तीसरे स्थान पर खिसक गई।

न्यूज ब्रीफ

जोकोविच ने वापसी करते ही वर्डास्को के साथ हासिल की धमाकेदार जीत

दोहा। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने पहले मुकाबलड्डे में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को के साथ जोड़ी बनाकर कतर ओपन के युगल वर्ग के पहले दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव को सीधे सेटों में 6–1, 6–1 से हराया। यह मुकाबला महज 48 मिनट तक चला, जिसमें 41 वर्षीय वर्डास्को और 37 वर्षीय जोकोविच की जोड़ी पूरी तरह हावी रही। वर्डास्को इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास लेने वाले हैं, और यह जीत उनके करियर के अंतिम चरण में एक खास उपलब्धि रही। जोकोविच को पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ खेलते हुए बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें मैच से रिटायर होना पड़ा था। अब पूरी तरह फिट होकर कोर्ट पर वापसी करने वाले जोकोविच और वर्डास्को का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश–फिनिश जोड़ी हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा से होगा।

भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी : क्लार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम इस बार आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलास एकदिवसीय सीरीज में शानदार शतक लगाने के साथ ही फार्म में आ गये हैं और वह इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाएंगे। भारतीय टीम को हालांकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम से बाहर होने के कारण ट्रॉफ का कमजोर दावेदार माना जा रहा है पर क्लार्क इससे सहमत नहीं हैं। क्लार्क का मानना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान और दुबई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब को जीतने में कामयाब होगी। इस पूर्व बल्लेबाज ने ये भी कहा है कि रोहित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3–0 से हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई नजर आ रही है। रोहित ने इस दौरान कटक में खेले गए मैच में 90 गेंद में 119 रन की आक्रामक पारी खेली थी। पिछले कुछ महीनों से खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 122 रन बनाए। क्लार्क ने कहा कि रोहित को रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा और उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की ओर से अहम भूमिका निभाएंगे। माइकल क्लार्क ने कहा, मैं कहा है कि भारतीय टीम ट्रॉफी जीतेगी क्योंकि रोहित ने लय हासिल कर ली है। उसको पिछली सीरीज में रन बनाते हुए देखकर अच्छा लगा। मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर भारत को उसकी जरूरत है। साथ ही कहा कि बुमराह के बाहर होने से अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा के अलावा वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा गेंदबाजों के पास अपनी क्षमताएं दिखाने का अच्छा अवसर है।

सीएसके के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेलेंगे पांड्या

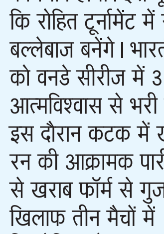

मुम्बई। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस का पहला मुकाबला 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। मुम्बई के कप्तान हार्दिक पांड्या हालांकि इस मैच में नहीं खेल पायेंगे। इसका कारण उनपर पिछले सत्र में लगा एक मैच का निलंबन है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव पहले मैच में मुम्बई की कप्तानी करते दिख सकते हैं। मुंबई इंडियंस का पिछले सत्र में प्रदर्शन काफी खराब रहा था। तब हार्दिक पांड्या पर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ हुए अंतिम ग्रुप स्टेज मैच के बाद धीमी ओवर गति के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था और इसी कारण आईपीएल 2025 में फ्रेंचाइजी के पहले मैच से भी निलंबित कर दिए गए थे। सीजन में तीसरी बार मुम्बई ओवर गति से पीछे रहा, जिसके कारण उनके कप्तान पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया। यही वजह है कि वह इस बार पहले मैच में हार्दिक खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। हालांकि उनकी जगह टीम की कमान किसे मिलेगी, इसके बारे में फ्रेंचाइजी ने अभी घोषणा नहीं की है पर माना जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव हार्दिक की जगह टीम की कमान संभाल सकते हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टी20 टीम के कप्तान भी हैं। सीसीआई ने रविवार आईपीएल के 18वें सीजन का शेड्यूल जारी किया। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में 13 स्थानों पर कुल 74 मैच खेले जायेंगे।

चेन्नई में 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का हुआ भव्य आगाज

चेन्नई, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सोमवार को 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भव्य शुरुआत हुई। तमिलनाडु सरकार के समर्थन से आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन 20 फरवरी को होगा। इस चैंपियनशिप में देशभर से 1,476 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया है, जो 30 टीमों के तहत 155 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस इवेंट को देश की सबसे बड़ी पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में से एक माना जा रहा है।

प्रतियोगिता में देश के शीर्ष पैरा–एथलीटों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिनमें टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल (भाला फेंक स्न64), मरियप्पन थंगावेलु (ऊंची कूद ञ्र63) और नवदीप सिंह (भाला फेंक स्न41) जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं।

यह आयोजन भारतीय पैरालंपिक समिति और तमिलनाडु पैरालंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त प्रयासों से हो रहा है। पीसीआई अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया ने इस चैंपियनशिप को भारतीय पैरा एथलेटिक्स के लिए एक नया मील का पत्थर बताते हुए कहा,

चेन्नई में यह चैंपियनशिप पैरा खेलों के लिए नए मानक स्थापित करेगी। 155 स्पर्धाओं में 1,476 एथलीटों की प्रतिस्पर्धा यह दर्शाती है कि भारत में पैरा खेलों की लोकप्रियता और प्रतिस्पर्धात्मकता तेजी से बढ़ रही है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और समावेशिता की प्रतिबद्धता के साथ, हम भारतीय पैरा एथलेटिक्स के एक नए युग की ओर बढ़ रहे हैं।

चैंपियनशिप के सफल आयोजन में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि यह इवेंट देश में पैरा स्पोर्ट्स को और मजबूत करेगा और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नए सितारों को तैयार करेगा।

बुमराह के नहीं होने से बांग्लादेश के पास जीत हासिल करने का अवसर : कायेस

दुबई। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज इमरूल कायेस को उम्मीद है कि इस बार भारतीय टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। कायेस का मानना है कि ऐसे में उनकी टीम के पास 20 फरवरी को होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी मैच में जीत हासिल करने का अच्छा मौका है। कायेस के अनुसार इस मैच में बांग्लादेशी बल्लेबजा भारतीय गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बना सकते हैं। कायेस ने कहा, 'भारतीय टीम काफी मजबूत है और उसके पास बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण और बल्लेबाजी क्रम है पर इस बार बुमराह टीम में नहीं है। हम सभी को पता है कि पिछले दो साल में उसने भारतीय क्रिकेट के लिये क्या किया है। उसकी गैर मौजूदगी से बांग्लादेश को लाभ मिलेगा। बुमराह की गैर मौजूदगी में मोहम्मद शमी के पास भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान होगी जिसमें हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। कायेस ने कहा, 'शमी की वापसी बड़ी बात है पर वह इस समय फिटनेस समस्या से जूझ रहा है हालांकि लय हासिल करने पर वह बांग्लादेश के लिये खतरनाक साबित हो सकता है। बांग्लादेश टीम में इस बार अनुभवी हरफनमौला शाकिब अल हसन और विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास नहीं हैं। कायेस ने कहा, 'मुझे शाकिब की कमी खलेगी क्योंकि वह शानदार खिलाड़ी है। किसी भी मैच में उसका योगदान काफी रहता है।

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस पहली जीत के लिए उतरेगी

नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

मुम्बई इंडियंस यहां प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। पहले मुकाबले में मिल हार के बाद उतर रही मुंबई की टीम इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगाना चाहेगी। वहीं गुजरात के लिये पहले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशले गार्डनर इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी।

मुंबई इंडियंस का लक्ष्य जायंट्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन रहेगा। दिल्ली कैपिटल्स से आखिरी गेंद पर मिली हार के बाद भी नेट स्किवेर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस मैच में सलामी बल्लेबाज यास्तिका भाटिया से भी टीम को बड़े स्कोर भी उम्मीद रहेगी।

अब तक के मैचों में कप्तान हरमनप्रीत कौर को मध्यक्रम में साथ नहीं मिल पाया जिससे मुंबई इंडियंस को हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा ,'' जीत के लिए हमें पूरे ओवर खेलने के साथ ही पारी के अंत तक टिके रहना होगा। साथ ही कहा कि हमारे बल्लेबाजों को जिम्मेदारी के साथ खेलना होगा।''

दोनों टीमों का दल :

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अक्षिता माहेश्वरी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, अमेलिया केर, क्लो ट्रायॉन, हेले मैथ्यूज, जिन्तिमनी कलिता, कीर्तना बालाकृष्णन, नादिन डी क्लर्क, नताली साइवर–ब्रंट, परुनिका सिसौदिया, सजीवन सजना, संस्कृति गुप्ता, जी कमलिनी (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), सैका इशाक, शबनम इस्माइल।

गुजरात जायंट्स: एशले गार्डनर (कप्तान), भारती फुलमाली, लौरा वोल्वार्ड्ट, फोएबे लिचफील्ड, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन, दयालन हेमलता, डींड्रा डॉटिन, हरलीन देयोल, सयाली सतघरे, तनुजा कंवर, बेथ मूनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, मन्नत कश्यप, मेघना सिंह, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा, शबनम शकील।

बिहार में अगले माह होगा सेपक टाकरा विश्वकप

बिहार पहली बार 'सेपक टाकरा विश्वकप की मेजबानी करने जा रहा है। ये विश्वकप अगले माह 20 से 25 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 देशों की टीमें लेंगी। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होगाहै। इस आयोजन को लेकर सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक करार भी हुआ है। हार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सेपक टाकरा वर्ल्ड कप का आयोजन बिहार में पहली बार हो रहा है यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। बिहार को इस प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर देने के लिए सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया का हम आभार जताते हैं। साथ ही इसके सफल आयोजन का भरोसा देते हैं।

ला लीगा : बार्सिलोना विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा में शीर्ष पर लौटा

मैड्रिड, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

एफसी बार्सिलोना ने सोमवार रात को रेयो वैलेकैनो पर 1–0 की संकीर्ण और विवादास्पद जीत के साथ ला लीगा के शीर्ष स्थान पर वापसी की। बार्सा के लिए एकमात्र गोल रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी के जरिए किया, लेकिन मैच में कई विवादास्पद फैसले देखने को मिले, जिनमें रेयो की पेनल्टी अपील की अनदेखी और एक संदिग्ध ऑफसाइड के चलते उनका गोल खारिज किया जाना शामिल था।

लेवांडोव्स्की ने पेनल्टी से दिलाई बढ़त

पहले हाफ में बार्सिलोना ने अधिक आक्रमण किए, जिसमें लेवांडोव्स्की और रफिन्हा के प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। हालांकि, 27वें मिनट में बार्सा को पेनल्टी मिली, जब रेयो के पाथे सिस को इनिगो मार्टिनेज को रोकने के लिए दोषी ठहराया गया। रेयो के गोलकीपर ऑगस्टो बटाला ने गेंद को पकड़ लिया था, लेकिन रेफरी मेलेरो लोपेज़ ने फाउल करार देते हुए पेनल्टी दी, जिसे लेवांडोव्स्की ने गोल में बदलकर बार्सा को बढ़त दिला दी।

रेयो की पेनल्टी अपील और ऑफसाइड विवाद

मैच में रेयो के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसलों पर नाराजगी जताई। पेनल्टी से पहले अब्दुल मुमिन पर हेक्टर फोर्ट के स्पष्ट शर्ट–पुल को नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं, पहले हाफ के अंत में जॉर्ज डे फ्रुटोस का गोल ऑफसाइड करार देकर खारिज कर दिया गया, जबकि रिप्ले में दिखा कि रैंडी एनकेटा, जिन्हें ऑफसाइड बताया गया था, गोल में कोई भूमिका नहीं निभा रहे थे।

दूसरे हाफ में रोमांच और रेयो की कोशिशें नाकाम

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। रेयो के लिए वोज्शिएक स्ज़ेसनी ने शानदार बचाव किए, जबकि बार्सा के दानी ओलमो का प्रयास भी गोलकीपर बटाला के शानदार बचाव के कारण नाकाम रहा। चोट समय में जॉर्ज डे फ्रुटोस के पास बराबरी का मौका था, लेकिन वह एड्रियन एम्बार्बा के क्रॉस को सही ढंग से हेडर में बदलने में नाकाम रहे। इस जीत के साथ बार्सिलोना गोल अंतर के आधार पर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि रेयो की नौ मैचों से चली आ रही अजेय लय टूट गई।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के लिए तैयार की गयीं नई पिचें

दुबई, 18 फरवरी (एजेंसियां)।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के दुबई पहुंचते ही पिचें बदल दी गयी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि भारत को खराब पिचें नहीं मिलेंगी। भारतीय टीम अपने तीनो लीग मैच दुबई में ही खेलेगी। इसी को देते हुए भारत के लीग मैचों के लिए दो नई पिचें तैयार रखी गई हैं। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं 2 मार्च को उसे न्यूजीलैंड से ग्रुप स्तर का मुकाबला खेलना है। तीनों मुकाबले दुबई में होंगे। यहां पिछले एक महीने में पुरुष अंडर–19 एशिया कप और जनवरी–फरवरी में आईएलटी 20 लीग हुआ है। इसी को देखते हुए आशंका जाहिर की जा रही थी कि भारत को खराब पिचें मिलेंगी पर ऐसा नहीं है।

आईएलटी 20 0 के दौरान इस मैदान पर दो नॉकआउट खेलों सहित 15 मैच हुए। वहीं कहा जा रहा है कि स्टेडियम की दस पिचों में से दो को लीग के दौरान इस्तेमाल नहीं किया गया। ताकि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहे। नई पिचें बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार साबित होंगी। दुबई की पिच ऐतिहासिक रूप से तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल रही है। तेज गेंदबाजों को यहां मूवमेंट और बाउंस मिलता रहा है।

पिता के निधन के कारण दक्षिण अफ्रीका लौटे भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मॉर्कल

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्कल पिता के निधन के कारण दक्षिण अफ्रीका लौट गये हैं। इस प्रकार चैम्पियंस ट्रॉफी शुरु होने से पहले ही भारतीय टीम को एक झटका लग गया है। भारतीय टीम अपना पहला मुकाबला 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलेगी। पिछले साल सितंबर में गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद ही मॉर्कल को गेंदबाजी कोच बनाया गया था। उनके आने के बाद भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के टीम में नहीं होने से कोच के तौर पर उनकी भूमिका और भी अहम हो गयी है। वह टीम के पहले अभ्यास सत्र में भी शामिल हुए थे। भारतीय टीम जब अपने दूसरे अभ्यास सत्र में भाग ले रही थी तब तक वह स्वदेश वापस लौट गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार पिता के निधन की खबर मिलते ही वह अपने घर दक्षिण अफ्रीका रवाना हो गए, वह कब वापस आयेंगे कहा नहीं जा सकता। ऐसे में भारतीय टीम के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में गेंदबाजी कोच रहेगा या नहीं ये अभी पता नहीं चला है।

केरल हाईकोर्ट के जज ने खारिज किया महात्मा गांधी का आइडिया

गांधी का ग्राम स्वराज आइडिया खत्म होना चाहिए : जस्टिस मुश्ताक

तिरुअनंतपुरम, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट के जज जस्टिस ए मुहम्मद मुश्ताक ने कहा है कि महात्मा गांधी का दिया हुआ गांव स्वराज का आइडिया अब प्रासंगिक नहीं रहा। इसे खत्म किए जाने की जरूरत है। जस्टिस मुश्ताक ने व्यवस्था के केंद्रीकरण की वकालत की। जस्टिस मुश्ताक ने केरल सरकार के बनाए कानून को लेकर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए यह बात कही। महात्मा गांधी को अप्रासंगिक बताने वाले जज के बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई संज्ञान नहीं लिया। जबकि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के वक्तव्य पर सुप्रीम कोर्ट ने बवाल मचा दिया जो उन्होंने एक विचार गोष्ठी में दिया था। जस्टिस शेखर यादव ने मुसलमानों को कुंठाओं और रूढ़ियों से बाहर

जस्टिस शेखर यादव पर गुस्साने वाला सुप्रीम कोर्ट जस्टिस मुश्ताक पर चुप

आने की सलाह दी थी। इसके लिए उन्होंने सती प्रथा का संदर्भ भी बताया था, जिस रूढ़ि को हिंदुओं ने वर्षों पहले त्याग दिया। जस्टिस शेखर यादव पर जांच बिठा दी गई और उनसे माफी मांगने का दबाव बनाया गया। लेकिन उन्होंने माफी मांगने से साफ-साफ मना कर दिया और अपने वक्तव्य पर टिके रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के जस्टिस ए मुहम्मद मुश्ताक की विवादास्पद टिप्पणी पर चुप्पी साध रखी है। केरल हाईकोर्ट के जस्टिस ए मुहम्मद मुश्ताक ने सोमवार 17 फरवरी को कहा, मेरा निजी विचार है कि गांधी जी ने जिस तरह के गांव की कल्पना की थी, जिसे अब संवैधानिक रूप दे दिया गया है। उसे खत्म कर देना चाहिए क्योंकि वह अब बिल्कुल प्रासंगिक नहीं है और उससे शासन में ज्यादा कठिनाइयां आ रही हैं। जस्टिस मुश्ताक ने कहा, उस समय केवल छोटी-छोटी चीजें किए जाने की जरूरत थी। लेकिन स्थानीय अधिकारियों के लिए चुनौती अब बहुत बड़ी है। शहरों की प्लानिंग एक बड़ी चुनौती है। कचरे का प्रबंधन एक और बड़ी चुनौती है। इसे स्थानीय स्तर पर नहीं किया जा सकता। हमारे पास वह कानून है लेकिन इन सब मामलों के लिए एक केंद्रीकृत प्राधिकरण होना चाहिए।

जस्टिस मुश्ताक ने कहा कि छोटी छोटी ग्राम पंचायतें सब काम करने में सक्षम नहीं हैं, ऐसे में केंद्रीकृत व्यवस्थाओं की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब चुनौतियों को देखते हुए एक संस्था बननी चाहिए, जो पूरे जिले का प्रबन्धन करें।उन्होंने कहा कि अत्यधिक विकेंद्रीकरण से अब नुकसान हो रहा है। जस्टिस मुश्ताक ने कहा, उस समय गांधीजी ने ग्राम स्वराज के माध्यम से छोटे-छोटे मुद्दों को सुलझाने की परिकल्पना की थी। अब यह बदल चुका है, हमें इन चीजों को बदलने की जरूरत है। प्रशासन एक बड़ी चुनौती बन चुका है और देश के बाकी हिस्सों में भी सुधारों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि 1950 में जैसी चीजों की कल्पना की गई थी, उसे 2025 में भी वैसे ही किया जाए। जस्टिस मुश्ताक ने कहा कि इस पंचायती व्यवस्था के चलते राजस्व का संग्रह भी प्रभावित हो रहा है। यह सारी टिप्पणियां उन्होंने केरल सरकार की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए की।

केरल की सरकार ने नगर निकायों और पंचायतों को लेकर दो कानून बनाए थे, जिन्हें केरल हाईकोर्ट की एक बेंच ने 2024 में असंवैधानिक बता दिया था। इसके अलावा कोर्ट ने नगर निकायों के विस्तारीकरण को भी रद्द कर दिया था। इसके खिलाफ ही राज्य सरकार दोबारा हाईकोर्ट पहुंची थी।

कांग्रेस और वामपंथी नेताओं की मौजूदगी में हुआ राष्ट्र विरोधी कृत्य

हमास और हिजबुल्लाह के पोस्टरों के साथ केरल में निकला जुलूस

पलक्कड़, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केरल की वामपंथी सरकार इस्लामिक कट्टरपंथ को बढ़ावा देने की हरकतों से बाज नहीं आ रही है। पलक्कड़ में एक सालाना उर्स के मौके पर हमास-हिज़बुल्लाह जैसे कुख्यात आतंकी संगठनों के नेताओं की तस्वीरों के साथ बाकायदा जुलूस निकाला गया। इज़राइल द्वारा मारे गए हमास और हिजबुल्लाह आतंकी कमांडरों के पोस्टर लेकर प्रदर्शनकारी हाथियों पर सवार होकर जुलूस में शामिल। जुलूस में इन आतंकियों के समर्थन में खुलेआम नारे लगाए गए। इस राष्ट्र विरोधी हरकत पर राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की और भारत सरकार ने भी इस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

केरल के पलक्कड़ स्थित त्रिथला में रविवार 16 फरवरी की शाम हजारों लोगों की भीड़ के बीच एक जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में युवाओं ने हाथियों पर चढ़कर आतंकवादी कमांडरों याह्या सिनवार, इस्माइल हानिया और हसन नसरल्लाह के पोस्टर लहराए। इन तीनों को ही इज़राइल ढेर कर चुका है। इस आयोजन में कांग्रेस नेता वीटी बालाराम और केरल की वामपंथी सरकार के मंत्री और सीपीआईएम नेता एमबी राजेश भी मौजूद थे। इस्लामी कट्टरता को बढ़ावा देने का यह मामला गरमाया हुआ है। भाजपा ने इस घटना को लेकर कांग्रेस और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने इस घटना को चौंकाने वाला बताते हुए कहा कि केरल में इस्लामी कट्टरता को खुलेआम बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले में आयोजकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और जाँच की जाए कि इस तरह की घटनाओं के पीछे कौन लोग हैं।

इस पूरे विवाद के बीच कांग्रेस नेता वीटी बालाराम ने कहा कि त्रिथला उर्स किसी मजहबी आयोजन से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह एक सार्वजनिक सांस्कृतिक उत्सव है जिसमें हर समुदाय के लोग शामिल होते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक वर्ग इस घटना को सांप्रदायिक रंग देकर मुसलमानों और केरल की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि हमास के नेताओं के पोस्टर लगाना एक अलग मुद्दा है, लेकिन साथ ही भाजपा पर इस मामले को सांप्रदायिक एजेंडा के तहत तूल देने का आरोप लगाया।

यह पहली बार नहीं है जब केरल में इस तरह की गतिविधियां देखी गई हैं। 2024 में केरल विश्वविद्यालय के एक युवा महोत्सव का नाम इंतिफ़ादा रखने पर विवाद हुआ था क्योंकि यह नाम हमास और फिलिस्तीन-इज़राइल संघर्ष से जुड़ा हुआ था। बाद में विश्वविद्यालय प्रशासन को इस नाम को बदलना पड़ा। यही नहीं, 2023 में, मलप्पुरम में जमात-ए-इस्लामी की युवा शाखा सॉलिडेरिटी यूथ मूवमेंट के एक कार्यक्रम में हमास के पूर्व नेता खालिद मशाल ने वर्चुअल माध्यम से भाषण दिया था। इस दौरान हिंदुत्व को खत्म करो और जियोनिज्म को खत्म करो जैसे भड़काऊ नारे भी लगाए गए थे। भाजपा ने इस मामले में पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पार्टी का कहना है कि केरल में लगातार इस्लामी कट्टरता को बढ़ावा देने वाली घटनाएं हो रही हैं और सरकार इस पर आंखें मूंदे बैठी है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि अब तक इस घटना को लेकर कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, इसलिए किसी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। लेकिन बढ़ते विवाद को देखते हुए प्रशासन इस पर नजर बनाए हुए है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की जांच

महाकुंभ में नहाने योग्य नहीं रहा संगम का पानी

प्रयागराज/नई दिल्ली, 18 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की जांच में यह उजागर हुआ है कि महाकुंभ में संगम का पानी अब नहाने योग्य नहीं रहा। संगम के पानी में सीवरजनित फेकल कोलीफॉर्म पाया गया है, जो शरीर को संक्रमित करता है। सीपीसीबी की रिपोर्ट में भी दावा किया गया है कि संगम का आचमन के लायक भी नहीं रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपनी जांच रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को सौंपी है।

सीपीसीबी की रिपोर्ट में बताया गया है कि पानी में फेकल कोलीफॉर्म का स्तर काफी ज्यादा पाया गया है। सीपीसीबी की जांच टीम ने महाकुंभ में कई स्थानों पर पानी की जांच की। उस जांच के दौरान ही यह बात सामने आई कि पानी में फेकल कोलीफॉर्म की मात्रा काफी ज्यादा है। इसका कारण भी सामने आया है। बताया गया कि संगम में करोड़ों लोग आ रहे हैं। स्नान के पहले लोग शौच वगैरह कर रहे हैं। तमाम सफाई के बावजूद सीवर से कीटाणु पानी में जा रहे हैं। इस वजह से पानी में फेकल कोलीफॉर्म की मात्रा बढ़

पानी में सीवरजनित फेकल कोलीफॉर्म पाया गया

गई है। वैसे इस मामले में एनजीटी कोर्ट में एक याचिका काफी पहले दाखिल की गई थी। महाकुंभ शुरू होने से पहले ही सुनवाई शुरू हो चुकी थी, इसी वजह से अब नाराजगी है कि तमाम रिपोर्ट के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया। अब कोर्ट ने अगली सुनवाई में यूपीपीसीबी और मेंबर सेक्रेटरी को खुद मौजूद रहने को कह दिया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को बताया है कि संगम (गंगा-यमुना) का पानी नहाने योग्य भी नहीं, आचमन की बात तो दूर है। प्रयागराज में विभिन्न स्थानों पर पानी में फेकल कोलीफॉर्म का स्तर स्नान के लिए प्राथमिक जल गुणवत्ता के अनुरूप नहीं था। सीपीसीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, सीवेज से निकलने वाले गंदे पानी में फेकल कोलीफॉर्म की स्वीकार्य सीमा 2,500 यूनिट प्रति 100 मिली है। एनजीटी चेयरमैन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य जस्टिस सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों में गंदे नालों (सीवेज) के बहाव को रोकने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि 3 फरवरी को सीपीसीबी ने जो रिपोर्ट पेश की थी, उसमें कुछ गैर-अनुपालन या उल्लंघनों की ओर इशारा किया गया था। अलग-अलग समय पर प्रयागराज के विभिन्न स्थानों पर पानी की जांच की गई। इससे पता चला कि पानी में फेकल कोलीफॉर्म का स्तर तय यूनिट से बहुत अधिक था। रिपोर्ट में कहा गया कि महाकुंभ में पवित्र स्नान के मौकों पर लाखों लोगों ने गंगा डुबकी लगाई, जिसके चलते पानी में कोलीफॉर्म का स्तर और बढ़ गया।

पीठ ने नाराजगी जताते हुए कहा, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने के हमारे निर्देश का पालन नहीं किया। यूपीपीसीबी ने सिर्फ कुछ जांच रिपोर्टों के साथ एक कवरिंग लेटर दाखिल किया था, जिसकी समीक्षा से पता चला कि विभिन्न स्थानों पर मल और कोलीफॉर्म का उच्च स्तर पाया गया।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों के अनुसार श्रद्धालुओं को उस पानी की गुणवत्ता के बारे में सूचित किया जाना चाहिए था जिसमें वो डुबकी लगाने वाले थे। लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। एनजीटी ने दिसंबर 2024 के अपने आदेश में कहा था कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में गंगा जल की पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए और इसकी गुणवत्ता पीने और नहाने के लिए उपयुक्त होनी चाहिए। इन सबके बावजूद कुंभ आने वाले लोगों की संख्या में कोई कमी नहीं आ रही है। सरकार ने अनुमान 45 करोड़ का लगाया था, लेकिन अभी तक 53 करोड़ के करीब श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। बड़ी बात यह है कि अभी भी 8 दिन बचे हैं, ऐसे में आंकड़ा 60 करोड़ के पार भी जा सकता है। अब एक तरफ रिकॉर्ड टूट रहे हैं, दूसरी तरफ भीड़ प्रबंधन में प्रशासन के पसीने छूट रहे हैं।

तेलंगाना जल्द ही साइबर सुरक्षा नीति शुरू करेगा : डी.श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही भारत के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा और सुरक्षा कानून के अनुपालन में एक साइबर सुरक्षा नीति शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना साइबर सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने और साइबर खतरों का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करने में सक्रिय रहा है। श्रीधर बाबू ने मंगलवार को यहां साइबर सुरक्षा सम्मेलन 2025 में कहा, सरकार

हैदराबाद में साइबर रक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए चर्चा कर रही है। यह नागरिकों और सरकारी संस्थाओं को साइबर खतरों से बचाएगा।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि साइबर अपराधियों ने पिछले साल देश में 22,812 करोड़ रुपये लूटे। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध देश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ नागरिकों के लिए भी बड़ा खतरा बन रहा है। उन्होंने कहा कि इन दिनों फर्जी खबरें एक और बड़ा खतरा है और सोशल मीडिया पर गलत सूचना समाज में अराजकता पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना उन कुछ राज्यों में से एक है, जिसने नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी और अपराधों से बचाने के लिए पूरी तरह से काम करने वाला साइबर सुरक्षा ब्यूरो और एक समर्पित साइबर अपराध हेल्पलाइन स्थापित की है। रेवंत रेड्डी ने कहा, मैं सभी से 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर साझा करने की अपील करता हूं जो चौबीसों घंटे काम करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल सात नए समर्पित साइबर अपराध पुलिस स्टेशन शुरू किए थे।

राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने अवैध रेत खनन के खिलाफ अभियान चलाया, 50,000 टन रेत जब्त

यदाद्री, 18 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने अवैध रेत खनन के मुद्दे को संबोधित करने के लिए अलेयर पेड्डावगु में एक आश्चर्यजनक निरीक्षण किया। डीसीपी भोंगीर एम. राजेश चंद्रा और एएसपी के. राहुल रेड्डी के साथ, इस दौरे का उद्देश्य उल्लंघन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को मजबूत करना और सरकारी नियमों का पालन सुनिश्चित करना था।राचकोंडा पुलिस आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मीडिया से बात करते हुए, सीपी जी. सुधीर बाबू ने सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए अवैध रेत खनन और परिवहन में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की पुलिस की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुलिस ने अब तक 50,000 टन से अधिक मिट्टी जब्त की है और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं।

पुलिस आयुक्त ने आगे कहा, राचकोंडा पुलिस इन अवैध गतिविधियों को रोकने, पर्यावरण की सुरक्षा करने और कानून का पालन करने के लिए लगन से काम करना जारी रखती है। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू आईपीएस ने यदाद्री डीसीपी राजेश चंद्र आईपीएस और अन्य अधिकारियों के साथ बीबीनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में लिगाबस्वसरा मंदिर, पदमति सोमवरम का दौरा किया। पुलिस आयुक्त ने मोटाकोंदूर पुलिस स्टेशन और अलेयर चेक पोस्ट का भी निरीक्षण किया। दौरे के दौरान पुलिस आयुक्त ने कर्मचारियों को अवैध रेत परिवहन के बारे में सतर्क रहने का निर्देश दिया।

॥ चतुर्थ पुण्यतिथि ॥

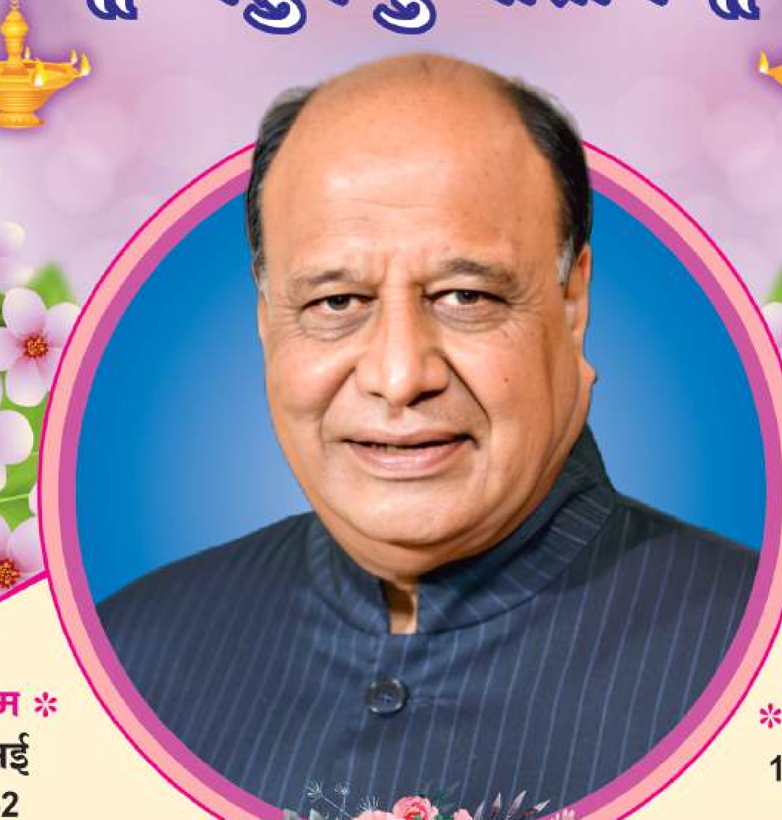

जन्म
19 मई
1952

निर्वाण
19 फरवरी
2021

श्री अशोक कुमार टीबड़ेवाला
(सुपुत्र : स्व. श्री गणपतरायजी टीबड़ेवाला)

आपका सुमधुर व्यवहार एवं मीठी-मीठी बातें,
सदैव हृदय में बसती है, स्मरणीय पल भुलाए न भूलते हैं, निरुपाय है..

श्रद्धावनत् : श्रीमती रेणु टीबड़ेवाला (धर्मपत्नी) ज्योतिप्रकाश-मंजू (भाई-भाभी)
सुशील-शशि, प्रमोद-सुधा, मनोज-संगीता (अनुज-बहू)
अमित-श्वेता, अश्विन-तृष्णा (पुत्र-पुत्रवधू)
अनुराधा-अंकुर अग्रवाल (पुत्री-दामाद) ईशान, योहान (पौत्र)
विहा (पौत्री) ताश्वी (दोयती) देवांक (दोयता) एवं समस्त टीबड़ेवाला परिवार
गणपतराय अशोक कुमार टीबड़ेवाला

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.